फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 93 प्रभात जयपुर, सोमवार 2 नवम्बर, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com



Beyond Good Morning

"Will we be able to go further from good morning msg also.. lol"
(A gentleman on a chat app)

Art in the Nation's Founding Document

Why Call "W" a Double U When It Looks Like a Double V?

यह विरोध प्रदर्शन, देश के लोकतंत्र को बचाने की आवाज है- राहुल गांधी

विपक्ष की रैली में कांग्रेस नेताओं के साथ, अखिलेश, ममता, फारूख, महबूबा व तेजस्वी यादव शामिल हुए

- **रैली से पहले विपक्षी दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मिंटो रोड से रामलीला मैदान तक रैली निकाली। खुले वाहन में सवार विपक्षी नेता सवार होकर रामलीला मैदान पहुँचे।**

नई दिल्ली, 01 नवंबर। दिल्ली के रामलीला मैदान में रविवार को विपक्षी दलों के इंडी गठबंधन की 'वोट बचाओ, देश बचाओ' महारैली में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर वोट चोरी का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि 2024 का लोकसभा चुनाव अवैध था और उसमें मतदाताओं के नाम काटे गए थे। राहुल गांधी ने कहा कि देश को सही रास्ते पर लाने के लिए सबसे पहला कदम ज्ञानेश कुमार को पद से हटाना है।

रैली से पहले विपक्षी दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मिंटो रोड से रामलीला मैदान तक मार्च निकाला। मार्च में कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव, तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी, नेशनल कॉन्फ्रेंस प्रमुख फारूक अब्दुल्ला, पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती और राष्ट्रीय जनता दल नेता तेजस्वी यादव सहित विपक्षी दलों के कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए।

खुले वाहन में सवार होकर पहुंचे नेताओं का रामलीला मैदान में स्वागत किया गया। इसके बाद मंच से विपक्षी नेताओं ने सभा को संबोधित किया। ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) की नेहा बोरा ने भी मंच से संबोधित किया। मल्लिकार्जुन खड़गे, अखिलेश यादव, फारूक अब्दुल्ला, ममता बनर्जी और महबूबा मुफ्ती के संबोधन के बाद राहुल गांधी ने मंच संभाला।

राहुल गांधी ने कहा कि ज्ञानेश कुमार मुख्य निर्वाचन आयुक्त के पद से हटेंगे और उन्हें जेल जाना पड़ेगा। यह सामान्य चोरी नहीं बल्कि देश के हर नागरिक के वोट और उसकी आवाज की चोरी है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनावी प्रक्रिया में गड़बड़ी के कारण लोकतंत्र और मतदाताओं के अधिकार प्रभावित हुए हैं।

उन्होंने कहा कि हर भारतीय की आवाज विपक्ष के लिए जरूरी है। यह विरोध प्रदर्शन देश के लोकतंत्र को बचाने की आवाज है। उन्होंने आरोप लगाया कि संवैधानिक संस्थाओं पर कब्जा किया जा रहा है। इसका असर किसानों, युवाओं और आम नागरिकों पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि किसान को उसकी मेहनत का फल मिलना चाहिए और 18 घंटे पढ़ाई करने वाले छात्र को शिक्षा और रोजगार के रूप में उसका परिणाम मिलना चाहिए।

इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह पर चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि दोनों नेता ज्ञानेश कुमार को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। खड़गे ने दावा किया कि महाराष्ट्र, बिहार और उत्तर प्रदेश में जनता ने सरकारें नहीं चुनीं बल्कि चुनावी प्रक्रिया में गड़बड़ी करके सरकारें बनाई गईं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र बचाने के लिए मोदी को हटाना जरूरी है। खड़गे ने कार्यकर्ताओं से संघर्ष जारी रखने की अपील की।

लोकतंत्र के नाम पर अराजकता फैलाने की साज़िश है- नड्डा

नई दिल्ली, 01 नवंबर। दिल्ली के रामलीला मैदान में विपक्षी दलों के इंडी गठबंधन की महारैली को लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राहुल गांधी और कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि रामलीला मैदान में आज जो कुछ हो रहा है, वह लोकतंत्र के प्रति सम्मान नहीं बल्कि लोकतंत्र के नाम पर देश को अराजकता में धकेलने की सोची-समझी साजिश है।

नड्डा ने रविवार को एक्स पर वीडियो जारी कर कहा कि यह उन लोगों का सुनियोजित नाटक

- **केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि जनता इनकी सच्चाई को अच्छी तरह समझती है।**

है, जिन्हें जनता बार-बार नकार चुकी है। जनता इस सच्चाई को अच्छी तरह समझती है। राहुल गांधी की राजनीति का मॉडल बताते हुए उन्होंने कहा कि इसकी पहली कड़ी, झूठ और अफवाह फैलाना है। दूसरी कड़ी सड़कों पर अराजकता और अव्यवस्था पैदा करना, तीसरी कड़ी देश की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाना और चौथी कड़ी विदेशी ताकतों के इशारे पर चुनी हुई सरकार को अस्थिर करने का प्रयास करना है।

उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी और इंडी गठबंधन लोकतंत्र की आड़ में ऐसा राजनीतिक माहौल बनाने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे देश की शांति, अर्थव्यवस्था और लोकतांत्रिक व्यवस्था प्रभावित हो। नड्डा ने कहा कि कांग्रेस नवंबर के काले इतिहास को नहीं छिपा सकते और न ही दिल्ली के व्यापारियों के आँसुओं का हिसाब देने से बच सकते हैं। भारत एक सशक्त लोकतंत्र है, जो आपकी 'दंगा आधारित राजनीति' से नहीं बल्कि संविधान और जनता के जनादेश से चलेगा।

हमले की चर्चाओं के बीच ट्रंप की नेतन्याहू से फोन पर वार्ता

कहते हैं कि दोनों ने सैन्य कार्यवाही के विभिन्न रणनीतिक विकल्पों पर विचार किया

- **अमेरिकी विदेश मंत्री मार्क रूबियो ने कहा कि ईरान के साथ कूटनीतिक बातचीत लगातार जारी है। उन्होंने बातचीत की समय सीमा और अब तक की प्रगति के बारे में कुछ भी बताने से इंकार किया।**

वाशिंगटन डीसी, 01 नवंबर। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने शनिवार को इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से फोन पर बातचीत की। यह बातचीत ऐसे समय में हुई है, जब वाशिंगटन ईरान के खिलाफ नए सिरे से सैन्य कार्रवाई की संभावनाओं का आकलन कर रहा है। द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने इस बातचीत से परिचित सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी है।

अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, इस सप्ताह की शुरुआत में वाइट हाउस में हुई एक बैठक के बाद दोनों नेताओं के बीच यह बातचीत हुई। इस बैठक में ट्रंप ने वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों के साथ ईरान के खिलाफ बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान दोबारा शुरू करने के संभावित विकल्पों पर चर्चा की थी। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका ईरान के खिलाफ संभावित सैन्य कार्रवाई को लेकर विभिन्न रणनीतिक विकल्पों पर विचार कर रहा है। हालांकि, बातचीत में किन मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई और किसी सैन्य कार्रवाई को लेकर क्या फैसला लिया गया, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है।

अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के बीच अमेरिकी विदेश मंत्री मार्क रुबियो ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि ईरान के साथ कूटनीतिक बातचीत लगातार जारी है और इसमें कोई रुकावट नहीं आई है। हालांकि, उन्होंने बातचीत की समयसीमा या अब तक हुई प्रगति के बारे में कुछ भी बताने से इनकार किया। रुबियो ने यह भी स्पष्ट किया कि राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ आगे सैन्य कार्रवाई को लेकर अभी कोई फैसला नहीं लिया है।

जॉर्जिया में जी-20 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक के समापन पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए रुबियो ने कहा कि अमेरिका अब भी ऐसे कूटनीतिक समाधान के लिए तैयार है, जो उसकी बुनियादी सुरक्षा चिंताओं को दूर कर सके। उन्होंने ईरान पर वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाकर समुद्री क्षेत्र में आक्रामक गतिविधियां करने और मध्य पूर्व में अस्थिरता फैलाने वाले सशस्त्र समूहों का समर्थन करने का आरोप भी लगाया।

व्यापारियों ने विपक्ष की रैली से 11 हजार करोड़ रूपए के नुकसान का दावा किया

चैम्बर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री के अनुसार, दिल्ली की 80 प्रतिशत दुकानें बंद रहीं

- **सीआई चेयरमैन बृजेश गोयल ने कहा कि सामान्य दिनों में दिल्ली के बाज़ारों में खरीददारी करने 3-4 लाख लोग आते हैं। रैली के कारण एक नवम्बर को यह संख्या बहुत कम रही।**

नई दिल्ली, 01 नवंबर। दिल्ली के रामलीला मैदान में रविवार को आयोजित इंडिया गठबंधन की रैली का असर राजधानी के कारोबार पर भी देखने को मिला। व्यापारिक संगठन चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने दावा किया है कि रैली के कारण दिल्ली के व्यापार को करीब 11,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। संगठन के मुताबिक, रैली वाले दिन राजधानी के करीब 80 प्रतिशत बाजारों की दुकानें बंद रहीं। इससे दिवाली से पहले खरीदारी और व्यापारिक गतिविधियां प्रभावित हुईं।

सीटीआई के चेयरमैन बृजेश गोयल ने कहा कि रैली से पहले करीब 10 लाख लोगों के जुटने की संभावना जताई गई थी। इसके लिए 15 से 20 हजार वाहनों के दिल्ली पहुंचने का अनुमान था। इसी वजह से राजधानी में कई दिनों से ट्रैफिक प्रतिबंधों और आवाजाही को लेकर अनिश्चितता बनी हुई थी। इसका सीधा असर बाजारों और कारोबार पर पड़ा।

समाचार एजेंसी से बातचीत में बृजेश गोयल ने बताया कि सामान्य दिनों में दिल्ली के बाजारों में खरीदारी और कारोबार के लिए रोजाना 3 से 4 लाख लोग बाहर से आते हैं। लेकिन, रैली वाले दिन ग्राहकों की संख्या काफी कम रही। उन्होंने कहा कि रामलीला मैदान के आसपास के 22 से 25 प्रमुख बाजारों में करीब 3 लाख दुकानें हैं। बाजार संघों से मिली जानकारी के आधार पर अनुमान है कि शाम तक लगभग 2.5 लाख दुकानें बंद रहीं। यह कुल दुकानों का करीब 80 प्रतिशत है। जो दुकानें खुली थीं, वहां भी कारोबार बेहद कम हुआ।

सीटीआई के मुताबिक, रैली का असर केवल बाजारों तक सीमित नहीं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नया चक्रवाती तूफान ''मुरासु'' 3 की सुबह आंध्र पहुंचेगा

नई दिल्ली, 01 नवंबर। बंगाल की खाड़ी में बना गहरा दबाव का क्षेत्र चक्रवाती तूफान 'मुरासु' में तब्दील हो गया है। आज सुबह 11:30 बजे यह तूफान दक्षिण-पश्चिम और उससे सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर

- **दक्षिण भारत के कई राज्यों में बहुत भारी वर्षा का अनुमान है।**

केंद्रित था। इसके पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ ने और 2 नवंबर की सुबह तक भीषण चक्रवाती तूफान में बदलने की आशंका है।

मौसम विभाग के मुताबिक तूफान आगे उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ ते हुए दक्षिण आंध्र प्रदेश के तट से टकरा सकता है। संभावना है कि 2 नवंबर की आधी रात 11:30 बजे से 3 नवंबर की सुबह 4 बजे के बीच तूफान नेल्लोर और नरसापुर के बीच तट पार कर सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक चक्रवाती तूफान के प्रभाव से दक्षिण भारत के कई राज्यों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने 1 और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अदालतों में न्याय मांगना महंगा या अव्यवहारिक होना नियम नहीं'

'केन्द्र की भर्ती में अगर राज्य शामिल है तो विवाद होने पर हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया जा सकता है'

-कार्यालय संवाददाता-

- **राजस्थान हाईकोर्ट ने सशस्त्र सीमा बल की कांस्टेबल ड्राईवर की भर्ती से संबंधित विवाद पर केन्द्र सरकार की अपील खारिज की**
- **हाईकोर्ट ने एकलपीठ के फैसले को सही ठहराते हुए कहा कि, ''सुप्रीम कोर्ट स्पष्ट कर चुका है कि, जब याचिकाकर्ता के समक्ष कई तरह की अदालत चुनने का विकल्प हो, तब उसे उस अदालत को चुनने का अधिकार है, जो उसके लिए सबसे सुविधाजनक हो।''**

जयपुर, 1 नवंबर । राजस्थान हाईकोर्ट में सशस्त्र सीमा बल (एस.एस.बी.) में कांस्टेबल ड्राईवर की भर्ती से संबंधित विवाद पर सुनवाई हुई। अदालत के समक्ष विवाद यह था कि, चूंकि यह भर्ती भारत सरकार द्वारा देशभर में की जा रही है, ऐसे में क्या इस भर्ती से जुड़े विवाद राजस्थान हाईकोर्ट में सुने जा सकते हैं? केन्द्र सरकार की ओर से अदालत के समक्ष सवाल उठाया गया था कि, क्या याचिकाएं राजस्थान हाईकोर्ट में सिर्फ इसलिए दायर की जा सकती हैं, क्योंकि, भर्ती प्रक्रिया के दौरान कुछ अथॉरिटी ऐसी थी जो राजस्थान में कार्यरत हैं और राज्य सरकार भी इस प्रक्रिया में शामिल है?

मुख्य न्यायाधीश एस.के.अग्रवाल और न्यायाधीश इंद्रजीत सिंह ने इस मामले पर फैसला देते हुए कहा कि, सुप्रीम कोर्ट स्पष्ट कर चुका है कि, जब याचिकाकर्ता के समक्ष कई तरह की अदालत चुनने का विकल्प हो, तब उसे उस अदालत को चुनने का अधिकार है, जो उसके लिए सबसे सुविधाजनक हो। हाईकोर्ट की खंडपीठ ने एकलपीठ के फैसले को सही ठहराते हुए कहा कि, याचिकार्ता अभ्यर्थी राजस्थान के मूल निवासी हैं, इन्होंने राजस्थान में ही भर्ती के लिए आवेदन फॉर्म डाऊनलोड किया और यहां पर ही उसे भरा, इसलिए अतिरिक्त पैसे खर्च करके किसी अन्य अदालत में जाकर राहत की गुहार करने से अच्छा है कि वे राजस्थान में ही रिट याचिका दायर करके अपने हक की लडाई लड सकें। अदालत में केन्द्र सरकार की ओर से कहा गया था कि, भर्ती प्रक्रिया का कुछ हिस्सा ही राजस्थान में आयोजित किया गया था, जैसे पी.ई.टी. और पी.एस.टी. व कम्प्यूटर टेस्ट यहां पर हुए थे, ट्रेड टेस्ट बिहार में आयोजित हुए थे, और मेडिकल एक्जाम दिल्ली में हुआ था।

याचिकाकर्ता सुनील कुमार व अन्य ने हाईकोर्ट की एकलपीठ में रिट याचिका इसलिए दायर की थी, क्योंकि वह बिहार में फिटनेस टेस्ट में उत्तीर्ण नहीं हुए थे। अदालत ने केन्द्र सरकार को कहा था कि याचिकाकर्ताओं का फिटनेस सर्टिफिकेट उपलब्ध है, जो उन्हें विशेषज्ञ डॉक्टर्स ने दिए हैं, इसलिए उनका रिव्यू मेडिकल टेस्ट किया जाये।

एकलपीठ के इस आदेश के खिलाफ केन्द्र सरकार ने राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ में अपील दायर की थी। इस प्रकरण की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता सुनील कुमार सैनी पैरवी के लिए पेश हुए थे। खंडपीठ ने केन्द्र सरकार की अपील याचिका को खारिज करते हुए एकलपीठ के फैसले का सही ठहराया है।

भाजपा ने दिल्ली की दुकानें बंद कराईं- राहुल

नई दिल्ली, 01 नवंबर। कांग्रेस नेता व लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी पर, रविवार को 'चलो दिल्ली रामलीला मार्च' के दौरान कनॉट प्लेस और अन्य बाजारों की दुकानों को बंद कराए जाने

- **उन्होंने कहा कि भाजपा ने दुकानदारों का नुकसान कराया।**

का आरोप लगाया है। राहुल गांधी का कहना कि हमने मार्च में आने वालों से यहां खरीददारी करने की अपील की थी, जिससे दुकानदारों का फायदा हो सके, लेकिन कनॉट प्लेस आते समय पता चला कि भाजपा ने जबरदस्ती दुकानें बंद करवा दीं, देश देख रहा है कि भाजपा दुकानदारों को नुकसान कर रही है।

रामलीला मैदान में आज इंडी गठबंधन की 'वोट बचाओ-देश बचाओ' महारैली का आयोजन करके

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मंच और सभा में विपक्षी दलों की एकता स्पष्ट नज़र आई

सड़कों और रामलीला मैदान में विभिन्न दलों के कार्यकर्ता अपनी पार्टी के झंडों के साथ सक्रिय रहे

- **''वोट बचाओ देश बचाओ'' रैली के बाद सभा में नेताओं के भाषणों को नारों और तालियों का पूरा साथ मिला।**

नई दिल्ली, 01 नवंबर। रामलीला मैदान में रविवार को आयोजित इंडिया गठबंधन की वोट बचाओ-देश बचाओ रैली में विपक्षी एकजुटता की तस्वीर मंच से कहीं आगे तक दिखाई दी। मंच पर गठबंधन के घटक दलों के नेता एक साथ मौजूद थे तो मैदान के भीतर और वहां तक पहुंचने वाली सड़कों पर विभिन्न दलों के कार्यकर्ता और समर्थक अपने-अपने झंडों के साथ डटे थे। कांग्रेस से लेकर गठबंधन के अन्य दलों के झंडों से पटा मैदान और आसपास की सड़कों पर समर्थकों की मौजूदगी ने रैली को शक्ति प्रदर्शन का रूप दे दिया। नेताओं के भाषणों के दौरान लगातार गूंजते नारों और तालियों से मंच पर मौजूद नेताओं को मैदान में बैठे समर्थकों का पूरा साथ मिला।

रैली का नेतृत्व कांग्रेस नेता राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव, तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी और अन्य प्रमुख विपक्षी नेताओं ने किया।

रैली में शामिल होने के लिए समर्थकों का पहुंचना सुबह करीब नौ बजे से ही शुरू हो गया था। इसके बाद रामलीला मैदान की ओर आने वाले लोगों का सिलसिला लगातार बढ़ ता रहा। दोपहर तीन बजे रैली शुरू होने तक समर्थक पहुंचते रहे। मैदान में अलग-अलग दलों के झंडे लहराते कार्यकर्ताओं के समूह दिखाई दे रहे थे। वहीं, मैदान की ओर आने वाली सड़कों पर भी गठबंधन के दलों के समर्थकों की आवाजाही बनी रही। इस तरह रैली का माहौल केवल आयोजन स्थल तक सीमित नहीं था, बल्कि आसपास के इलाके में भी राजनीतिक सरगर्मी दिखाई दे रही थी।

रैली में नेताओं के भाषण शुरू होने से पहले ही समर्थकों का उत्साह बनाए रखने के लिए लाउडस्पीकर से बीच-बीच में देशभक्ति के गीत सुनाए जाते रहे। गीतों की धुन के बीच समर्थक अपनी-अपनी पार्टी के झंडे लहराते और नारे लगाते नजर आए। मंच से संबोधन शुरू होने तक मैदान में राजनीतिक उत्साह का माहौल बन चुका था। अलग-अलग दलों के झंडों की मौजूदगी गठबंधन की साझा राजनीतिक ताकत के साथ-साथ उसके घटक दलों की भागीदारी भी दिखा रही थी।

दिल्ली रैली और मार्च को लेकर 10 लाख लोगों के जुटने की उम्मीद जताई गई थी, जबकि पुलिस अनुमान के अनुसार भीड़ 50,000 के करीब रही। नेताओं के साथ-साथ छात्र समूहों, नागरिक समाज संगठनों, श्रमिक संघों, महिलाओं और युवाओं ने भी इस प्रदर्शन में बढ़ -चढ़ कर हिस्सा लिया।

रैली के कारण दिल्ली के कई क्षेत्रों में जाम रहा

नई दिल्ली, 01 नवंबर। रविवार को रामलीला मैदान में इंडिया ब्लॉक की रैली के कारण मध्य दिल्ली के कई प्रमुख मार्गों पर यातायात जाम देखा गया। पुलिस ने बताया कि सड़क बंद होने के कारण आईटीओ सहित कई क्षेत्रों में वाहनों की आवाजाही धीमी रही। इससे यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

विपक्षी दलों द्वारा कथित वोट चोरी के विरोध में यह रैली आयोजित की गई

- **कई सड़कों पर यातायात प्रतिबंधों के कारण गाड़ियों की गति बहुत धीमी रही।**

थी। इसमें बड़ी संख्या में प्रतिभागी शामिल हुए। इससे क्षेत्र में वाहनों की आवाजाही काफी बढ़ गई। कई सड़कों पर यातायात प्रतिबंध भी लगाए गए थे। दिल्ली यातायात पुलिस ने रैली से पहले विस्तृत परामर्श जारी किया था। इस परामर्श में यातायात मोड़, प्रतिबंध और वैकल्पिक मार्गों की घोषणा की गई थी। यह परामर्श विशेष रूप से रामलीला मैदान और आसपास के क्षेत्रों की ओर यात्रा करने वालों के लिए था।

इन व्यवस्थाओं के बावजूद, रविवार शाम को कई व्यस्त मार्गों और चौराहों पर भारी यातायात देखा गया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'राहुल गांधी 1984 के दंगों की माफी मांगें'

नई दिल्ली, 01 नवंबर। 1984 के सिख विरोधी दंगों के पीड़ितों को न्याय दिलाने और उनके समर्थन में रविवार को दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और सिख संगठनों ने विरोध मार्च निकाला। हरिनगर बस डिपो से

- **भाजपा व सिख संगठनों ने 1984 के सिख विरोधी दंगा पीड़ितों के लिए विरोध मार्च निकाला।**

तिलकनगर तक निकाले गए 1 किमी. के मार्च में बड़ी संख्या में सिख समुदाय के लोगों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया।

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के नेतृत्व में विरोध मार्च में नेताओं ने राहुल गांधी से 1984 के दंगों के पीड़ितों से माफी मांगने की मांग की। मार्च केंद्रीय कैबिनेट मंत्री हरदीप सिंह पुरी, दिल्ली

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

जब तक आशा लगी है, तब तक एकाग्रता नहीं हो सकती। – रामतीर्थ

ऋतुराज : केंद्र से दूर फिर भी साहित्य के केंद्र में!

किसी लेखक की प्रतिष्ठा कैसे बनती है? क्या इसके लिए जरूरी है कि वह साहित्यिक आयोजनों में लगातार दिखाई दे, दूसरे लेखकों-आलोचकों से संपर्क बनाए रखे, अपनी उपस्थिति दर्ज कराता रहे, अपने लेखन और उपलब्धियों की चर्चा करता और करवाता रहे? क्या पुरस्कारों और सम्मानों की दुनिया में जगह बनाने के लिए कुछ अतिरिक्त सक्रियता, कुछ जोड़-तोड़ और कुछ आत्मप्रचार भी जरूरी है? हिंदी साहित्य की दुनिया में इन सवालों के जवाब तलाशने निकलें तो कई दिलचस्प निष्कर्ष सामने आ सकते हैं। लेकिन हाल में दिवंगत हुए वरिष्ठ कवि ऋतुराज का जीवन इन प्रचलित धारणाओं के बरक्स एक अलग ही तस्वीर प्रस्तुत करता है।

ऋतुराज हमारे समय के महत्त्वपूर्ण कवि थे। उनकी कविता की अपनी पहचान थी और साहित्यिक दुनिया में उनका सम्मान भी खूब था। लेकिन अपने व्यक्तित्व और व्यवहार में वे उन लेखकों से बिल्कुल अलग थे जो लगातार साहित्यिक गतिविधियों के केंद्र में बने रहना चाहते हैं। वे अपनी छोटी-सी दुनिया में सिमटे रहने वाले व्यक्ति थे। न कहीं बहुत आना-जाना, न लोगों से मिलने-जुलने की विशेष उत्सुकता। फ़ोन करना तो दूर, फ़ोन उठाने से भी उन्हें परहेज था। उनके साक्षात्कार भी उंगलियों पर गिने जा सकते हैं। अपने बारे में बात करना, अपनी उपलब्धियों का बखान करना या साहित्यिक दुनिया में अपनी उपस्थिति का अहसास कराते रहना उनके स्वभाव में नहीं था। 2023 में बया पत्रिका ने ऋतुराज: 'रचनात्मकता के छह दशक' शीर्षक से एक विशेषांक निकाला था। पत्रिका के संपादक गौरीनाथ ने भूमिका में लिखा है: ऋतुराज जी के सहयोग की बात करूं तो वे लगातार अंक निकालने से रोकते ही रहे। दस बार फ़ोन करने पर एक बार उठाते और ऊपर से यह सलाह देते कि क्यों अपना समय बर्बाद कर रहे हो!"

यह सब किसी बनावटी विनम्रता या प्रचार से बचने के लिए अपनाई गई रणनीति का हिस्सा नहीं था। यह उनका सहज स्वभाव था। वे जैसे थे, वैसे ही रहे। साहित्यिक आयोजनों में उनकी अनुपस्थिति को उनकी साहित्यिक उदासीनता नहीं माना जाना चाहिए। वे अपने समय और समाज से पूरी तरह जुड़े हुए कवि थे। उनकी कविता में आम आदमी का जीवन, सामाजिक विषमताएं, स्त्री की स्थिति और हाशिए पर खड़े लोगों की पीड़ा जिस गहराई से व्यक्त हुई है, वह इस बात का प्रमाण है कि उनका एकांत उन्हें अपने आसपास की दुनिया से काटता नहीं था। वे दुनिया को देखते थे, समझते थे और अपनी कविता में उसका साक्ष्य प्रस्तुत करते थे।

ऋतुराज के जीवन का एक दिलचस्प पहलू उनका भौगोलिक चुनाव भी है। वे राजस्थान की कॉलेज शिक्षा सेवा में अंग्रेजी के प्राध्यापक थे। उन्होंने लगभग चार दशक तक अध्यापन किया। उस ज़माने में उनके लिए बड़े शहर में पदस्थापन प्राप्त करना कोई असंभव काम नहीं था। लेकिन उन्होंने प्रांत के किसी बड़े शहर में रहने की आकांक्षा नहीं पाली। उनकी नौकरी का बड़ा हिस्सा बूंदी जैसे छोटे कस्बे में बीता। सेवानिवृत्ति के बाद कुछ समय चीन में चाइना रेडियो इंटरनेशनल के साथ भाषा विशेषज्ञ के रूप में काम किया और फिर जयपुर आकर बस गए। लेकिन जयपुर में भी उनकी जीवनशैली में कोई बदलाव नहीं आया। साहित्यिक आयोजनों और सार्वजनिक गतिविधियों में उनकी उपस्थिति बहुत विरल रही।यह बात मुझे इसलिए ख़ास तौर पर याद आ रही है कि उनके तीये की बैठक से लौटते हुए एक वरिष्ठ साहित्यकार ने किंचित अफ़सोस के साथ कहा कि काश! ऋतुराज जी दिल्ली में रह रहे होते! निश्चय ही इस अफ़सोस में ऋतुराज जी के प्रति अनुराग और सद्भावना थी। दिल्ली हिंदी साहित्य का बड़ा केंद्र है। वहां प्रकाशक हैं, साहित्यिक संस्थान हैं, लेखक-संपादकों का जमावड़ा है, मीडिया है और पुरस्कारों-सम्मानों से जुड़ी गतिविधियों का एक पूरा तंत्र है। वहां रहने वाले लेखक की दृश्यता स्वाभाविक रूप से अधिक होती है। लेकिन ऋतुराज के संदर्भ में मैं सोचने लगता हूं कि क्या दिल्ली में रहने से उनका स्वभाव बदल जाता? शायद नहीं। वे वहां भी अपनी उसी छोटी-सी दुनिया में रहे होते। उन्हें बड़े शहर की चमक-दमक या साहित्यिक गतिविधियों के केंद्र में रहने की कोई आकांक्षा थी ही नहीं। वे जहां रहे, अपनी शर्तों पर रहे। दिल्ली में रहते तो भी ऐसे ही रहते!

ऋतुराज की कविता का संसार किसी छोटे दायरे में सीमित नहीं था। उनके यहां समाज के वंचित और उपेक्षित लोग हैं, स्त्रियों के जीवन के संघर्ष हैं, व्यवस्था की विसंगतियां हैं और मनुष्य की गरिमा से जुड़े सवाल हैं। उनकी कविता में जो बेचैनी और प्रतिरोध है, वह उनके निजी जीवन की चुप्पी से बिल्कुल अलग दिखाई देता है। शायद यही उनकी विशेषता थी कि वे सार्वजनिक रूप से कम बोलते थे, लेकिन उनकी कविताएं बहुत कुछ कहती थीं।

यहां एक बात स्पष्ट करना जरूरी है। साहित्यिक संवाद, संपर्क और मेलजोल अपने आप में कोई बुरी बात नहीं है। लेखक भी सामाजिक प्राणी है। दूसरे लेखकों से मिलना, विचारों का आदान-प्रदान करना, आयोजनों में भाग लेना और अपने समय के साहित्यिक विमर्श से जुड़े रहना रचनात्मक जीवन को समृद्ध कर सकता है। लेकिन जब यह सब लेखक की रचनात्मकता से अधिक उसकी प्रतिष्ठा अर्जित करने का साधन बन जाए, तब सवाल पैदा होते हैं। ऋतुराज का उदाहरण इसीलिए महत्त्वपूर्ण है कि उन्होंने साहित्यिक दुनिया में अपनी जगह बनाने के लिए इन गतिविधियों को ज़रूरी नहीं माना।यह बात ग़ौरतलब है कि जिस साहित्यिक समाज में सायास अपनी उपस्थिति बनाए रखना भी एक योग्यता मान लिया गया हो वहां ऋतुराज ने अपनी अनुपस्थिति से ही अपनी उपस्थित दर्ज़ करा दी।

उनकी उपलब्धियों की सूची पर नजर डालें तो यह बात और स्पष्ट होती है। उनके कई कविता संठाह छपे और चर्चित हुए। उन्हें अनेक प्रतिष्ठित पुरस्कार और सम्मान मिले। इन सम्मानों का उल्लेख किसी उपलब्धि का हिसाब देने के लिए नहीं, बल्कि एक विरोधाभास को रेखांकित करने के लिए ज़रूरी है। जिस व्यक्ति ने पुरस्कारों और सम्मानों के लिए कभी कोई प्रयत्न नहीं किया, जिसे सामान्य मेलजोल और लोकाचार निभाने में भी खास दिलचस्पी नहीं थी, उसे साहित्यिक दुनिया ने पर्याप्त सम्मान दिया। उनके निधन के बाद सोशल मीडिया पर जिस आदर के साथ उन्हें स्मरण किया गया वह असाधारण था। यह सम्मान उनकी रचनाओं की ताकत और उनके साहित्यिक अवदान की स्वीकृति था। यह भी उल्लेखनीय है कि उन्हें साहित्य अकादेमी पुरस्कार नहीं मिला। लेकिन इस बात को लेकर उन्होंने कभी सार्वजनिक क्षोभ या मलाल व्यक्त नहीं किया। उनके कई प्रशंसकों और मित्रों को लगता रहा कि उन्हें कुछ और बड़े सम्मान मिलने चाहिए थे। दूसरों की यह शिकायत अपनी जगह है, लेकिन स्वयं ऋतुराज ने कभी इसे अपनी चिंता का विषय नहीं बनाया। उन्होंने न अपनी उपेक्षा का सोग मनायान किसी पुरस्कार के लिए अपनी दावेदारी जताई और न यह शिकायत की कि साहित्यिक दुनिया ने उन्हें पर्याप्त महत्त्व नहीं दिया। याद रखा जाए कि ऋतुराज उसी हिंदी साहित्य समाज के एक सदस्य थे जहां लगभग हरेक रचनाकार को या/और उसके प्रशंसक को यह शिकायत रहती है कि जितने सम्मान के वे पात्र हैं उतना सम्मान उन्हें मिला नहीं।

इस प्रसंग में एक और बात ध्यान देने योग्य है। ऋतुराज की कविता का संसार किसी छोटे दायरे में सीमित नहीं था। उनके यहां समाज के वंचित और उपेक्षित लोग हैं, स्त्रियों के जीवन के संघर्ष हैं, व्यवस्था की विसंगतियां हैं और मनुष्य की गरिमा से जुड़े सवाल हैं। उनकी कविता में जो बेचैनी और प्रतिरोध है, वह उनके निजी जीवन की चुप्पी से बिल्कुल अलग दिखाई देता है। शायद यही उनकी विशेषता थी कि वे सार्वजनिक रूप से कम बोलते थे, लेकिन उनकी कविताएं बहुत कुछ कहती थीं। अनायास ही शमशेर बहादुर सिंह याद आ जाते हैं: **बात बोलेगी, हम नहीं।/ भेद खोलेगी बात ही।**

ऋतुराज का उदाहरण देकर यह निष्कर्ष निकालना भी ठीक नहीं होगा कि लेखक को संपर्क नहीं रखने चाहिए, साहित्यिक आयोजनों में नहीं जाना चाहिए या पुरस्कारों की आकांक्षा नहीं करनी चाहिए। हर व्यक्ति का स्वभाव अलग होता है और हर लेखक अपनी तरह से अपना रास्ता बनाता है। लेकिन ऋतुराज का जीवन यह जरूर बताता है कि साहित्य में प्रतिष्ठा अर्जित करने का कोई एक तयशुदा फार्मूला नहीं है। बड़े शहर में रहना, हर जगह दिखाई देना, संपर्क का विस्तार करना और अपनी उपलब्धियों का प्रचार करना किसी लेखक की सफलता की अनिवार्य शर्तें नहीं हैं। उसी तरह पुरस्कार न मिलना या अपेक्षित सम्मान न मिलना किसी लेखक की रचनात्मक विफलता का प्रमाण नहीं है।

आज जब हर क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने, अपनी उपलब्धियों का प्रचार करने और दूसरों की तुलना में आगे दिखाई देने की होड़ बढ़ती जा रही है, ऋतुराज का जीवन एक अलग तरह का संदेश देता है। उन्होंने अपने लेखन को ही अपनी पहचान बनने दिया। न उन्होंने दुनिया से अपने लिए जगह मांगी, न जगह न मिलने की कभी शिकायत की। वे अपनी दुनिया में रहे, लेकिन उनकी कविता की दुनिया बहुत बड़ी थी। वे साहित्यिक गतिविधियों के केंद्र में भले न रहे हों, समकालीन हिंदी कविता के केंद्र में उनकी जगह बनी रही।

शायद किसी लेखक के लिए इससे बड़ी संतुष्टि और क्या हो सकती है कि उसके जाने के बाद भी उसकी रचनाएं पाठकों के बीच जीवित रहें। ऋतुराज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी कविताएं हमारे पास हैं। और वे हमें याद दिलाती रहेंगी कि साहित्य में अंततः लेखक की स्थायी पहचान उसके संपर्क, प्रचार और शिकायतों से नहीं, उसके रचनात्मक अवदान से बनती है।

इस बड़े कवि को राष्ट्रदूत परिवार की विनम्र श्रद्धांजलि!

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल,
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

फर्जी डिग्री की खेती : राजस्थान में कृषि शिक्षा का संकट और सुधार की उम्मीद



प्रो. (डॉ.) पी. सी. कंठालिया

राजस्थान की धरती पर दो तरह की खेती हो रही है। एक खेतों में, जहाँ किसान पसीना बहाकर अन्न उगाता है; दूसरी कुछ शिक्षण संस्थानों की चारदीवारी में, जहाँ पर्याप्त पढ़ाई, प्रयोगशाला और प्रायोगिक प्रशिक्षण के बिना डिठियाँ बाँटने के आरोप सामने आ रहे हैं। पहली खेती देश का पेट भरती है, जबकि दूसरी विद्यार्थियों के भविष्य और कृषि शिक्षा की विश्वसनीयता को खतरे में डाल सकती है। कृषि शिक्षा में अनियमितताओं का यह प्रश्न अब राजस्थान तक सीमित नहीं रहा, बल्कि राष्ट्रीय बहस का विषय बन गया है।

14 अक्टूबर 2026 को नई दिल्ली में एठीविजन के दसवें राष्ट्रीय सम्मेलन में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने स्पष्ट किया कि निर्धारित मानकों के बिना तेजी से खुल रहे निजी कृषि महाविद्यालयों और फर्जी डिठियों के कारोबार पर सख्ती से रोक लगाई जाएगी।

उन्होंने घोषणा की कि कृषि शिक्षा के नियमन के लिए जल्द एग्रीकल्चर काउंसिल गठित की जाएगी। उनका संदेश साफ था कि केवल फीस लेकर डिग्रियाँ बाँटने वाले संस्थानों को चलने की अनुमति नहीं दी जाएगी। यह घोषणा कृषि शिक्षा की गुणवत्ता और विद्यार्थियों के भविष्य की सुरक्षा की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण पहल है।

राजस्थान में इस समस्या की गंभीरता समझने के लिए जुलाई 2025 का मेवाड़ विश्वविद्यालय प्रकरण पर्याप्त संकेत देता है। चित्तौड़गढ़ जिले के गंगरार स्थित विश्वविद्यालय में कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने 29 जुलाई को औचक निरीक्षण किया था।मेवाड़ विश्वविद्यालय प्रकरण में सामने आई शिकायतें और भी गंभीर थीं। आरोप लगाए गए कि विद्यार्थियों को राजस्थान जॉइंट एंट्रेंस टेस्ट की निर्धारित प्रवेश प्रक्रिया से हटकर सीधे प्रवेश दिए गए। यह भी शिकायत थी कि उत्तर-पुस्तिकाओं की जाँच कथित तौर पर महज दो घंटे में पूरी कर विद्यार्थियों को प्रथम श्रेणी तक प्रदान कर दी गई। इसके अलावा, डेयरी और कृषि डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के नाम पर विद्यार्थियों से लाखों रुपये फीस के रूप में वसूलने की शिकायतें भी सामने आईं। यह केवल प्रवेश और परीक्षा प्रक्रिया की अनियमितता का मामला नहीं है , बल्कि विद्यार्थियों के भविष्य और कृषि शिक्षा की विश्वसनीयता पर भी गंभीर सवाल भी खड़ा कर रहा है इसलिए आवश्यक है कि प्रवेश अभिलेखों, उत्तर-पुस्तिकाओं, फीस के विवरण और पाठ्यक्रमों की मान्यता की निष्पक्ष जाँच कराई जाए तथा उसके निष्कर्ष सार्वजनिक किए जाएँ। कृषि शिक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता को केवल प्रशासनिक चूक मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, क्योंकि इसका सीधा असर कृषि क्षेत्र के भविष्य और किसानों को वैज्ञानिक मार्गदर्शन देने वाले भावी विशेषज्ञों की गुणवत्ता पर पड़ता है।

समस्या की जड़ केवल कॉलेजों की संख्या बढ़ना नहीं, बल्कि उनकी शैक्षणिक तैयारी और निगरानी में संभावित कमियाँ हैं। कृषि शिक्षा में केवल कक्षाएँ और परीक्षा पर्याप्त नहीं हैं। विद्यार्थियों को मिट्टी की जाँच, फसल उत्पादन, कीट एवं रोग प्रबंधन, सिंचाई, उर्वरक उपयोग और अनुसंधान की व्यावहारिक जानकारी चाहिए। इसके लिए योग्य शिक्षक, सुसज्जित प्रयोगशालाएँ, पुस्तकालय और पर्याप्त कृषि फार्म अनिवार्य हैं। यदि किसी संस्थान में इन सुविधाओं का अभाव है, तो उसकी डिग्री विद्यार्थी को वास्तविक दक्षता कैसे देगी?

कृषि महाविद्यालय खोलने में भूमि की उपलब्धता विशेष महत्त्व रखती है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने नए कृषि महाविद्यालयों के लिए न्यूनतम आवश्यकताओं से संबंधित दिशा-निर्देश जारी किए हैं। परिषद के पाँचवीं डीन समिति से संबंधित पुराने मानकों में मैदानी क्षेत्रों के लिए 30 हेक्टेयर, अर्थात लगभग 74 एकड़ भूमि का प्रावधान था। दूसरी ओर, के संशोधित मॉडल अधिनियम 2023 को पंजाब में अपनाने के संदर्भ में 120 विद्यार्थियों की एक इकाई के लिए 37.5 एकड़ भूमि और 19 एकड़ कृषि फार्म का प्रावधान बताया गया है। इन दोनों प्रावधानों को अलग-अलग संदर्भों में समझना आवश्यक है; किसी एक मानक को सभी संस्थानों पर स्वत: लागू अनिवार्य कानून मान लेना उचित नहीं होगा। राजस्थान में भी स्पष्ट किया जाना चाहिए कि प्रत्येक श्रेणी के संस्थान पर कौन-से मानक लागू हैं और उनका पालन कैसे सुनिश्चित किया जाता है।

इस अनियमितता का सबसे बड़ा खामियाजा विद्यार्थियों को भुगतना पड़ सकता है। किसान परिवार का एक युवा लाखों रुपये खर्च कर बी.एससी. कृषि की पढ़ाई करता है। उसका सपना कृषि पर्यवेक्षक, कृषि अधिकारी, बैंक अधिकारी या कृषि अनुसंधान के क्षेत्र में काम करने का होता है। बाद में यदि उसे पता चले कि उसके संस्थान की संबद्धता, पाठ्यक्रम की मान्यता या डिग्री की स्वीकार्यता में समस्या है, तो उसका समय, पैसा और भविष्य दाँव पर लग जाता है। इसलिए प्रवेश लेने से पहले विद्यार्थियों को संस्थान की वैध संबद्धता, पाठ्यक्रम की मान्यता और संबंधित भर्ती नियमों में डिग्री की स्वीकार्यता की जाँच करने का अवसर मिलना चाहिए। संस्थानों की जिम्मेदारी है कि वे मान्यता की स्थिति के बारे में विद्यार्थियों को स्पष्ट और सही जानकारी दें।

लेकिन कृषि शिक्षा के संकट का दूसरा पहलू भी उतना ही गंभीर है। राजस्थान के पाँचों सरकारी कृषि विश्वविद्यालयों में शिक्षण पदों की भारी रिक्तियों की समस्या बार-बार समाचारों में उठाई गई है। यदि विश्वविद्यालयों में लगभग 80 प्रतिशत शिक्षण पद खाली होने का आँकड़ा आधिकारिक रूप से पुष्ट होता है, तो यह अपने आप में चिंताजनक स्थिति है। जिन सरकारी विश्वविद्यालयों से कृषि वैज्ञानिक, शिक्षक और अनुसंधानकर्ता तैयार होने चाहिए, उनमें ही पर्याप्त शिक्षक उपलब्ध न हों, तो कृषि शिक्षा की गुणवत्ता कैसे सुनिश्चित होगी? निजी कॉलेजों पर सख्ती आवश्यक है, लेकिन सरकारी विश्वविद्यालयों में रिक्त पद भरना भी सरकार की उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी है। कृषि शिक्षा के सुधार का अर्थ केवल कमजोर निजी संस्थानों पर कार्रवाई करना नहीं, बल्कि पूरे शैक्षिणक तंत्र को मजबूत बनाना है।

प्रस्तावित एग्रीकल्चर काउंसिल इस दिशा में उपयोगी साबित हो सकती है, बशर्ते उसका गठन स्पष्ट कानूनी अधिकारों, पारदर्शी प्रक्रियाओं और जवाबदेही के साथ हो। उसे कॉलेजों की शैक्षिणक सुविधाओं, शिक्षक संख्या, भूमि, प्रयोगशालाओं और प्रायोगिक प्रशिक्षण का नियमित मूल्यांकन सुनिश्चित करना चाहिए। मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर निष्पक्ष जाँच के बाद उचित कार्रवाई हो। साथ ही, विद्यार्थियों को शिकायत दर्ज कराने और अपनी डिठी की मान्यता की जानकारी प्राप्त करने की प्रभावी व्यवस्था मिले। राजस्थान सरकार को भी निजी कृषि महाविद्यालयों की संबद्धता और अनापत्ति प्रमाणपत्र की स्थिति सार्वजनिक करनी चाहिए तथा नियमों का उल्लंघन करने वाले संस्थानों पर नियमानुसार कार्रवाई करनी चाहिए।

कृषि शिक्षा कोई ऐसा व्यवसाय नहीं है जिसमें केवल भवन बनाकर और फीस लेकर डिठियाँ बाँट दी जाएँ। यह देश की खाद्य सुरक्षा, किसानों की आय, मिट्टी की उर्वरता और कृषि के भविष्य से जुड़ा विषय है। जिस प्रकार चिकित्सा शिक्षा में प्रशिक्षित चिकित्सक तैयार करने के लिए मानकों का पालन जरूरी है, उसी प्रकार कृषि शिक्षा में भी वैज्ञानिक दक्षता और व्यावहारिक प्रशिक्षण अनिवार्य हैं।

शिवराज सिंह चौहान की घोषणा से सुधार की उम्मीद जगी है। अब असली परीक्षा उसके क्रियान्वयन की होगी। केंद्र और राज्य सरकारों को निजी कृषि महाविद्यालयों की अनियमितताओं पर रोक लगाने के साथ सरकारी कृषि विश्वविद्यालयों में शिक्षकों की कमी दूर करनी होगी। नियम सभी पर समान रूप से लागू हों और विद्यार्थियों को ऐसी शिक्षा मिले जो उन्हें वास्तविक ज्ञान और कौशल प्रदान करे।

राजस्थान को कागजों पर कृषि स्नातक तैयार करने वाली व्यवस्था नहीं, बल्कि खेतों की समस्याएँ समझने वाले योग्य कृषि वैज्ञानिक चाहिए। डिग्री की खेती पर लगाम तभी लगेगी, जब कृषि शिक्षा में गुणवत्ता, पारदर्शिता और जवाबदेही की वास्तविक फसल उगेगी।

–प्रो. (डॉ.) पी. सी. कंठालिया, पूर्व विभागाध्यक्ष (मृदा विज्ञान) एवं मुख्य वैज्ञानिक, उदयपुर

लोकतांत्रिक मूल्यों का संरक्षण और सही मताधिकार : कांग्रेस का इलेक्टोरल यू-टर्न



डॉ. सौम्या गुर्जर

लोकतंत्र की मजबूती स्वच्छ मतदाता सूची, निष्पक्ष चुनाव और प्रत्येक नागरिक के मताधिकार की सुरक्षा से तय होती है। विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर इसी उद्देश्य से महत्वपूर्ण है। लेकिन जब मतदाता सूची को दुरुस्त करने की प्रक्रिया पर ही कांग्रेस स्वार्थवश सवाल उठा रही है, तो सवाल उठता है कि क्या राजनीतिक सुविधा के लिए लोकतांत्रिक सिद्धांतों को भी बदला जा सकता है?

लगभग पिछले एक दशक से चुनावों में बार-बार जनाधार खो रही कांठोस आज देश में भ्रम के जरिए अराजकता फैलाने का प्रयास कर रही है। भीड़तंत्र के सहारे भ्रम फैलाया जा रहा है। इनके पास न तो देश के लिए कोई रोडमैप है और न ही देश के विकास की कोई स्पष्ट तस्वीर। वहीं भाजपा का विजन स्पष्ट है – विकसित भारत 2047। कांग्रेस इसमें बाधा डालने का काम कर रही है। कांग्रेस का एक ही विजन है- भीड़तंत्र के सहारे राहुल गांधी को किसी भी तरह नेता बनाना। इसके लिए चाहे नवयुवाओं को भ्रमित कर देश में अराजकता फैलाने का काम ही क्यों न करना पड़े। कांग्रेस देश के सर्वोच्च न्यायालय और चुनाव आयोग जैसी संस्थाओं पर भी आरोप लगा रही है।

आप समझिए, आज से 10 साल पहले दादाजी का निधन हो गया, लेकिन हर बार मतदाता सूची में दादाजी का नाम आता है और दादाजी वोट भी डाल जाते हैं। ऐसा ही दृश्य अमिताभ बच्चन की फिल्म 'भूतनाथ' में दर्शाया गया है। तो क्या ऐसी मतदाता सूची को सही कराना गलत है? क्या किसी मृत व्यक्ति का नाम रिकॉर्ड में बने रहना लोकतंत्र के लिए सही होगा? मतदाता सूची का पुनरीक्षण किसी दल का राजनीतिक एजेंडा नहीं, बल्कि लोकतंत्र में चुनावी व्यवस्था की बुनियादी जरूरत है।

एसआईआर के मामले में तो कांठोस का दोहरापन भी गजब का है। सत्ता में रही तो एसआईआर का समर्थन, जनाधार खोने पर विरोध। पहले ईवीएम को दोष देते थे। जब वह आरोप काम नहीं आया, तो अब एसआईआर को निशाना बनाया जा रहा है। वर्ष 2018 में आंध्र प्रदेश में कांग्रेस के डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी ने मांग की थी कि आंध्र प्रदेश की मतदाता सूची में लगभग 50 लाख नाम डुप्लीकेट हैं और इन्हें हटाया जाना चाहिए। 2026 में एसआईआर के दौरान 44.28 लाख नाम हटाए गए। इसी तरह तेलंगाना में 70 लाख नामों को लेकर सवाल उठाए गए थे, जबकि 2026 में 73.39 लाख नाम हटाए गए। कांग्रेस के नेता वर्ष 2018 में कहते थे कि अगर डुप्लीकेट और मृत मतदाताओं के नाम नहीं हटाए गए, तो यह लोकतंत्र के साथ धोखा होगा। अब जब एसआईआर के जरिए डुप्लीकेट और मृत मतदाताओं के नाम हटाए जा रहे हैं, तो विरोध क्यों?

इसी तरह राजस्थान में 15 अगस्त 2018 को कांग्रेस पार्टी ने आरोप लगाया था कि 42 लाख नाम डुप्लीकेट हैं। इन्हें नहीं हटाया गया, तो यह लोकतंत्र के साथ धोखा होगा। एसआईआर के तहत लगभग 41.85 लाख नाम हटाए गए। केरल में तो कांग्रेस के एक नेता ने 4.34 लाख नाम हटाने के लिए एक वेबसाइट तक बना दी और हाई कोर्ट का रुख किया। एसआईआर हुई, तो 8.57 लाख डुप्लीकेट नाम पाए गए और उन्हें हटाया गया।

सुविधा के अनुसार राजनीति क्या होती है, यह केरल से समझा जा सकता है। केरल में एसआईआर हुई और नाम हटाए गए। कांग्रेस पार्टी ने सरकार बनाई, तो कहा कि एसआईआर मददगार साबित हुई। कांग्रेस पार्टी ने आधिकारिक तौर पर एसआईआर की तारीफ की। कांग्रेस के रमेश चेन्नीथला ने कहा कि एसआईआर हुई, इसलिए हम जीते हैं। यानी राजनीतिक हित और अपनी सुविधा के लिए आप जब चाहें, किसी प्रक्रिया को सही बता दें और सत्ता नहीं मिले, तो उसी प्रक्रिया का विरोध करने लगें। कांग्रेस अपने राजनीतिक हितों को पूरा करने के लिए समय-समय पर अपनी ही बात बदलती रहती है। उसका दोहरापन यहां साफ दिखाई देता है।

बिहार में वर्ष 2013 में 76 लाख घोस्ट वोटर्स पाए गए थे। उस समय केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी। वर्ष 2025 में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर एसआईआर के दौरान 65 लाख नाम हटाए गए। दिल्ली में वर्ष 2013 में ही कांग्रेस की सरकार के समय 13.58 लाख नाम हटाए गए थे। अब एसआईआर के दौरान 33 लाख नाम हटाए गए। वर्ष 2014 में महाराष्ट्र में 71.76 लाख नाम काटे गए और 74 लाख नाम जोड़े गए। इस बार भी एसआईआर के तहत 39 लाख नए नाम जोड़े गए हैं। बंगाल में एसआईआर के बाद फर्जी मताधिकार का प्रयोग करने वाले घुसपैठियों को बाहर का रास्ता दिखाया गया। बंगाल चुनाव से पहले राहुल गांधी ने कहा कि ममता बनर्जी ने उनका रास्ता नहीं रोका होता, तो भाजपा बंगाल में नहीं आती। बाद में कहा जाने लगा कि यह सब एसआईआर की वजह से हुआ है। गठबंधन के लोग आपस में ही लड़ने लगे। अब चुनावों में अपना जनाधार खोने के बाद यू-टर्न लेकर कहा जा रहा है कि यह सब एसआईआर और चुनाव आयोग का किया-धरा है।

24 अगस्त 2013 को दिल्ली में कांग्रेस के शासनकाल के दौरान 13.58 लाख नाम काटे गए, लेकिन भाजपा ने कभी इसे वोट चोरी या गलत प्रक्रिया नहीं बताया। 9 अगस्त 2013 को बिहार में 76 लाख मतदाताओं के नाम काटे जाने के बाद भी कांग्रेस पर इस तरह के आरोप नहीं लगाए गए। 27 अप्रैल 2014 को महाराष्ट्र में 71.76 लाख मतदाताओं के नाम काटे गए और 74 लाख नए मतदाता जोड़े गए, तब भी कोई विरोध नहीं हुआ। कांग्रेस की सरकार के दौरान भी 10 बार एसआईआर हुआ, लेकिन लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर इस तरह का विरोध नहीं जताया गया और न ही संवैधानिक संस्थाओं को निशाना बनाया गया। लेकिन चुनावों में जनाधार नहीं मिलने पर आत्ममंथन करने के बजाय लोकतंत्र की प्रक्रिया पर उंगली उठाना, देश में भ्रम फैलाना और अराजकता का माहौल बनाना कांठोस की राजनीति का हिस्सा बन गया है। एसआईआर का उद्देश्य मतदाता सूची की शुद्धता और चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता को मजबूत करना है। सही मताधिकार लोकतंत्र की आत्मा है और उसकी रक्षा राजनीतिक सुविधा से ऊपर होनी चाहिए। कांग्रेस को अपनी 'अच्छा-अच्छा गपागप, कड़वा-कड़वा थू-थू' की पॉलिसी छोड़कर राजनीति में शुचिता अपनानी होगी।

–डॉ. सौम्या गुर्जर, पूर्व महापौर, नगर निगम जयपुर

जोधपुर रेल मंडल में सतत जीवनशैली सप्ताह-2026 का शुभारंभ

जोधपुर, (कासं)। उत्तर-पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल में मंडल रेल में रविवार को सतत जीवनशैली सप्ताह-2026 का शुभारंभ किया गया। यह सप्ताह 1 से 7 नवंबर 2026 तक आयोजित किया जाएगा। इसके तहत मिशन लाइफ के अंतर्गत स्वस्थ एवं पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली अपनाने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी के निर्देशन में इस अभियान के तहत जोधपुर मंडल के प्रमुख रेलवे स्टेशनों, ट्रेनों, रेलवे कॉलोनियों एवं कार्यालयों में रेलकर्मियों तथा यात्रियों को स्वच्छ एवं पौष्टिक आहार अपनाने, व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखने, आसपास सफाई रखने तथा रेलवे स्टेशनों, रेलगाड़ियों एवं रेलवे परिसरों को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान डिजिटल डिस्प्ले एवं सार्वजनिक

■ अभियान के तहत रेलकर्मियों तथा यात्रियों को स्वच्छता के लिये प्रेरित किया

उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से मिशन लाइफ से संबंधित जागरूकता संदेश प्रसारित किए गए। साथ ही रेलवे स्टेशनों पर स्टेशन अधीक्षकों एवं मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षकों द्वारा पर्यावरण मित्रों के सहयोग से पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली अपनाने की शपथ दिलाई गई। इसमें रेलवे कर्मचारियों के साथ यात्रियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया।

स्वस्थ शरीर एवं स्वच्छ पर्यावरण के महत्व को रेखांकित करते हुए विभिन्न स्टेशनों पर योगाभ्यास कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। इन गतिविधियों के माध्यम से रेलकर्मियों को मानसिक एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ रहने तथा पर्यावरण संरक्षण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया गया। 3 जोधपुर मंडल के जोधपुर, जैसलमेर, बाड़मेर, नागौर, मेड़ता रोड, भगत की कोठी, डेगाना एवं सुजानगढ़ सहित प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। यह अभियान 7 नवंबर तक निरंतर जारी रहेगा। इस दौरान प्रतिदिन अलग-अलग विषयों पर जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

राशिफल



पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 2 नवम्बर, 2026

कार्तिक मास, कृष्ण पक्ष, अष्टमी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत-2083, आश्लेषा नक्षत्र रात्रि 3:46 तक, शुभ योग दिन 12:07 तक, कौलव करण दिन 1:11 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 3:46 से सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति– सूर्य-तुला, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-कर्क, बुध-तुला, गुरू-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज शुक्र वाल्यत्व समाप्त प्रातः 8:50 पर होगा। महापात योग रात्रि 8:20 से रात्रि 12:35 तक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया– अमृत सूर्योदय से 8:03 तक, शुभ 9:26 से 10:48 तक, चर 1:33 से 2:55 तक, लाभ-अमृत 2:55 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल– 7:30 से 9:00 तक, सूर्योदय 6:41, सूर्यास्त 5:40

मेष
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी और व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

मिथुन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। चलते कार्यों के लिए दिन अच्छा रह



पंचायती राज चुनाव में

कमल खिलाना है

युवा सपनों को मिली उड़ान - विकसित बन रहा राजस्थान

रोजगार की राह हुई अब आसान

1.93 लाख
सरकारी पदों पर नियुक्तियां

1.17 लाख
पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन

70,031
नए पदों पर भर्ती की तैयारी

5 लाख+
निजी क्षेत्र में युवाओं को मिला रोजगार

पेपर लीक पर कसी लगाम

कांग्रेस सरकार के समय
17 पेपर लीक

वर्तमान भाजपा सरकार में
जीरो पेपर लीक

569 आरोपियों की गिरफ्तारी

163 एफआईआर दर्ज

410 भर्ती परीक्षाएं, बिना पेपर लीक

कौशल विकास से हुनर को धार

3.79 लाख
युवाओं को कौशल प्रशिक्षण

₹1654 करोड़
4.14 लाख युवाओं को वितरित
मुख्यमंत्री युवा संबल योजना के तहत

स्टार्टअप्स को बढ़ावा

स्टार्टअप की संख्या बढ़कर **9,563**

इंक्यूबेशन सेंटर **10**

लॉन्चपैड स्थापित **65**

ATUL







कमल का बटन दबाएं भाजपा को जिताएं

भारतीय जनता पार्टी, राजस्थान

राजस्थान में संकटग्रस्त प्रजाति में शामिल भेड़ियों के संरक्षण की योजना पर काम शुरु

रामगढ़ विषधारी, मुकुंदरा व हाड़ौती के जंगलों में भेड़ियों के आवास, वास्तविक संख्या और फैलाव का सर्वे शुरू

बूंदी, (निसं)। राजस्थान में संकटग्रस्त प्रजाति में शामिल भेड़ियों के संरक्षण की योजना पर वन विभाग ने काम शुरु किया है। राज्य में हाड़ौती के रामगढ़ विषधारी, मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व व अन्य जंगलों में संकटग्रस्त भेड़ियों की उपस्थिति व फैलाव के स्थानों को चिह्नित करने का सर्वे शुरू कर दिया है। वन विभाग की वन्यजीव शाखा ने कोटा संभाग के सभी फील्ड स्टाफ, शोधकर्ताओं, वन्यजीव प्रेमियों, फोटोग्राफरों, छात्रों, संरक्षणविदों व ग्रामीणों से भेड़ियों से जुड़ी जानकारी साझा करने का अनुरोध किया है। इसके लिए वन विभाग ने एक गूगल फॉर्म भी जारी किया है जिसके माध्यम से कोई भी व्यक्ति भेड़ियों की मौजूदगी की सूचना दे सकता है।


फाईल फोटो

- राजस्थान में भेड़ियों की संख्या एक हजार से भी कम रह गई है लेकिन हाड़ौती क्षेत्र में भेड़ियों की उपस्थिति अच्छी संख्या में मौजूद हैं और इनकी संख्या बढ़ रही है
- रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व के जैव विविधता से समृद्ध भीमलत व बांका भोपतपुरा के बफर क्षेत्र में दो साल से भेड़िया संरक्षण की योजना पर काम चल रहा है

गौरतलब है कि राजस्थान में भेड़ियों की संख्या एक हजार से भी कम रह गई है लेकिन हाड़ौती क्षेत्र में भेड़ियों की उपस्थिति अच्छी संख्या में मौजूद हैं और इनकी संख्या लगातार बढ़ रही है। वन विभाग सर्वे के माध्यम से भेड़ियों के फैलाव वाले इलाकों को मैप करने करने व संरक्षण की योजना पर काम कर रहा है। दोनों टाइगर रिजर्व के कोर व बफर क्षेत्रों में फोटोट्रेप कैमरों से भी भेड़ियों की मॉनिटरिंग कर रहा है।

भेड़ियों के आश्रयस्थल बने भीमलत व बरड़ के जंगल :- रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व के जैव विविधता से समृद्ध भीमलत व बांका भोपतपुरा के बफर क्षेत्र में दो साल से भेड़िया संरक्षण की योजना पर काम चल रहा है। टाइगर रिजर्व की नवगठित भोपतपुरा रेंज में उपरमाल के पठार पर 800 हेक्टेयर के विशाल वन क्षेत्र को भेड़ियों व गिद्धों के संरक्षण क्षेत्र के रूप में चिह्नित कर काम शुरू कर दिये हैं। टाइगर रिजर्व के कोर प्रशासन ने बफर जोन में आने वाले इन महत्वपूर्ण जंगलों को बाघों के साथ साथ अन्य वन्यजीवों के अनुकूल बनाने की पूरी तैयारी कर ली है तथा उम्मीद है कि जल्दी ही इसके सकारात्मक परिणाम आएंगे। योजना के तहत टाइगर रिजर्व क्षेत्र की भोपातपुरा रेंज में भीलवाड़ा जिले के बांका, भोपातपुरा, जलिन्द्री, सुंठी, भड़क्या माताजी का नाला, सीताकुंड तथा बून्दी जिले के भीमलत व मुंडेड़ वन खंड को इनके संरक्षण के लिए सबसे अच्छे जंगल माना गया है। यहां पर भीमलत की प्राकृतिक वादियां, बाणगंगा नदी के पास भाला का जंगल, भोपातपुरा के पास भड़क्या माताजी का जंगल व गरड़दा व अभयपुरा बांधों के बीच मुंडेड़ का पठार भेड़ियों व गिद्धों के संरक्षण स्थल के रूप में विकसित किए गए हैं। मुकुंदरा टाइगर रिजर्व में बूंदी जिले के जवाहर सागर अभयारण्य में भी भेड़ियों की मौजूदगी दर्ज की गई है। यहां पर वन विभाग की मेहनत का परिणाम भी नजर आने लगा है तथा भेड़ियों के झुंड नजर आने लगे हैं। जल्दी ही भीमलत व गराड़िया महादेव क्षेत्र में टाइगर सफारी भी शुरू होने की संभावना है जिससे यहां आने वाले पर्यटक बाघों के साथ साथ भेड़ियों व गिद्धों का भी दीदार कर सकेंगे। अब पूरे हाड़ौती संभाग में विभाग ने इस महत्वपूर्ण वन्यजीव संरक्षण की योजना पर कार्य शुरू कर दिया है जिसमें ग्रासलैंड के साथ साथ वन्यजीवों की संख्या बढ़ेगी व इको टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा।

राजस्थान में बचे केवल 771 भेड़िए :- राजस्थान वन विभाग की 21 जुलाई 2024 की आधिकारिक वन्यजीव गणना में भेड़ियों की संख्या मात्र 771 दर्ज हुई है जिनमें संरक्षित वन क्षेत्र में 299 जबकि अन्य इलाकों में 472 दर्ज हुए हैं जो चिंता का विषय है। हालांकि यह गणना वैज्ञानिक दृष्टिकोण से सटीक नहीं है, लेकिन आंकड़े इस प्रजाति के संकटग्रस्त होने के संकेत देते हैं। भेड़ियों की राजस्थान में घटती संख्या के कारण इसे वन्यजीव अधिनियम के शेड्यूल प्रथम में शामिल किया गया है।

टी मोहन राज, वन संरक्षक एवं फील्ड डायरेक्टर मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व-कोटा का कहना है कि हाड़ौती क्षेत्र के जंगलों में भेड़ियों के वास स्थानों, उनकी वास्तविक संख्या, उनके प्रे बेस की उपलब्धता व व्यवहार का अध्ययन करने के लिए आमजन व वन्यजीव प्रेमियों के माध्यम से एक व्यापक सर्वे शुरू किया है। सर्वे से प्राप्त परिणाम व वन विभाग के डाटा के आधार पर भेड़ियों के वैज्ञानिक दृष्टिकोण से संरक्षण व संवर्धन के लिए संरक्षण योजना तैयार की जाएगी।

सीकर में चार लाख की एमडी ड्रग के साथ तस्कर गिरफ्तार

आरोपी सीकर में ही चार किलो अफीम तस्करी के मामले में एक साल से फरार था

सीकर, (निसं)। सीकर की कोतवाली थाना पुलिस ने चार लाख रुपए की एमडी ड्रग के साथ दो हजार के इनामी तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी सीकर में ही चार किलो अफीम तस्करी के मामले में करीब एक साल से फरार था। आरोपी नेपाल में फरारी काटने के बाद सीकर आ गया। यहां वह अपनी एक्सीडेंट हुई गाड़ी को ठीक करवाने के लिए जा रहा था। इसी दौरान उसे पकड़ लिया गया। अब पुलिस मामले की जांच कर रही है।

- नेपाल में फरारी काटने के बाद सीकर आ गया था आरोपी, जो कि यहां वह अपनी एक्सीडेंट हुई गाड़ी को ठीक करवाने के लिए जा रहा था, तभी पुलिस ने पकड़ लिया

कोतवाली पुलिस ने डीएसटी टीम के साथ मिलकर कार्रवाई को अंजाम दिया। कोतवाली थाना एसएचओ सुनील कुमार जांगिड़ ने बताया कि आरोपी की पहचान हरिराम जाट (35) पुत्र पालचंद जाट निवासी बाठोद, फतेहपुर के रूप में हुई है। हरिराम के कब्जे से 98.40 ग्राम एमडी मिली है। जिसकी मार्केट वैल्यू करीब 4 लाख रुपए के लगभग है। आरोपी हरिराम जाट करीब 1 साल से नेपाल में फरारी काटने के लिए चला गया। शनिवार शाम डीएसटी टीम को सूचना मिली कि आरोपी नेहरू पार्क की तरफ से अपनी क्षतिग्रस्त हुई स्विफ्ट गाड़ी को लेकर सीकर शहर की तरफ आ रहा है। ऐसे में कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंची जहां पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है कि वह माल कहां से लेकर आया और कहां इसकी सप्लाई होनी थी। फिलहाल अब इस मामले की जांच उद्योग नगर एसएचओ राजेश कुमार बुडानिया कर रहे हैं। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार हरिराम और इसके साथी पिछले लंबे समय से अफीम और एमडी की तस्करी का काम करते हैं। अब इस तस्करी के नेटवर्क से जुड़े लोगों के बारे में पुलिस जानकारी जुटा रही है।

रिटायर्ड पुलिस निरीक्षक ने आत्महत्या की

मदनगंज-किशनगढ़, (निस)। गांधीनगर थाना अंतर्गत नाथी का जाव निवासी रिटायर्ड पुलिस निरिक्षण ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या किन कारणों से की है, फिलहाल इसका खुलासा नहीं हो सका।

मृतक सेवानिवृत सी आई महावीर सिंह राठौड़ (65) पुत्र मूलसिंह है। पुलिस के अनुसार वह नाथी का जाव स्थित मकान में अकेले ही रहा करते थे। मृतक महावीर सिंह सुबह घर वालों को किशनगढ़ आने का मैसेज कर फिर फांसी के फंदे पर लटक गये। बताया जाता है कि सुसाइड नोट में स्वेछा से यह कदम उठाने के साथ घर वालों को अच्छे से से रहने का संदेश दिया। गौरतलब है 1921 में सेवानिवृत महावीर सिंह वह लम्बे अंतराल से अजमेर कोतवाली थाना में सिपाही से उपनिरीक्षक पद तक पर पदस्थापित रहे। बाद थांवला कोटपूतली सहित अन्य पुलिस थानो में सेवा दे चुके थे।

नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में तीन गिरफ्तार

पुलिस ने जंगलों और खदानों में छिपे आरोपियों को पकड़ा

बूंदी, (निसं)। जिले के डाबी थाना क्षेत्र में नाबालिग के साथ सामूहिक दुष्कर्म के मामले में बूंदी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आसूचना संकलन और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों को तलाश कर गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। वहीं पुलिस ने मामले में आगे की जांच शुरु की है।

जिला पुलिस अधीक्षक अवनीश कुमार शर्मा ने बताया कि तालेड़ा वृताधिकारी गंगासहाय शर्मा के सुपरविजन में डाबी थानाधिकारी हेमराज शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीमों का गठन किया गया था। पुलिस टीमों ने अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर जंगलों और खदानों में पहचान छिपाकर रह रहे तीनों वांछित आरोपियों को डिटेन किया। अनुसंधान के आधार पर आरोपियों के विरुद्ध अपराध प्रमाणित पाए जाने पर गोविन्दा उर्फ गोविन्द, धर्मराज तथा प्रकाश को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। प्रकरण में तीनों आरोपियों पर विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

भरतपुर जिले की 41 अन्नपूर्णा रसोइयां बंद, आठ महीने से नहीं हुआ भुगतान

अनुदान राशि नहीं मिलने से रसोई संचालक परेशान

भरतपुर, (निसं)। गरीब और जरूरतमंद लोगों को कम कीमत पर भोजन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित अन्नपूर्णा रसोई योजना पर भरतपुर जिले में संकट गहराता नजर आ रहा है। जिले की 41 अन्नपूर्णा रसोइयों के बंद होने से जरूरतमंद लोगों के सामने सस्ते भोजन की उपलब्धता का सवाल खड़ा हो गया है। रसोई संचालकों का कहना है कि पिछले आठ महीने से अनुदान राशि का भुगतान नहीं हुआ है। इसके चलते रसोइयों का संचालन करना बेहद मुश्किल हो गया और आखिरकार रसोई बंद करने की नौबत आ गई।

अन्नपूर्णा रसोइयों का संचालन करने वाले संचालकों के सामने सबसे बड़ी समस्या आर्थिक संकट की है। रसोई संचालन के लिए खाद्य सामग्री, रसोई गैस, कर्मचारियों के मानदेय, बिजली-पानी और अन्य जरूरी खर्चों की लगातार आवश्यकता होती है। इन खर्चों को पूरा करने के लिए नियमित अनुदान भुगतान जरूरी है। रसोई संचालकों के अनुसार, आठ महीने से भुगतान नहीं होने के कारण उन पर आर्थिक बोझ लगातार बढ़ता गया। शुरुआत में उपलब्ध संसाधनों और उधार के सहारे व्यवस्था चलाने की कोशिश की गई, लेकिन लंबे समय तक भुगतान नहीं मिलने से आर्थिक स्थिति बिगड़ती चली गई। अब हालात ऐसे हो गए कि रसोई संचालन जारी रखना मुश्किल हो गया।

अन्नपूर्णा रसोई योजना का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंदों को सस्ती दर पर भोजन उपलब्ध कराना है। मजदूर, दैनिक वेतन पर काम करने वाले लोग, आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के सदस्य और अन्य जरूरतमंद लोग ऐसी रसोइयों पर निर्भर रहते हैं। रसोइयों के बंद होने से इन लोगों को सस्ते भोजन के लिए दूसरे विकल्प तलाशने पड़ सकते हैं। जिन लोगों के लिए सीमित आमदनी में दो वक्त की रोटी जुटाना भी चुनौती है, उनके लिए भोजन पर अतिरिक्त खर्च करना परेशानी बढ़ा सकता है। योजना का उद्देश्य तभी पूरा हो सकता है, जब रसोइयों का संचालन नियमित रूप से हो और उन्हें समय पर आवश्यक आर्थिक सहायता मिले। भुगतान में लंबे समय तक देरी होने से योजना के संचालन पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

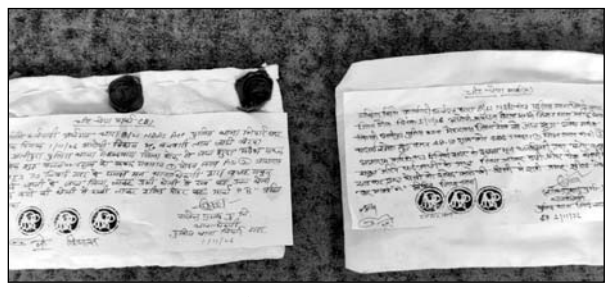
नाबालिग लड़की लापता

सीकर, (निसं)। सीकर में 16 साल की नाबालिग लड़की के लापता होने का मामला सामने आया है। सुबह परिजन जागे तो नाबालिग गायब मिली। घर से 80 हजार रुपए और जेवरात भी गायब मिले। पुलिस मामले की जांच कर रही है। नाबालिग की मां ने पुलिस में शिकायत देकर बताया कि उनकी 16 साल की नाबलिग बेटी जन्म से ही अपने ननिहाल में रह रही थी। 30 अक्टूबर की रात में वह खाना खाकर सो गई। 31 अक्टूबर को सुबह जब परिवार के लोग जागे तो वहां पर बेटी नहीं मिली। जब नाबालिग की मां अपने पीहर आई तो उन्होंने देखा कि नाबालिग के डॉक्यूमेंट भी घर पर नहीं है।

18 लाख रुपये की स्मैक जब्त, दो तस्कर गिरफ्तार

निवाई, (निसं)। डीएसटी ने मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ एक और बड़ी कार्रवाई की है। डीएसटी टीम ने कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में स्मैक बरामद की है एवं एनबीसी फैक्ट्री के सामने से दो शातिर तस्करों को अवैध मादक पदार्थ स्मैक सहित धर दबोचा है।

- दोनों तस्कर अवैध स्मैक को जयपुर के सांगानेर में बेचने के लिए ले जा रहे थे


डीएसटी ने भारी मात्रा में स्मैक बरामद की।

डीएसटी प्रभारी ओमप्रकाश जाट ने बताया कि पुलिस अधीक्षक रोशन मीणा के निर्देशन में ड्रग्स व अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 92 ग्राम अवैध स्मैक जब्त की है।

उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय व स्थानीय बाजार में जब्त अवैध स्मैक की अनुमानित कीमत 18 लाख रुपये है। डीएसटी ने आरोपी जयराज बैरवा पुत्र रामकिशन व विकास बैरवा पुत्र बनवारी लाल दोनों निवासी अलीपुरा, पुलिस थाना मेहंदवास को गिरफ्तार करके दोनों आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस की धाराओं में मामला दर्ज किया है।

उन्होंने बताया कि दोनों तस्कर अवैध स्मैक को जयपुर के सांगानेर में बेचने के लिए ले जा रहे थे। पुलिस आरोपितों के नेटवर्क को खंगालने में जुट गई है।

घर में घुसे तीन चोर, एक आरोपी को दबोचा

पावटा, (निसं)। क्षेत्र में चोरी की वारदातों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। चोरों के हौसले इतने बुलंद हैं कि अब वे घरों में घुसकर चोरी की वारदात को अंजाम देने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसा ही एक मामला सामने आया है, जहां देर रात तीन लोग एक मकान में चोरी करने की नीयत से घुस गए। इसी दौरान मकान मालिक की नींद खुल गई और उसने एक आरोपी को पकड़ लिया, जबकि उसके दो साथी मौके से फरार हो गए।

पीड़ित मदनलाल सैनी पुत्र फूलचंद सैनी ने प्रागपुरा पुलिस थाने में दी रिपोर्ट में बताया कि देर रात करीब तीन व्यक्ति उसके घर में चोरी करने के इरादे से घुसे थे। जाग होने पर उसने साहस दिखाते हुए एक आरोपी को पकड़ लिया तथा पुलिस को सूचना दी। पकड़े गए युवक की पहचान विक्की के रूप में बताई गई है।

कोटा में 11 किलो अवैध गांजा सहित आरोपी को पकड़ा

बिलासपुर से कोटा तक ट्रेन में युवक को गांजा लेकर आने की सूचना मिली थी

कोटा, (निसं)। नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत् केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) टीम ने सूचना पर कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ 11.940 किलोग्राम गांजा जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि मुखबीर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति बिलासपुर से कोटा तक ट्रेन संख्या 20845 में सवार होकर अवैध रूप से गांजे का परिवहन कर रहा है। सूचना पर केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो भवानीमंडी सेल के अधिकारियों की एक टीम गठित की गई और टीम को मौके के लिये रवाना किया गया। गठित टीम ने कोटा रेलवे जंक्शन पर निगरानी एवं कार्रवाई की व्यवस्था की, साथ ही दो अधिकारियों ने भवानीमंडी रेलवे स्टेशन से ट्रेन में सवार होकर संदिग्ध व्यक्ति की पहचान करने तथा उस पर लगातार निगरानी रखने की जिम्मेदारी संभाली। उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि कोटा जंक्शन के निकट ट्रेन के आउटर सिग्नल पर रुकने के दौरान संदिग्ध व्यक्ति ट्रेन से उतरकर रेलवे पटरियों के रास्ते बाहर निकलने का प्रयास करने लगा। इस पर ट्रेन में तैनात अधिकारियों एवं रेलवे परिसर के बाहर मौजूद टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए रेलवे गेट संख्या 108 के पास संदिग्ध व्यक्ति को डिटेन किया। गठित टीम के अधिकारियों ने रेलवे कर्मचारियों एवं गवाहों की उपस्थिति में तलाशी लेने पर उसके पास मौजूद दो बैगों में रखे 6 पैकेटों में से 11.940 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद किया। टीम ने कानूनी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद, बरामद अवैध मादक पदार्थ गांजा को जब्त किया।

अचेत अवस्था में मिले युवक की मौत

अलवर, (निसं)। शहर के अखैपुरा थाना क्षेत्र में अशोक टॉकीज के पास शनिवार देर शाम एक 42 वर्षीय युवक अचेत अवस्था में मिला। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस युवक को जिला अस्पताल लेकर पहुंची, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

जानकारी अनुसार मृतक की पहचान अशोक कुमार जांगिड़ (42) पुत्र रामकिशोर निवासी नापा पाड़ा, थाना बहतुकला, अलवर के रूप में हुई है। मृतक के भाई दीपक ने बताया कि अशोक 24 तारीख को मतदान करने के बाद अलवर आया था। वह यहां फर्नीचर का काम करता था। परिजनों के अनुसार अशोक कुमार शराब पीने का आदी था। शनिवार देर शाम वह अशोक टॉकीज के पास अचेत अवस्था में मिला। इसकी सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और उसे जिला अस्पताल लेकर आई।

जोधपुर के ग्राम भावी में मतदान प्रक्रिया स्थगित करने व विवाद के बाद पुलिस एक्शन मोड में

पुलिस ने मामले में भीड़ का नेतृत्व कर रहे छात्रनेता सुनील चौधरी सहित कई लोगों को हिरासत में लिया

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के बिलाड़ा तहसील के भावी में मतदान प्रक्रिया स्थगित करने और शनिवार रात को हुए विवाद के बाद पुलिस एक्शन मोड में है। पुलिस ने मामले में भीड़ का नेतृत्व कर रहे छात्रनेता सुनील चौधरी सहित कई लोगों को हिरासत में लिया है। मामले में पुलिस मतदान केंद्र के फुटेज चेक कर रही है। वहीं मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन भी किया है।

- पुलिस मतदान केंद्र के फुटेज चेक कर रही है, मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन भी किया गया है
- 'आज होने वाले मतदान को लेकर पुलिस ने एसटीएफ रिजर्व जाब्ता के अलावा पाली से भी टीमें बुलाई है'

इसे लेकर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक पंकज यादव ने बताया कि इस मामले में भीड़ का नेतृत्व कर रहे सुनील चौधरी और अन्य को डिटेन किया है। कई पुलिस अधिकारी और कॉन्स्टेबल को भी चोट लगी है, जिनका इलाज किया जा रहा है। पंकज यादव ने कहा कि जिन लोगों हुड़दंग किया है, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं 2 नवंबर, सोमवार को होने वाले मतदान को लेकर उन्होंने बताया कि पुलिस ने एसटीएफ रिजर्व जाब्ता के अलावा पाली से भी टीमें बुलाई हैं। आरएसी भी तैनात की जाएगी। घटनाक्रम में पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर काम कर रहा है। फ्लैग मार्च भी निकाला जाएगा। इसमें प्रशासनिक अधिकारी भी शामिल रहेंगे। साथ ही कहा कि मतदान प्रक्रिया में बाधा पहुंचाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

ग्रामीण एसपी पंकज यादव ने बताया कि भावी ग्राम पंचायत के चुनाव में एक बूथ पर मतदान के दौरान मतदान केंद्र से अनधिकृत रूप से मतपत्र बाहर ले जाए गए थे। इस पर एजेंटों के आपत्ति जताने पर मतपत्र वापस लाए गए। इसमें पाया गया कि एक प्रत्याशी के नाम से मोहर लगी हुई थी। इसके बाद वहां अन्य बूथ के ग्रामीण भी धरने पर बैठ गए थे। मामले में रिटर्निंग ऑफिसर की रिपोर्ट पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू करवाई है। वहीं मामले की जांच के लिए डिप्टी एसपी मनीष देव के नेतृत्व में एसआई टी का गठन भी किया गया है। इसमें साइबर एक्सपर्ट, पूछताछ के लिए भावी गांव में भी अपनी टीमें भेजी है।

उन्होंने बताया कि घटना को लेकर सुनील चौधरी रात करीब 8 से 8:30 बजे के बीच 500-600 लोगों को लेकर बिलाड़ा थाने पहुंचा और थाने का घेराव कर दिया। इस पर पुलिस ने बातचीत करके समझाइश के प्रयास शुरू किए। रात 11:30 बजे सुनील ने उत्तेजित होकर एक बोतल निकाली, जिसमें संभवत: कोई ज्वलनशील पदार्थ था, जिसे अपने ऊपर छिड़का और थाने में भीड़ के साथ प्रवेश करने का प्रयास किया। पुलिस वालों के साथ धक्का-मुक्की की। इसमें पुलिस द्वारा न्यूनतम बलप्रयोग किया। इन्हें थाने से बाहर खदेड़ने का प्रयास किया गया। इस दौरान पुलिस पर पत्थर फेंके गए। इसमें कई पुलिस अधिकारी और जवान चोटिल हो गए। हालात संभालने के लिए पुलिस ने गैस गन का प्रयोग किया। वहीं लाठीचार्ज भी किया गया। जो भीड़ थी, उसे तितर-बितर किया गया। इसके बाद ये लोग हाइवे पर बैठने का प्रयास भी करने लगे, जिन्हें वहां से भी हटाया गया। इसके बाद पुलिस ने मौके पर शांति स्थापित की।

हादसे में बाइक सवार छात्र की मौत, दो घायल

कोटा, (निसं)। रानपुर थाना इलाके के जगपुरा में अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाईक सवार तीन छात्र घायल हो गये। घायल हुए छात्रों में से एक छात्र ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

जानकारी के अनुसार मंडाना से तीन छात्र बाईक से निजि कोचिंग के लिये कोटा आये और वापस जाते समय जगपुरा के समीप अज्ञात वाहन ने बाईक को टक्कर मार दी, हादसें में घायल हुए तीन छात्रों में से एक की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। रानपुर थानाधिकारी रमेश कविया ने बताया कि मंडाना निवासी सावन मीणा अपने दो मित्र रितेश व रविन्द्र के साथ बाईक से निजि कोचिंग के लिये कोटा आया और वापस कोटा से मंडाना की ओर जाते समय जगपुरा के समीप वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में घायल तीनों को उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान मंडाना निवासी सावन मीणा ने दम तोड़ दिया। थानाधिकारी ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया।

सीकर में तापमान 15 डिग्री से नीचे पहुंचा

सीकर, (निसं)। सीकर में मौसम में बदलाव नजर आ रहा है। अब रात के समय हल्की सर्दी शुरू हो गई है। यहां रात का तापमान 15 डिग्री से नीचे पहुंच गया है। फिलहाल एक सप्ताह मौसम ड्राई रहने का अनुमान है।

सीकर के कृषि अनुसंधान केंद्र फतेहपुर पर रविवार सुबह न्यूनतम तापमान 13.9 डिग्री दर्ज किया गया है। इससे पहले यहां शनिवार को न्यूनतम तापमान 13 डिग्री और अधिकतम तापमान 31.5 डिग्री दर्ज किया गया था। शनिवार को पूरे दिन मौसम साफ रहा। हालांकि दोपहर के समय धूप में थोड़ी सी तेजी थी। जयपुर मौसम केंद्र के मुताबिक प्रदेश के मौसम में पिछले दिनों एक्टिव हुए चक्रवात का असर अब खत्म हो चुका है। अब सीकर सहित प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में अगले करीब एक सप्ताह तक मौसम ड्राई रहने वाला है सीकर में अब एक सप्ताह तक मौसम को लेकर कोई भी अलर्ट नहीं है।

GOVIND GURU TRIBAL UNIVERSITY
Office of Director Research
Banswara(Raj.)-327001, Email: dr.phd2018@gmail.com

Ref. No.F./GGTU/Ph.D/RET/2026/1674 Date: 28-10-2026

NOTIFICATION-IV

Reopening of the Online Application Portal for Ph.D. Admission-2026

In continuation of the University Notification **dated 29.06.2026** regarding Ph.D. Admission-2026, it is hereby notified that the online application portal for Ph.D. **Admission- 2026** is being reopened, and eligible candidates may submit their online applications up to **25.11.2026.** Eligible candidates are advised to submit their applications online through the University's official **website: www.ggtu.ac.in.** All other terms and conditions stipulated in the original notification shall remain unchanged.

Director (Research)
Govind Guru Tribal University Banswara (Rajasthan)

सॉफ्टवेयर में हेरफेर कर 2 करोड़ के जीपीएस उपकरण चुराने वाले दो कर्मचारी गिरफ्तार

आरोपियों की निशानदेही पर 162 जीपीएस उपकरण, 103 एंटेना और 3.50 लाख रुपए बरामद

जयपुर । कंपनी के सॉफ्टवेयर में हेरफेर कर फर्जी ऑनलाइन ऑर्डर जनरेट किए और करीब दो करोड रुपए कीमत के जीपीएस उपकरण चोरी कर बाजार में बेच दिए। सांगानेर सदर थाना पुलिस ने इस मामले का खुलासा करते हुए कंपनी के ही दो कर्मचारियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की निशानदेही पर 162 जीपीएस उपकरण, 103 एंटेना और 3.50 लाख रुपए नकद बरामद किए गए हैं। चोरी की रकम से खरीदा गया लैपटॉप, प्रिंटर, सिलाई मशीनें और ऑफिस की कुर्सियां भी जब्त की गई हैं।

पुलिस उपायुक्त दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि सीतापुरा रीको क्षेत्र स्थित इलेक्ट्रॉनिक उपकरण निर्माता कंपनी रेवेन्स टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक सार्थक जैन ने 29 अक्टूबर को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि कंपनी के सॉफ्टवेयर में हेरफेर कर पुराने ग्राहकों की आईडी से फर्जी



ऑनलाइन ऑर्डर जनरेट किए गए और बैंकिंग क्षेत्र में धन के लेन-देन के लिए इस्तेमाल होने वाले करीब दो करोड रुपए के जीपीएस उपकरण चोरी कर लिए गए। इन उपकरणों के दुरुपयोग की आशंका भी जताई गई थी। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए थानाधिकारी कमलेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। तकनीकी विश्लेषण और मुखबिर तंत्र की मदद से पुलिस ने कंपनी के दो कर्मचारियों अजरुद्दीन

- **चोरी की रकम से खरीदा गया लैपटॉप, प्रिंटर, सिलाई मशीनें और ऑफिस की कुर्सियां भी जब्त**

उर्फ अजहर (22), निवासी हुमायुपुर, नजीबाबाद, बिजनौर (उत्तर प्रदेश), हाल निवासी कच्ची बस्ती ईदगाह, गलतागेट और मोहम्मद जैद (23), निवासी गुलजार कॉलोनी, ईदगाह गलतागेट को गिरफ्तार किया।

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि दोनों कंपनी में ग्राहक सहायता अधिकारी के पद पर कार्यरत थे। उनके पास कंपनी के सॉफ्टवेयर का एक्सेस था। इसी का दुरुपयोग कर वे पुराने ग्राहकों की आईडी से ऑनलाइन ऑर्डर बुक करते और सॉफ्टवेयर में बदलाव कर सामान का डिलीवरी पता बदल देते थे। इसके बाद जीपीएस उपकरण हासिल कर उन्हें कम कीमत पर बाजार में बेच देते थे।

पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर चोरी के 162 जीपीएस 8.0 उपकरण और इनके साथ इस्तेमाल होने वाले 103 एंटेना बरामद किए हैं। इसके अलावा 3.50 लाख रुपए नकद भी जब्त किए गए हैं। पुलिस के अनुसार चोरी के उपकरण बेचकर मिली रकम से खरीदा गया एक लैपटॉप, एक प्रिंटर, सिलाई मशीनें और ऑफिस की कुर्सियां भी बरामद की गई हैं।

पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर रही है कि चोरी के उपकरण किन-किन लोगों को बेचे गए और इस नेटवर्क में अन्य कौन लोग शामिल हैं। मामले में आगे अनुसंधान जारी है।

गोविंददेवजी मंदिर के महंत अंजन कुमार गोस्वामी पंचतत्व में विलीन

पुत्र मानस गोस्वामी ने दी मुखाग्नि, हरिनाम संकीर्तन के साथ निकली बैकुंठी यात्रा

जयपुर । नाहरगढ़ की पहाड़ियों की तलहटी, मनसा माता और श्री कुंज बिहारी जी मंदिर के समीप अस्त होते सूर्य के साथ रविवार शाम ठाकुर श्री राधा गोविंद देवजी मंदिर के महंत अंजन कुमार गोस्वामी महाराज पंचतत्व में विलीन हो गए। बताया जा रहा है कि, महंत अंजन कुमार गोस्वामी महाराज रविवार सुबह नियमित रूप से ठाकुर श्री गोविंद देवजी मंदिर में श्रृंगार झांकी के दर्शन करने पहुंचे थे। करीब एक घंटे मंदिर में रहने के बाद वे हवेली लौट गए। वहां वे कुर्सी पर बैठे थे और पास में उनके पुत्र मानस गोस्वामी भी मौजूद थे। इसी दौरान वे अचानक बेहोश हो गए। परिजन उन्हें तत्काल दुर्लभजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया, वे 78 वर्ष के थे। उनके परिवार में धर्मपत्नी इन्द्राणी देवी गोस्वामी, पुत्र मानस गोस्वामी, पुत्री, पोती और नाती हैं।

कार्तिक कृष्ण पक्ष की अहोई अष्टमी के दिन उनके देवलोकगमन से गोविंद देवजी के भक्तों, वैष्णव समाज और संत-महंतों में शोक छा गया। आमेर रोड स्थित कनक घाटी के ठिकाना मंदिर श्री राधा गोविंद देवजी के मोक्षधाम समाधबाड़ी में उनके पुत्र मानस गोस्वामी ने मुखाग्नि दी। उनका अंतिम संस्कार पिता श्रील प्रद्युम्न



श्री राधा-गोविंद देवजी मंदिर के महंत अंजन कुमार गोस्वामी की अंतिम यात्रा में रविवार को सैकड़ों लोग शामिल हुए।

कुमार गोस्वामीजी की छतरी के पास किया गया। अंजन कुमार गोस्वामी महाराज की अंतिम यात्रा (बैकुंठी यात्रा) हवामहल के सामने स्थित उनकी पैतृक हवेली से रवाना हुई। गोविंद परिकर हरिनाम संकीर्तन करते हुए चल रहे थे। मार्ग में भक्तों ने नम आंखों से अपने आराध्य के सेवक को अंतिम विदाई दी। हवामहल बाजार के व्यापारियों ने प्रतिष्ठान से बाहर आकर पार्थिव देह को नमन किया। अंतिम संस्कार में सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा सहित विभिन्न मंदिरों के महंत, संत, आचार्य और श्रद्धालु शामिल हुए। सभी ने पार्थिव देह पर चादर और पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। अंतिम संस्कार के दौरान लगातार हरिनाम संकीर्तन होता रहा। अंतिम संस्कार में महंत सुदर्शनाचार्य, पंडित राजकुमार चतुर्वेदी, अमरापुरा के मोनू महाराज, प्रवीण बड़े भैया, महंत त्रिविक्रमाचार्य, खोले के हनुमानजी मंदिर के गिरधारी लाल शर्मा, महामंत्री बी.एम.शर्मा, महंत जय महाराज, महंत संजय गोस्वामी और गढ़ गणेश मंदिर के पार्थ मेहता सहित अनेक संत-महंत एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। गोविंद परिकर और वैष्णव समाज ने उनके प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

खाद्य सुरक्षा दल ने सीज किया 735 लीटर मूंगफली तेल

कसौटी ब्रांड के तेल में मिलावट का अंदेशा, खाद्य सुरक्षा विभाग ने लिए नमूने

जयपुर (कासं)। त्योहारी सीजन में मिलावटखोरों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने वाटिका स्थित लालानी इंटरप्राइजेज पर कार्रवाई की। टीम ने यहां से 735 लीटर कसौटी ब्रांड रिफाइंड मूंगफली तेल सीज किया। तेल में मिलावट की आशंका के चलते नमूने लेकर जांच के लिए खाद्य प्रयोगशाला जयपुर भेजे गए हैं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर द्वितीय डॉ. मनीष मित्तल ने बताया कि शुद्ध आहार-मिलावट पर वार अभियान के तहत त्योहारी सीजन में आमजन को सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के दल ने प्रतिष्ठान का निरीक्षण किया।



निरीक्षण के दौरान कसौटी ब्रांड रिफाइंड मूंगफली तेल में मिलावट का अंदेशा होने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 के तहत नमूनीकरण की कार्रवाई की गई। इसके साथ ही मौके पर उपलब्ध 735 लीटर तेल सीज कर दिया गया। डॉ. मित्तल ने बताया कि प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट मिलने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

'हाईटेंशन लाइन हटने के बाद भूखंडधारियों को मिलेंगे पट्टे'

जयपुर । हाईटेंशन विद्युत लाइन के कारण वर्षों से पट्टे का इंतजार कर रहे भूखंडधारियों के लिए राहत की खबर है। जिन स्वीकृत कॉलोनियों से हाईटेंशन लाइन हटाई जा चुकी है, वहां प्रभावित भूखंडों के अनुमोदन और पट्टे जारी करने की प्रक्रिया अब आसान होगी। जेडीए ने ऐसे मामलों का निस्तारण सीधे जोन स्तर पर करने का निर्णय किया है। इससे भूखंडधारियों को मुख्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे और लंबित प्रकरणों का तेजी से निस्तारण हो सकेगा।

जेडीए ने 31 अक्टूबर को इस संबंध में आदेश जारी किया है। यह निर्णय 18 अगस्त को आयोजित भवन मानचित्र समिति की 437वीं बैठक में लिया गया था। इसके तहत जिन पूर्व अनुमोदित योजनाओं में हाईटेंशन लाइन के कॉरिडोर के कारण कुछ भूखंडों को अनुमोदन से बाहर रखा गया था, लेकिन अब मौके से लाइन हटाई या शिफ्ट की जा चुकी है, ऐसे भूखंडों को योजना में शामिल करने की प्रक्रिया जोन स्तर पर पूरी की जा सकेगी। आदेश के अनुसार संबंधित मामलों में पहले यह जांच की जाएगी कि हाईटेंशन लाइन हटने के बाद योजना का विक्रय योग्य क्षेत्रफल निर्धारित मानकों के अनुरूप है या नहीं। नियमों के अनुसार पात्र पाए जाने पर मूल मानचित्र में जोन स्तर पर संशोधन किया जा सकेगा। इसके बाद प्रभावित भूखंडों के अनुमोदन के साथ लीजडीड या संशोधित लीजडीड जारी की जा सकेगी। यह व्यवस्था उन मामलों में लागू होगी, जिनमें हाईटेंशन लाइन के साथ सड़क प्रस्तावित नहीं है। इस फैसले से भैरव गृह निर्माण सहकारी समिति की योजना आदिनाथ नगर के भूखंडधारियों को भी राहत मिलेगी। यहां हाईटेंशन लाइन गुजरने के कारण कई भूखंडों के पट्टे लंबे समय से अटके हुए थे। अब मौके से लाइन हटाए जाने के बाद उनके अनुमोदन और पट्टे जारी करने का रास्ता साफ हुआ है। स्थानीय निवासी प्रमेश्वरी कसवा सहित अन्य लोगों ने इस निर्णय से राहत मिलने की उम्मीद जताई है। चंबल पावर हाउस, सोडाला, रामनगर विस्तार और गोविंदपुरी सहित एक दर्जन से अधिक कॉलोनियों में करीब साढ़े पांच किलोमीटर लंबी हाईटेंशन लाइन को भूमिगत करने का काम किया गया है। इसके लिए राज्य सरकार के निर्देश पर जेडीए ने विद्युत निगम को 33 करोड़ रुपये जारी किए थे। वहीं अजमेर रोड क्षेत्र में गजसिंहपुरा और गोपालपुरा बाइपास से नारायण विहार तक करीब 1,300 मीटर लंबे हाईटेंशन लाइन सेफ्टी कॉरिडोर के दायरे में आने वाले लगभग 1,000 घरों और दुकानों को जेडीए ने धारा 72 के तहत नोटिस जारी किए थे। अब लाइन हटने या शिफ्ट होने के बाद प्रभावित भूखंडों के लंबित मामलों के निस्तारण की उम्मीद बढ़ी है। जेडीए के इस फैसले से उन भूखंडधारियों को राहत मिलेगी, जिनकी जमीन पर पहले हाईटेंशन लाइन होने के कारण पट्टा जारी नहीं हो पा रहा था, जबकि अब मौके पर लाइन मौजूद नहीं है।

दीपक म्हस्के आज आएंगे जयपुर

जयपुर । भाजपा सोशल मीडिया विभाग के राष्ट्रीय संयोजक दीपक म्हस्के 2 और 3 नवंबर को दो दिवसीय प्रवास पर जयपुर आएंगे। भाजपा राजस्थान सोशल मीडिया विभाग के प्रदेश संयोजक हीरेंद्र कौशिक ने बताया कि प्रवास के दौरान म्हस्के प्रदेश, संभाग और जिला स्तर के सोशल मीडिया पदाधिकारियों के साथ संगठनात्मक बैठक करेंगे। बैठक में विभाग की संगठनात्मक गतिविधियों, आगामी कार्ययोजना, डिजिटल मंचों के प्रभावी उपयोग तथा सोशल मीडिया के माध्यम से केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने पर चर्चा होगी। कौशिक ने बताया कि सोमवार शाम

सार-समाचार

निजी सहायक संवर्ग महासंघ की नई प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा



जयपुर । राजस्थान निजी सहायक संवर्ग महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष विनोद कुमार शर्मा ने नई प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा की है। इसमें मुश्ताक अहमद खान, सुधीर शर्मा, राधेश्याम शर्मा, पवन कुमार सारस्वत, संदीप कंसल और नवीन पारीक को प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं मांगीलाल मेनारिया, मनोज सक्सेना, ऋषिराज सिंह पंवार, हेमंत कुमार शर्मा, शीतल जाजम, अनिल कुमार खण्डेलवाल, योगेश कुमार शर्मा, मिश्रीलाल मीणा और धनराज साहू को प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। अमित कुमार सुन्दरिया को प्रदेश महामंत्री, सुरेश मीणा को संयुक्त महामंत्री, रवि कुमार शर्मा और अजय कुमार बेनीवाल को प्रदेश प्रवक्ता तथा अंकित पारीक को प्रदेश कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा प्रदेश संगठन मंत्री और कार्यकारिणी सदस्यों की भी नियुक्ति की गई है।

विमला जगरवाल ने दो स्वर्ण पदक जीते



जयपुर । बेंगलुरु में 27 अक्टूबर से आयोजित द्वितीय राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा खेल-2026 में जयपुर नगर निगम में कार्यरत अग्निशमनकर्मी विमला जगरवाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण पदक हासिल किए। उन्होंने 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में 52 मंजिल की सीढ़ियां चढ़ने की प्रतियोगिता में सामान्य पोशाक और पूर्ण अग्निशमन सुरक्षा उपकरणों के साथ भाग लेकर यह उपलब्धि प्राप्त की। विमला ने दोनों श्रेणियों में अपनी क्षमता, साहस और शारीरिक दक्षता का परिचय देते हुए जयपुर नगर निगम और राजस्थान का नाम रोशन किया। उनकी इस उपलब्धि पर नगर निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों ने खुशी जताते हुए उन्हें बधाई दी।

द पैलेस स्कूल की "सिल्वर जुबली"

जयपुर । द पैलेस स्कूल की स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने पर आयोजित तीन दिवसीय समारोह 'गुलाबी रजत' में जयपुर की विरासत, कला, संस्कृति और भविष्य की झलक प्रस्तुत की गई। 30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक आयोजित समारोह का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रिंसेस गौरवी कुमारी ने किया। इस अवसर पर महाराज नरेन्द्र सिंह, स्कूल प्रिंसिपल उर्वशी वॉरमैन और सिटी पैलेस म्यूजियम की कार्यकारी ट्रस्टी रमा दत्त सहित गणमान्य अतिथि मौजूद रहे। प्रिंसेस गौरवी कुमारी ने कहा कि जयपुर के 300 वर्ष और पैलेस स्कूल के 25 वर्ष पूरे होना विशेष अवसर है। वह और उनके दोनों भाई भी इसी स्कूल के विद्यार्थी रहे हैं। उन्होंने बच्चों की मेहनत और उत्साह की सराहना की। वर्ष 2001 में प्रिंसेस दिया कुमारी द्वारा स्थापित स्कूल के समारोह में विद्यार्थियों ने जयपुर के इतिहास, ऐतिहासिक स्थलों, पारंपरिक शिल्प और सांस्कृतिक परंपराओं पर आधारित प्रस्तुतियां दीं। 'सवाई दरबार' में जयपुर के पांच शासकों का योगदान, 'जयपुर के झरोखे' में कम चर्चित ऐतिहासिक तथ्य और 'रजत पथ' में स्कूल की 25 वर्षों की यात्रा प्रदर्शित की गई। 'पोथीखाना' में विद्यार्थियों ने लोककथाएं और ऐतिहासिक कहानियां सुनाईं, जबकि 'थ्रू द परकोटा' में गुमनाम कारीगरों के योगदान को दर्शाया गया।

डीएससी और डी.लिट. के आवेदन 12 से

जयपुर । राजस्थान विश्वविद्यालय ने सत्र 2026-27 के लिए डॉक्टर ऑफ साइंस (डीएससी) एवं डॉक्टर ऑफ लिटरेचर (डी.लिट.) शोध उपाधियों के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। आवेदन प्रक्रिया 12 नवंबर से शुरू होगी। विश्वविद्यालय के अनुसार आवेदन शुल्क बैंक चालान से जमा कराने की अंतिम तिथि 19 नवंबर और आवश्यक दस्तावेजों सहित आवेदन की हार्ड कॉपी जमा कराने की अंतिम तिथि 25 नवंबर निर्धारित की गई है। शैक्षिणक योग्यता, पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और शुल्क संबंधी नियम विश्वविद्यालय के नोटिफिकेशन संख्या 20 के अनुसार होंगे। आवेदन प्रारूप और विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी ने अभ्यर्थियों से निर्धारित समय में आवेदन और दस्तावेज जमा कराने की अपील की है।

फुलेरा में खाद्य पदार्थों के 8 नमूने लिए

जयपुर । शुद्ध आहार-मिलावट पर वार अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा टीम ने फुलेरा में विभिन्न प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई कर खाद्य पदार्थों के 8 नमूने लिए। इनमें मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर, मावा मिठाई, मिल्क केक, घी, मिश्री मावा और मावा बर्फी शामिल हैं।

राजीविका दिवाली मेले में सवाईमाधोपुर की ब्लैक पॉटरी बनी आकर्षण का केंद्र

जयपुर (कासं)। दिवाली नजदीक आने के साथ राजीविका दिवाली मेला-2026 में खरीदारी का उत्साह बढ़ता जा रहा है। इंदिरा गांधी पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास संस्थान (आईजीपीआरएस) परिसर में राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका) की ओर से आयोजित मेले के पांचवें दिन रविवार को भारी भीड़ उमड़ी। 100 से अधिक स्टॉलों पर ग्रामीण महिला स्वयं सहायता समूहों के हस्तशिल्प, हथकरघा, गृह सज्जा, पारंपरिक खाद्य सामग्री और स्थानीय उत्पादों की खरीदारी के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे।

मेले में जयपुर की ब्लू पॉटरी के साथ सवाई माधोपुर की ब्लैक पॉटरी विशेष आकर्षण बनी हुई है। अपनी विशिष्ट बनावट और पारंपरिक कारीगरी के लिए पहचान रखने वाली ब्लैक पॉटरी के उत्पादों को लोग खूब पसंद कर रहे हैं। कारीगर पारंपरिक कला को आधुनिक डिजाइन और उपयोगिता के अनुरूप नए रूप दे रहे हैं।

दीये और अगरबत्ती बनाने के लाइव प्रदर्शन में आगंतुक खास रुचि ले रहे हैं। लोग चाक पर मिट्टी के दीये बनाने और मशीन से अगरबत्ती तैयार करने की प्रक्रिया सीख रहे हैं। स्टैच्यू मेकिंग और ऊन से उत्पाद बनाने की गतिविधियां भी आकर्षण का केंद्र हैं। दिवाली के लिए दीये, मोमबत्तियां, रंगोली, तोरण और सजावटी सामग्री की खूब बिक्री हो रही है। जूट एवं ऊन के बैग, हस्तनिर्मित जूतियां, मोजड़ी, कपड़े



के खिलौने, की-चेन, कोटा डोरिया की साड़ियां, ब्लू पॉटरी, कशीदाकारी, डोरमैट और कालीन की भी मांग है। कैंडी और पान माउथ फ्रेशनर जैसे उत्पाद भी लोगों को आकर्षित कर रहे हैं। मेले में दाल-बाटी-चूरमा, केर-सांगरी सहित पारंपरिक राजस्थानी व्यंजनों के लिए भी भीड़ जुट रही है। महिला स्वयं सहायता समूहों के अचार, पापड़, गट्टा मसाला और अन्य स्थानीय खाद्य उत्पादों की भी बिक्री हो रही है। राजीविका का यह मेला ग्रामीण महिला उद्यिमयों को अपने उत्पाद सीधे ग्राहकों तक पहुंचाने, नए खरीदारों से जुड़ने और बाजार की मांग समझने का अवसर दे रहा है। इससे पारंपरिक हस्तशिल्प, स्थानीय उत्पादों और महिला उद्यिमता को बढ़ावा मिल रहा है।

मेले का आयोजन 28 अक्टूबर से 4 नवंबर तक प्रतिदिन सुबह 10 से रात 9 बजे तक किया जा रहा है। आमजन के लिए प्रवेश नि:शुल्क है। मेले में 100 से अधिक स्टॉलों पर ग्रामीण महिला स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों की प्रदर्शनी और बिक्री जारी है।

कांग्रेस की रैली, जनता द्वारा नकारे गए लोगों का राजनीतिक ड्रामा : भाजपा प्रदेशाध्यक्ष

जयपुर (कासं)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने दिल्ली के रामलीला मैदान में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की रैली को जनता द्वारा बार-बार नकारे गए लोगों का राजनीतिक ड्रामा बताया। उन्होंने कहा कि संविधान और लोकतांत्रिक संस्थाओं की रक्षा का दावा करने से पहले कांग्रेस को अपने इतिहास का जवाब देना चाहिए। सत्ता के लिए नागरिक स्वतंत्रता, न्यायपालिका की स्वायत्तता और संघीय व्यवस्था से जुड़े सवाल कांग्रेस के शासनकाल में भी उठे हैं।

राठौड़ ने कहा कि लोकतंत्र में विपक्ष को विरोध करने का पूरा अधिकार है, लेकिन विरोध के नाम पर अराजकता और अस्थिरता का माहौल बनाना उचित नहीं है। त्योहारों के समय दिल्ली के व्यापारियों, दुकानदारों और आम नागरिकों को शांति एवं सुरक्षित माहौल की आवश्यकता है। कांग्रेस को राजनीतिक स्वार्थ से ऊपर उठकर देश की एकता, सामाजिक सद्भाव और लोकतांत्रिक मर्यादाओं का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि 1 नवंबर का दिन 1984 के सिख नरसंहार की दर्दनाक यादों से जुड़ा है। उस दौरान हजारों सिख परिवार उजड़ गए। किसी ने

- **1984 के सिख नरसंहार पर प्रायश्चित करने के बजाय राजनीतिक प्रदर्शन कर रही कांग्रेस : राठौड़**

बेटा खोया, किसी ने अपना सिंदूर, किसी के सिर से पिता का साया उठा तो कोई बेटी मां की ममता से वंचित हो गई। देश उन जख्मों को आज भी नहीं भूला है। तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी के 'जब बड़ा पेड़ गिरता है, तो धरती कांपती है' वाले बयान पर भी आज तक सवाल उठते हैं। राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस को पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना, जवाबदेही और प्रायश्चित का परिचय देना चाहिए। राहुल गांधी को लोकतंत्र की दुहाई देने से पहले कांग्रेस के अतीत और 1984 के सिख नरसंहार के प्रति अपनी पार्टी की जिम्मेदारी पर जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, जहां सरकारों का भविष्य जनता तय करती है। राजनीतिक प्रदर्शनों के जरिए जनादेश को कमजोर नहीं किया जा सकता।

दीपोत्सव से पहले परकोटे में रातभर चला सफाई अभियान

करीब 2 हजार सफाई कर्मचारियों और 1000 संसाधनों की मदद से बाजारों-सड़कों और गलियों से कचरा हटाया



नगर निगम जयपुर ने शनिवार रात 12 बजे से सुबह तक परकोटा क्षेत्र के प्रमुख बाजारों और अंदरूनी गलियों में साफ-सफाई का अभियान चलाया। इस दौरान महापौर सुनील कोठारी और आयुक्त ओम कसेरा ने भी झाड़ू थामी।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । दीपोत्सव से पहले राजधानी जयपुर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए नगर निगम ने शनिवार रात परकोटे में विशेष सफाई अभियान चलाया। ऑपरेशन क्लीन स्वीप 2.0 के तहत रात 12 बजे से सुबह तक शहर के प्रमुख बाजारों और अंदरूनी गलियों में सफाई की गई। अभियान में महापौर सुनील कोठारी और नगर निगम आयुक्त ओम कसेरा ने भी अधिकारियों और सफाई कर्मचारियों के साथ मोर्चा संभाला। करीब 2 हजार अतिरिक्त सफाई कर्मचारियों और 1 हजार संसाधनों की मदद से बाजारों, सड़कों और गलियों से कचरा हटाया गया।

दीपावली के दौरान बाजारों और घरों में साफ-सफाई के कारण कचरे की मात्रा बढ़ जाती है। इसे देखते हुए नगर निगम ने त्योहार से पहले विशेष अभियान चलाने का निर्णय किया। रात में सफाई अभियान चलाने की वजह दिन के समय बाजारों में यातायात और लोगों की अधिक आवाजाही होना है। निगम का प्रयास है कि बड़े स्तर पर सफाई के दौरान व्यापारियों और आमजन को परेशानी न हो।

महापौर सुनील कोठारी ने कहा कि दीपोत्सव पर जिस तरह लोग अपने घरों की विशेष सफाई करते हैं, उसी तरह नगर निगम शहर के प्रमुख बाजारों और सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ बनाने में जुटा है। इसके लिए अतिरिक्त कर्मचारी और संसाधन लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि परकोटा क्षेत्र को साफ और सुंदर बनाने के लिए करीब 2 हजार कर्मचारी काम कर रहे हैं। शहर की सफाई व्यवस्था और आवारा पशुओं की समस्या पर महापौर ने कहा कि ये दोनों गंभीर मुद्दे हैं। इनके समाधान के लिए नगर निगम को अपनी कमियों को दूर करने के साथ आमजन का सहयोग भी बढ़ाना होगा। उन्होंने बताया कि शहर को स्वच्छ बनाने के लिए वार्ड स्तर पर युवाओं को जोड़कर जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इंदौर की तरह जयपुर के नागरिकों में भी अपने शहर के प्रति जिम्मेदारी और स्वच्छता का भाव विकसित करने की जरूरत है। नगर निगम आयुक्त ओम कसेरा ने बताया कि कुछ महीने पहले ऑपरेशन क्लीन स्वीप अभियान शुरू किया गया था। इसके तहत रात के समय शहर के प्रमुख हिस्सों में विशेष सफाई कराई गई थी। इसी कड़ी में अब इसका दूसरा चरण ऑपरेशन क्लीन स्वीप 2.0 आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि इस बार अतिरिक्त कर्मचारियों और संसाधनों के साथ परकोटे में रातभर सफाई कराई गई। दिन में बाजारों में यातायात और लोगों की आवाजाही अधिक रहती है। ऐसे में बड़े स्तर पर सफाई अभियान चलाने से आमजन और व्यापारियों को परेशानी हो सकती है। रात में अभियान चलाने से लोगों की आवाजाही प्रभावित किए बिना सफाई करना संभव हुआ। आयुक्त कसेरा ने बताया कि आमजन की भागीदारी और सकारात्मक प्रतिक्रिया के बाद नगर निगम ने रंग दे गुलाबी 2.0 अभियान आयोजित किया था।

ARBiT it happens here...



Observing Look for Circles Day

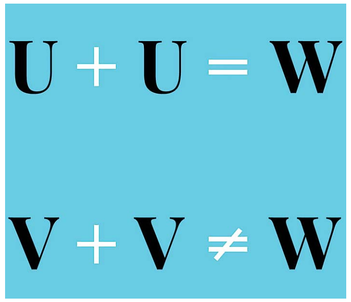
Look for Circles Day is a playful reminder to notice the circular shapes that surround us in everyday life. From the wheels on vehicles to the sun, clocks, and everyday objects, circles are everywhere, representing unity, continuity, and harmony. The day encourages people to slow down, observe their surroundings, and appreciate the simple geometry that shapes our world. Schools, families, and communities often engage in creative activities, spotting or drawing circles, making it a fun way to blend curiosity with mindfulness. Look for Circles Day celebrates the beauty in the details we often overlook.

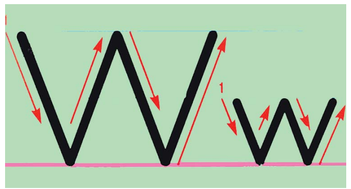
राष्ट्रदूत
MONDAY
02 November 2026
A-B

#"DOUBLE U"

Why Call "W" a Double U When It Looks Like a Double V?

The Latin word unum (one) was written as *VNVM*. At this stage, U existed as a sound, not as a distinct written letter





One of the most curious questions about the English alphabet is why the letter W is called "double U," even though it clearly looks like two Vs placed side by side. The answer lies not in modern English, but in the long history of alphabets, letter shapes, and pronunciation across Latin and Germanic languages.

The Early Alphabet and the Letter "U"

In classical Latin, there was no separate letter U or W. The Romans used a single letter, V, to represent both the vowel sound U and the consonant sound V. As a result, words that today use U or V were all written with the same character.

For example, the Latin word *unum* (one) was written as VNVM. At this stage, U existed as a sound, not as a distinct written letter.

The Need for a New Letter

As Germanic languages such as Old English began to be written using the Latin alphabet, scribes faced a problem. These languages had a "W" sound that Latin did not. To represent this sound, early writers used two U sounds together, written as uu. Because the letter U was still written in the angular Roman style that resembled a V, this "uu" combination looked exactly like VV on the page.

From "Double U" to W

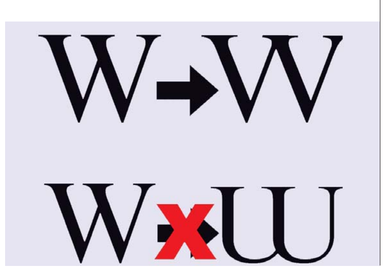
Over time, the two connected Us (uu) merged into a single character. Even though the written form evolved and eventually came to resemble two Vs, the name "double U" remained because it reflected the original sound-based concept rather than the visual shape.

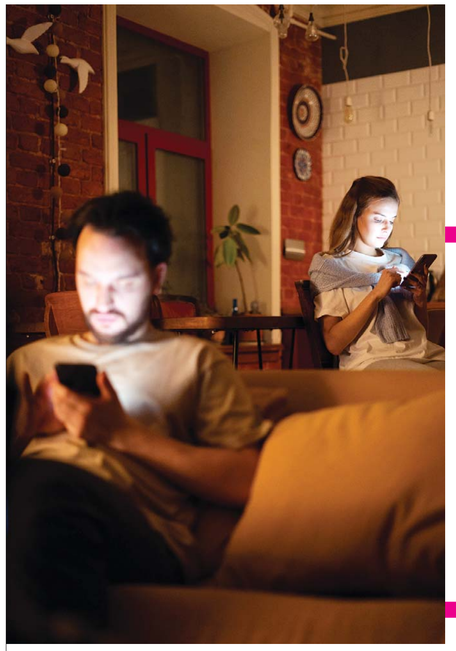
Why Not "Double V" in English?

Some languages did go in that direction. In French, Spanish, and Italian, the letter W is often called "double V" because in those languages, V and U are clearly distinct letters and the shape is interpreted visually. English, however, preserved the older naming tradition from medieval scribes, keeping "double U" as the letter's name.

Conclusion

The letter W is called "double U" because it originated as two Us written together to represent a new sound in early Germanic languages. Although its shape now resembles two Vs, its name preserves a historical snapshot of how alphabets evolve over time. The mismatch between name and appearance is a reminder that language is shaped by history as much as by logic.

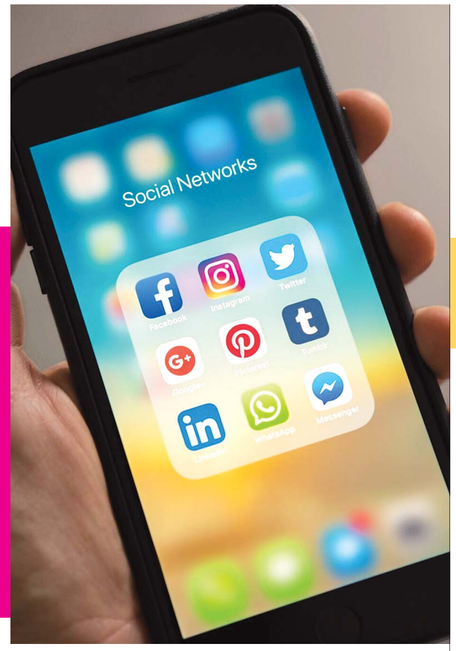




Beyond Good Morning

PART:2

Most chats on dating apps begin with a good morning. Most of them end there too. In the second part, I put one whole day of messages from the men in my phone on record, from the 2 am 'Shelly' to the late-night 'helllooo,' and draw up a kundli to read them by.





Shailaza Singh
Published Author, Poet and a YouTuber

'Hi. Good morning,' wrote the VP of Undergoing at 7:18. (VP Projects, divorce still 'undergoing.')

Then, the second line. 'Uth jao g.'

The g, I assume, was for ji. Respect, abbreviated.

Only my mother has ever ordered me to wake up. Now, there were two. I did not reply. A little later: 'Gone to sleep???' Three question marks, each one a little more offended than the one before it.

The next morning, at 6:32: 'Good morning. Wish to connect with u. Waited for u entire yesterday.'

The entire yesterday. I did wonder who was building the flyovers of this country while its VPs sat waiting for my reply. No wonder, the projects are always undergoing.

That was when I went back through years of chats. The men in my phone are up before the milkman. 'Good morning' is the like button of these men. Press it and scroll on.

Put all their messages into one day, and my phone looks like this.

2:53 am: Shelly

One gentleman had opened our acquaintance with a full plan for our future. 'Hey, let's connect. We can be friend, good friends and later best friends, looking to connect for daily conversation.' Then, one night, at 2:53, the daily conversation finally arrived. One word.

'Shelly.'

(On the apps, I am Shelly.)

Nothing before it. Nothing after it. My name, alone on the screen at three in the morning, like a man standing at the gate calling for his dog.

I did not wag my tail.

8:22 am: Mr. Newton

At 8:22, one Sunday morning, a new gentleman said hi and announced, 'You are sweet.'

'Sweet...? Kaise?' I asked. Sweet is a word for gulab jamun, not for a woman you have known for four minutes.

Before nine o'clock came his question.

'Is your kid ok with it if u get married?'

One gentleman from Tamil Nadu once told me he needed to know whether my daughter liked him, because after all, we need to have a tuning. Tuning. Like a radio. This one had skipped the tuning and gone straight to her permission.

'Huh? Aren't u going too fast?'

'It wasn't agenda,' he said. 'It was just a question.' The next morning, I asked about his plans for the day.

'Not sure. Kaam bhi ho sakta hai. Aram bhi. For me everyday might be Sunday. Or everyday may be working day.'

He said this on a Monday. To a woman who works from home, for whom every day is Monday, including Sunday.

'Ideally I'm a farmer. I take care of my apple orchards.'

'You become newton soon!!!!' I wrote. Four exclamation marks. I was very pleased with my joke.

'Haha,' he said. One haha for four exclamation marks.

Mr. Newton never had an agenda. He only had a list. 'What you did whole day?' 'Dinner ho gaya? 'Kya kar rahi ho?'

After that, the orchard went into winter. Hi. How are you. Happy Diwali. Hi. In December, he asked me what was new, and when I asked him back: 'Nahin yahan all same.'

He was a farmer. He understood seasons. Our chat had only one, and it was called 'Hi.'

8:42 am: She Walks In Beauty

At 8:42, Mr. Byron. 'hey.' Then 'good morning.' Then 'hope you hVe q lovely day.'

Mr. Byron had begun with poetry. His very first message quoted Lord Byron, 'She walks in beauty, like the night of cloudless climes and starry skies,' followed by, 'you look gorgeous in the pictures.' Nobody had quoted Byron to me since college.

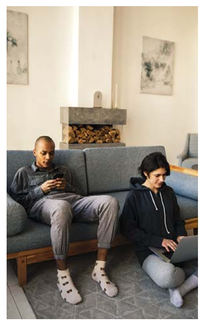
My heart skipped a beat. Finally, a well-read man.

By the afternoon of that same day, he had travelled from 1814 to 'had your lunch.'

'Pink city, I hope I got that right,' he typed. I said yes. A few messages later: 'So you live in Delhi or Jaipur?' And then, of course, the question they all ask: did I come to Delhi at all?

It does not matter that trains, buses and highways run in both directions. The man never asks, 'Shall I come to Jaipur?' Every man, it seems, is a capital city. The woman is always the outstation candidate.





9 am: Hi Goo8

The busiest hour belongs to a gentleman who had been sending 'Hey Shelly' at all hours, including 2:10 in the morning.

'Hi Shelly. Good morning.'

'Hi goo8,' I reply.

That is not a printing mistake. That is my own thumb at nine in the morning, left here in the interest of honest reporting. A man who cannot finish a sentence, and a woman who cannot finish a word.

'How r u doing.'

'Good, u tell me.'

'Doing good. Btw I was thinking...'

And then, nothing.

That was some years ago. He is still thinking.

By the time I opened the chat at night, I had no idea what we were talking about, so, I scrolled up for the context. Fourteen 'hmm's, two 'good morning's and one 'ok.' Archaeologists have found entire civilisations with less digging. Then one morning, at 10:24, he sent the wisest message I have received on any app.

'Hey Shelly. Good morning. Will we be able to go further from good morning msg also.. lol. As we keep on missing each other msgs here.'

He diagnosed the disease perfectly, and in the same message took another dose.

4 pm: Maine Kya Theka Le Rakha Hai?

Every man in India wants to know if I have had my lunch. Not one has ever sent it.

'How are you?'

'Fine.'

'What else?'

What else. Was I now supposed to type out the electrician and the price of tomatoes for a stranger whose vocabulary so far was 'hmm?' I type articles for a living. Typing my whole day for a man who replies in one syllable is called unpaid labour.

By the third call, they all arrive at the same two words.

'Aur batao.'

Once, I actually said it.

'Main hi kyon bataoon? Maine kya theka le rakha hai? Tum batao.'

The next time, the gentleman simply disappeared. He had nothing to batao.

6 pm: The Chat Kundli

Twelve years of cringing, converted into a chart.

SHELLY'S CHAT KUNDLI

If he types 'Good morning. How are you?' with capitals and full stops: he can type. Rare. If he also writes in full paragraphs: check for ChatGPT. If there is no ChatGPT, check for a wife.

A spelling mistake: slippery thumbs, or no attention to detail. Either way, he will forget your birthday.

Romance by the third message: the faster the poetry, the faster the landing.

'Hey Shelly,' and nothing else: he has started a conversation and handed you the job of finishing it.

'Hmm:' he is married, sleepy, or both.

A long silence before he answers 'Are you married?' He is either taking a deep breath, or hiding the wife behind the curtain.

'Where u live' before your name: he is not looking for a partner. He is checking delivery range.

'lol' at the end of every line: he is not laughing. He is nervous.

By this chart, the gun milan between me and the men on these apps has never crossed six out of thirty-six. The pandits say eighteen is the minimum.

I ran my own messages through it too. 'Are you married?' as the first question means: she has been here before. 'Okay... good' means: she has no idea what you were talking about.

Dear Mothers of Sons

All our lives, we Indian girls were told one story. One day, a prince charming would come, marry us and take us to his home. Everybody promised he would come. Nobody said he would talk. Nobody said he would make us laugh, or laugh at our jokes.

The prince did arrive. On a phone. With 'hmm.'

So, mothers of India, a small request. You taught your sons to touch feet, to say namaste to Sharma uncle, and never, ever to ask for a second rasgulla at somebody else's house. You forgot one thing. Conversation. Somewhere between his first tooth and his first salary, your son learnt exactly four sentences. Good morning. Good night. Had your lunch? And hmm. With these four, he was sent out into the world to find a wife. Some of them have found two.

So please, before he is old enough to download an app, sit him down at the dining table. Ask him how his day was, and do not accept 'theek tha.' Make him tell you one thing that happened. Then, one thing he thought about it. Then, make him ask you one question back. Not about lunch.

And if you have done all this, and he still sends 'hmm?' Then, madam, check his phone. According to my kundli, he is either sleepy or married.

Night: Extra Vowels

22:54. Mr. Byron: 'helllooo.' The next morning: 'goood morning.'

As his sentences got shorter, his vowels got longer. He was paying for every missing sentence with an extra 'o.'

And then, one morning, Telegram brought me a brand new gentleman.

'Hi,' he wrote. 'Raj here.'

I looked at the name at the top of the chat.

It was not Raj.

To be continued...

rajeshsharma1049@gmail.com



#KAHAN GAYAB HO?

#ILLUSTRATIONS

Art in the Nation's Founding Document

The illustrations were not random decorations. Each image symbolized an important phase of Indian history, culture, and values

The Constitution of India is not only a legal and political document but also a remarkable work of art. The original handwritten Constitution was beautifully decorated with illustrations that represent the cultural and historical journey of India. These illustrations were mainly designed under the guidance of the famous artist Nandalal Bose, with contributions from artists such as Ram Manohar Sinha and artists from Shantiniketan.

These artworks were carefully placed throughout the Constitution to reflect India's heritage, from the ancient Indus Valley civilization to the modern freedom movement.

Artistic Vision Behind the Constitution

The illustrations were not random decorations. Each image symbolized an important phase of Indian history, culture, and values. Nandalal Bose supervised the artistic work and ensured that the artwork represented the spirit of Indian civilization.

The artists used traditional Indian painting styles and motifs. Every illustration complements the text and reminds readers of the long cultural journey that led to the creation of independent India.

Important Illustrations in the Constitution

1. **Page 1 - Harappan Bull**

   The first page of the Constitution contains the image of the Harappan Bull, inspired by the ancient seals of the Indus Valley Civilization. This symbol represents one of the world's earliest urban civilizations, reminding readers that Indian culture has deep and ancient roots.

2. **Page 6 - Ram, Sita, and Lakshman**

   On page 6, there is an illustration of Rama, Sita, and Lakshmana from the epic Ramayana. This scene represents ideals of duty, sacrifice, and righteousness, values that are central to Indian cultural traditions.

3. **Page 63 - Buddha**

   Page 63 features an image of Gautama Buddha, the founder of Buddhism. The depiction of Buddha symbolizes peace, wisdom, compassion, and moral guidance. It highlights the importance of non-violence and ethical living in Indian philosophy.

4. **Page 113 - Nataraja**

   Page 113 contains the famous image of Nataraja, the cosmic dancing form of Shiva. This symbol represents the rhythm of creation, preservation, and destruction in the universe. It also reflects India's deep spiritual and artistic traditions.

5. **Page 160 - Subhas Chandra Bose and INA**

   One of the most powerful illustrations appears on page 160, depicting Subhas Chandra Bose along with the soldiers of the Indian National Army. This image honours the bravery and sacrifice of those who fought for India's independence.

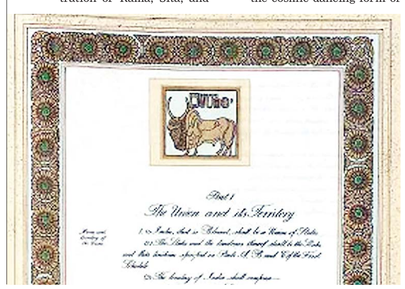
6. **Page 181 - Maritime Trade**

   Page 181 shows a scene of maritime trade, representing India's long history of sea trade with other civilizations. Ancient Indian traders traveled across oceans to places in Southeast Asia and beyond, spreading culture, goods, and ideas.

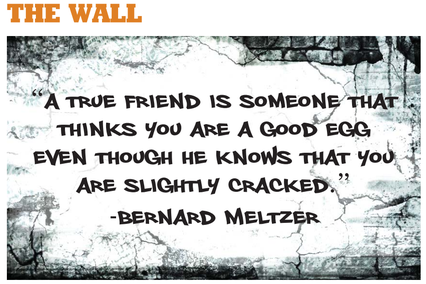
Contribution of the Artists

The artistic work of the Constitution reflects the vision of Nandalal Bose and his students. Another important contributor, Ram Manohar Sinha, also helped in designing and painting several illustrations. Their work ensured that the Constitution visually tells the story of India's cultural evolution.





THE WALL



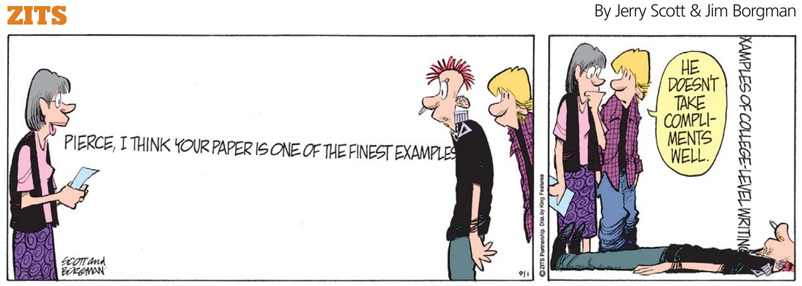
BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott



ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman



ज्वैलरी शॉप में हुई 70 लाख की चोरी का खुलासा, दिल्ली से आरोपियों को पकड़ा

आरोपियों ने फर्जी नम्बर प्लेट का उपयोग कर लग्जरी कार से वारदात की थी

कोटा, (निसं)। ग्रामीण इलाके के सुल्तानपुरा थाना कस्बे में एक ज्वैलर की दुकान का शटर तोड़कर करीब 70 लाख के गहनों से भरी अलमारी को चोरी करने के दर्ज मामले का खुलासा करते हुए सुल्तानपुर पुलिस टीम ने नकबजनी के दो आरोपियों को दिल्ली से डिटेन कर प्रकरण में गिरफ्तार किया है।

ग्रामीण पुलिस टीम मामले में कार्रवाई करते हुए उत्तरप्रदेश व दिल्ली की कुख्यात सलीम नकबजन गैंग के दो बदमाशों को पकड़ा हैं, मामले में मुख्य आरोपी की तलाश जारी है। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि 18 अक्टूबर को फरियादी परमानन्द ने सुल्तानपुर थाने में रिपोर्ट दी। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि उसकी दुकान देव ज्वैलर्स के नाम पर भौंरा चोराहा के पास स्थित है। 17 अक्टूबर को दुकान बंद करके गया था। 18 अक्टूबर को तड़के अज्ञात 4-5 व्यक्ति दुकान के शटर का ताला तोड़कर दुकान के अंदर अलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवरात अलमारी सहित उठाकर ले गये। जिसमे करीब 60 से 70 लाख रुपये के जेवरात व 3-4 लाख नकदी रखी हुई थी। ग्रामीण एसपी ने बताया कि सुल्तानपुर थानाधिकारी दौलत साहू के नेतृत्व में सायबर सेल के सहायक उप निरीक्षक भूपेन्द्र हाड़ा को शामिल कर विशेष टीमों का गठन किया गया।

ग्रामीण एसपी ने बताया कि गठित टीमों ने घटनास्थल एवं आसपास के सीसीटीवी की फुटेज खंगाले, तकनीकी अनुसंधान किया गया। टीम ने सीसीसीटी फुटेज का विश्लेषण करने पर



सुल्तानपुर पुलिस टीम ने ज्वैलरी शॉप में हुई चोरी के दो बदमाशों को दबोचा।

- ज्वैलर की दुकान का शटर तोड़कर करीब 70 लाख के गहनों से भरी अलमारी को चोरी कर ले गये थे

वारदात में संदिग्ध कार का फुटेज के आधार पर पीछा किया तो कार जालिमपुरा 8 लेन टॉल से मुम्बई की और जाना जानकारी में आया। ग्रामीण एसपी ने टीम को आरोपियों की तलाश के लिये गोपालपुरा, चेचट, गरोठ, रतलाम, थांदला म.प्र., बेरच गुजरात की और रवाना किया, परन्तु उक्त नम्बर की कार कहीं से नहीं गुजरी, इस पर संदेह होने पर पुन: कार का मूवमेन्ट चेक किया गया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि गठित टीम ने दिल्ली एवं मुम्बई की और से आने वाले प्रत्येक वाहनों की सूची प्राप्त कर फुटेज देखे जाकर विश्लेषण किया गया। अनुसंधान के बाद टीम के सदस्य कांस्टेबल गौतम पंकज एवं मुकेश कांस्टेबल को सूचना मिली कि एक कार दिल्ली के हिलालपुर टोल से एक्जिट हुई है। सूचना पर संदिग्ध वाहन के बारे में अनुसंधान किया गया तो वाहन दिल्ली निवासी सलीम के नाम रजिस्टर्ड होने पाया गया। वाहन चालक द्वारा टोल पर ऑनलाईन भुगतान सम्बन्धी अनुसंधान किया गया तो इसमें इमरान नाम का व्यक्ति की शामिल होना पाया गया।

आरोपियों की गिरफ्तारी-ग्रामीण एसपी ने बताया कि मामले में अनुसंधान के बाद पुलिस की एक टीम को आरोपियों की गिरफ्तारी के लिये दिल्ली रवाना किया गया। टीम के सदस्यों ने पुरानी दिल्ली स्थित आरोपियों की झुग्गियों में दबिशें दी तो अधिकांश आरोपियों का अस्थाई रुप से निवास करना पाया गया। टीम ने आरोपियों के बारे में स्थानीय मुखबीरो की सूचना पर कार्यवाही करते हुए खजुरी खास करावल नगर उत्तर पूर्व दिल्ली थाना भजनपुरा निवासी आदिल (24) एवं श्रीराम कोलोनी राजीव नगर खजूरी दयालपुर उत्तर पूर्व दिल्ली निवासी आफ्ताब उर्फ बूग्गू (19) को डिटेन कर अनुसंधान के बाद प्रकरण में गिरफ्तार किया।

मामले में आया सामने-ग्रामीण एसपी ने बताया कि मामले में पकड़े गये आरोपियों से पूछताछ व प्रारंभिक अनुसंधान में सलीम जो मूल रुप से बरेली उत्तरप्रदेश का रहने वाला है एवं इमरान जो सोनिया विहार दिल्ली का रहने वाला है के साथ वारदात करता स्वीकार किया है। आरोपी सलीम एवं इमरान के विरुद्ध दिल्ली एवं उत्तरप्रदेश के कई थानों में हत्या, लूट, डकैती, नकबजनी एवं चोरी के दर्जनों मामले दर्ज है। आरोपी सलीम एवं इमरान आपराधिक एवं शातिर प्रवृति के है जो पुलिस की भनक लगते ही फरार हो गये जिनकी विशेष टीमों द्वारा सरगर्मी से तलाश जारी है।

पाटन में रोडवेज बसों का अभाव, यात्रियों की परेशानी बढ़ी

पाटन, (निसं)। कस्बे में रोडवेज बसों की पर्याप्त सुविधा नहीं होने से यात्रियों को आए दिन परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। समय पर सरकारी बसें उपलब्ध नहीं होने के कारण यात्रियों को मजबूरन निजी वाहनों का सहारा लेना पड़ता है। कई बार यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए महंगे किराये पर निजी गाड़ी बुक करवानी पड़ती है।

यात्रियों के अनुसार नीमकाथाना से पाटन आने-जाने वाले लोगों को रात 8 बजे बाद सरकारी बसों के लिए एक से डेढ़ घंटे तक इंतजार करना पड़ता है। वहीं सुबह 6 बजे से पहले कोई रोडवेज बस उपलब्ध नहीं होने के कारण नौकरीपेशा लोगों, विद्यार्थियों और अन्य यात्रियों को नीमकाथाना एवं कोटपूतली जाने के लिए निजी वाहनों पर निर्भर रहना पड़ता है।

पाटन के जागरूक नागरिकों ने इस समस्या को लेकर पूर्व में सीकर, जयपुर और कोटपूतली रोडवेज डिपो के प्रबंधकों को भी अवगत करवाया था, लेकिन इसके बावजूद बसों का संचालन यात्रियों की आवश्यकता के अनुरूप नहीं हो पाया है। लोगों का कहना है कि मुख्यमंत्री और स्थानीय जनप्रतिनिधियों सहित प्रशासनिक अधिकारियों को भी कई बार समस्या से अवगत करवाया जा चुका है, लेकिन अभी तक कोई ठोस समाधान नहीं हुआ। दो नवंबर को मतदान दलों को सुबह करीब 5 बजे फतेहपुर, सीकर, लक्ष्मणगढ़ सहित अन्य स्थानों पर पहुंचना है। ऐसे में संबंधित कर्मचारियों का कहना है कि सुबह के समय रोडवेज बसों की सुविधा नहीं मिलने के कारण उन्हें निजी वाहन बुक करवाकर अपने गंतव्य तक जाना पड़ेगा।

- यात्रियों के अनुसार नीमकाथाना से पाटन आने-जाने वाले लोगों को रात 8 बजे बाद सरकारी बसों के लिए एक से डेढ़ घंटे तक इंतजार करना पड़ता है
- वहीं सुबह 6 बजे से पहले कोई रोडवेज बस उपलब्ध नहीं होने से नौकरीपेशा लोग, विद्यार्थी और अन्य यात्री नीमकाथाना एवं कोटपूतली जाने के लिए निजी वाहनों पर निर्भर
- समय पर सरकारी बसें उपलब्ध नहीं होने के कारण यात्रियों को मजबूरन निजी वाहनों का सहारा लेना पड़ता है

ग्रामीणों एवं यात्रियों ने बताया कि रोडवेज बसों की कमी के कारण आमजन को प्रतिदिन आर्थिक और मानसिक परेशानी झेलनी पड़ रही है। लोगों ने शासन-प्रशासन और रोडवेज विभाग से मांग की है कि सुबह 5 बजे से पहले तथा रात 8 बजे बाद नीमकाथाना और कोटपूतली के लिए नियमित बसों का संचालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि यात्रियों को राहत मिल सके।

आठ माह की बेटी की हत्या के आरोप में पिता गिरफ्तार

करौली, (निसं)। हिण्डौनसिटी में 8 माह की मासूम बच्ची की हत्या के मामले में पुलिस ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। बच्ची की हत्या का आरोप उसके पिता रामदेव जाटव पर लगा है। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने पारिवारिक विवाद के बाद अपनी ही बच्ची को पत्थर पर पटककर मार डाला और खुद को बचाने के लिए अपने सगे भाई के तीन बेटों और उनकी दो पत्नियों के खिलाफ झूठा मुकदमा दर्ज करा दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार, घटना 28 अक्टूबर की सुबह खेड़े का पुरा गांव में हुई थी। रामदेव अपनी 8 माह की बच्ची को अस्पताल लेकर पहुंचा था, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

- आरोपी ने पारिवारिक विवाद के बाद अपनी ही बच्ची को पत्थर पर पटककर मार दिया था
- आरोपी ने अपने ही भाइयों के बेटों और बहुओं पर हत्या का आरोप लगाया था

इसके बाद उसने पुलिस को शिकायत देकर अपने बड़े भाई के बेटों और उनकी पत्नियों पर मारपीट के दौरान बच्ची की हत्या करने का आरोप लगाया था। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि घटना से एक रात पहले रामदेव और उसकी पत्नी रेशमा के बीच विवाद हुआ था। अगले दिन सुबह भी दोनों के बीच कहासुनी हो रही थी। इस दौरान रामदेव के भतीजे रामवीर ने उन्हें झगड़ा करने से रोका था। इसी बात पर रामदेव और रामवीर के बीच विवाद हो गया। पुलिस ने आसपास के लोगों और चश्मदीद गवाहों के बयान के आधार पर शिकायतकर्ता रामदेव की भूमिका संदिग्ध पाई। जांच में बच्ची की हत्या और झूठी शिकायत देने के आरोप प्रमाणित होने पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। मामले में आगे की जांच जारी है। पुलिस अधीक्षक लोकश सोनवाल के निर्देश पर नई मंडी थाना पुलिस की टीम ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया। मामले के खुलासे में हेड कांस्टेबल राजेश कुमार की विशेष भूमिका रही।

मकराना में बंद पड़ी 203 मार्बल खदानों को चालू करवाने की मांग

मकराना, (निसं)। नगर परिषद मकराना के पार्षदों ने क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं और विकास कार्यों को लेकर नागौर सांसद को पत्र भेजकर समाधान की मांग की है। वार्ड संख्या 12 के पार्षद अब्दुल रहीम सिसोदिया ने पत्र लिखकर सांसद से संसद में मकराना की बंद पड़ी 203 मार्बल खदानों का मुद्दा उठाने की मांग की। उन्होंने अवगत कराया कि मकराना अरावली पॉलीगॉन क्षेत्र में शामिल नहीं होने के बावजूद यहां की 203 मार्बल खदानें बंद हैं, जिससे हजारों मजदूरों, कारीगरों, ट्रक-ट्रैक्टर चालकों और व्यापारियों के सामने रोजी-रोटी का गहरा संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने भौगोलिक स्थिति की आधिकारिक जांच करवाने, संसद में आवाज उठाने तथा प्रभावित परिवारों को राहत देकर खदानों को नियमानुसार पुन: शुरू करवाने की पुरजोर मांग की है।

- मार्बल खदानें बंद होने से हजारों मजदूरों, कारीगरों, ट्रक-ट्रैक्टर चालकों और व्यापारियों के सामने रोजी-रोटी का गहरा संकट खड़ा हो गया है

पार्षद अब्दुल रहीम सिसोदिया व नगर परिषद के अन्य पार्षदों ने संयुक्त रूप से राजकीय उप जिला चिकित्सालय, मकराना में आवश्यक सुविधाओं के विस्तार हेतु पत्र प्रेषित किया। उन्होंने बताया कि अस्पताल में हृदय रोग विशेषज्ञ व दंत चिकित्सक की कमी के चलते मरीजों को बड़े शहरों में जाना पड़ता है। उन्होंने अस्पताल में इन दोनों विशेषज्ञों की नियुक्ति, संबंधित आधुनिक चिकित्सा उपकरण उपलब्ध करवाने तथा अस्पताल में दिव्यांग प्रमाण पत्र बनवाने हेतु शिविर आयोजित कराने की मांग रखी।

वार्ड संख्या 23 के पार्षद मोहम्मद इब्राहिम ने सांसद कोष से वार्ड स्थित श्मशान भूमि (कब्रिस्तान/अंत्येष्टि स्थल) के विकास हेतु 10 लाख रुपये की राशि स्वीकृत करने का आग्रह किया है। उन्होंने बताया कि स्थल पर चारदीवारी, मुख्य गेट, टिन शेड, पेयजल व्यवस्था और आंतरिक रास्तों का अभाव होने से नागरिकों को अंतिम संस्कार के दौरान भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस मौके पर एडवोकेट अब्दुल करीम सिसोदिया, हुसैन राठौड़, मोहम्मद आरिफ सिसोदिया, मोहम्मद आखिल, मोहम्मद इरशाद सिसोदिया सहित अन्य मौजूद रहे।

रीठौली को ग्राम पंचायत बनाने की मांग 30 वर्ष से जारी

करौली, (निसं)। करौली जिले में पिछले ढाई दशक से रीठौली के ग्रामीण ग्राम पंचायत बनाने की मांग को लेकर 2020 से लगातार पंचायती राज संस्थाओं के सरपंच, वार्ड पंच के मतदान का बहिष्कार करते चले आ रहे हैं लेकिन प्रशासन और सरकार ने आज तक गंभीरता से नहीं लिया। जिस कारण से ग्रामीण अपने मत का मतदान करने से वंचित रहते चले जा रहे हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि रीठौली को ग्राम पंचायत बनाने की मांग को लेकर 30 वर्ष से लगातार पंचायती राज संस्था के मतदान का बहिष्कार करते चले आ रहे हैं। हालांकि भाजपा सरकार के ग्राम पंचायतों के पुनर्गठन के दौरान उपखंड प्रशासन एवं जिला कलेक्टर ने रीठौली को नवसृजित ग्राम पंचायत के प्रस्ताव मुख्यमंत्री व पंचायती राज विभाग को भिजवाये। मापदंड में रीठौली को नवसृजित ग्राम पंचायत का पैनल में नाम आ गया। लेकिन राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण पैनल से रीठौली को निरस्त करने से ग्रामीणों मे रोष व्याप्त हैं।

30 बर्षो से रीठौली को नवसृजित ग्राम पंचायत बनाने के लिये मतदान का बहिष्कार करते चले आ रहे हैं। एसआईआर मे जोडे नये मतदाता वर्तमान में रीठौली मे 1450 मतदाता हैं। प्रजातांत्रिक व्यवस्था में राज्य का एक मात्र रीठौली गांव ऐसा हैं जो 30 साल से चली आ रही महत्वपूर्ण मांग पूरी नहीं हो पायी। ग्रामीण एकजुट होकर नवसृजित ग्राम पंचायत की मांग को लेकर मतदान का बहिष्कार कर आंदोलन कर रहे है। राज्य सरकार की मनमानी एवं अनदेखी के प्रति ठाामीणों में गहरा रोष हैं। ग्राम पंचायत की 30 साल से लम्बित मांग को लेकर सभी ग्रामीणों ने राज्य सरकार के खिलाफ विरोध प्रर्दशन कर पंचायती राज संस्था जिला परिषद सदस्य, पंचायत समिति सदस्य के मतदान का बहिष्कार किया हैं।

अनुपस्थित मिले प्रधानाचार्य को नोटिस जारी

करौली, (निसं)। उपजिला निर्वाचन अधिकारी अतिरिक्त जिला कलेक्टर जगदीश प्रसाद गौड़ ने ग्राम पंचायत कुड़गांव महमदपुर मंडावरा एवं चैनपुर के मतदान केंद्रों और राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कुड़गांव एवं मंडावरा का निरीक्षण किया, जहां निरीक्षण के दौरान कुड़गांव विद्यालय में 3 बजे छात्र-छात्राओं का अवकाश करना पाया गया एवं मंडावरा विद्यालय की प्रधानाचार्य अनुपस्थित पाई गई जिनको नोटिस जारी किए।

- अतिरिक्त जिला कलेक्टर जगदीश प्रसाद गौड़ ने कई मतदान केंद्रों और विद्यालयों का निरीक्षण किया

उपजिला निर्वाचन अधिकारी अतिरिक्त जिला कलेक्टर जगदीश प्रसाद गौड़ ने बताया कि निरीक्षण के दौरान भाग संख्या 79 पर 32, 80 पर 24, 81 पर 27, 82 पर 30, 77 पर 23, 78 पर 22 22 फॉर्म आना पाया गया, उन्होंने बीएलओ को घर-घर जाकर अधिक से अधिक पात्र मतदाताओं के फॉर्म प्राप्त करने के लिए निर्देशित किया।

खेतड़ी के पपुरना गांव में दौड़ रहे ओवरलोड डंपरों से ग्रामीण परेशान

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी उपखंड के पपुरना गांव में ओवरलोड डंपरों का आतंक ग्रामीणों की जान पर भारी पड़ता नजर आ रहा है। आबादी क्षेत्र की सड़कों पर दिन-रात बेखौफ दौड़ रहे भारी डंपर अब ग्रामीणों के लिए परेशानी ही नहीं, बल्कि गंभीर हादसों का खतरा बन चुके हैं। खनन क्षेत्र से ओवरलोड होकर आने वाले इन डंपरों से सड़क पर पत्थर गिर रहे हैं। हालात यह हैं कि सड़क किनारे बने मकानों की दीवारें तक इन पत्थरों की चपेट में आकर क्षतिग्रस्त हो रही हैं।

जानकारी के अनुसार रविवार को एक बार फिर प्रशासनिक व्यवस्था और ओवरलोड वाहनों की निगरानी पर सवाल खड़े हो गए। खनन क्षेत्र से पपुरना की ओर आ रहे एक ओवरलोड डंपर से रास्ते में पत्थर सड़क पर गिरने लगे। ग्रामीणों ने डंपर चालक को रूकवाकर पत्थर गिरने की जानकारी दी, लेकिन चालक कथित तौर पर उनकी बात को अनसुना कर डंपर लेकर आगे निकल गया। ग्रामीणों के अनुसार, यह कोई पहली घटना नहीं है। महज दो दिन पहले आबादी क्षेत्र से गुजर रहे एक डंपर से पत्थर गिरने के कारण सड़क किनारे बने मकान की दीवार क्षतिग्रस्त हो गई थी। एडवोकेट निरंजन लाल सैनी ने बताया कि पपुरना गांव के आबादी क्षेत्र से बड़ी संख्या में ओवरलोड भारी वाहन गुजरते हैं। इन वाहनों से आए दिन पत्थर गिरने की घटनाएं होती रहती हैं। इससे ग्रामीणों, राहगीरों और मकानों की सुरक्षा पर खतरा मंडरा रहा है। कई बार पत्थर मकानों की दीवारों तक जा गिरते हैं। इसके बावजूद संबंधित विभागों की ओर से ओवरलोडिंग के खिलाफ कोई ठोस कानूनी कार्रवाई नहीं की जा रही। उन्होंने मांग की कि भारी वाहनों के लिए पहले से निर्धारित वैकल्पिक रूट को फिर से प्रभावी किया जाए, ताकि आबादी क्षेत्र को इस खतरे से बचाया जा सके। साथ ही सड़क पर आवश्यक स्थानों पर स्पीड ब्रेकर बनवाए जाएं, जिससे वाहनों की गति नियंत्रित हो सके।

ग्रामीणों का कहना है कि आबादी क्षेत्र से ओवरलोड डंपरों का संचालन बंद करवाने के लिए वे लंबे समय से प्रशासन को अवगत करवा रहे हैं। इसके बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई है। हर दिन भारी वाहनों की आवाजाही के बीच ग्रामीणों को किसी अनहोनी की आशंका सताती रहती है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि प्रशासन शायद किसी बड़े हादसे के बाद ही जागेगा। उनका कहना है कि यदि समय रहते ओवरलोड वाहनों पर रोक नहीं लगाई गई तो किसी दिन बड़ी जनहानि हो सकती है। ग्रामीणों ने दो टूक चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही आबादी क्षेत्र से ओवरलोड डंपरों का संचालन बंद नहीं करवाया गया तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे। घटना की सूचना पर खेतड़ी पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को जल्द कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

अनियंत्रित ट्रोला फायर बिग्रेड से टकराया, आग लगने से दो जनों की मौत

उदयपुर, (निसं)। जिले के ऋषभदेव थाना क्षेत्र में सरियों से भरा ट्रोला अनियंत्रित होकर दूसरी लेन में जा घुसा। हादसे में फायर ब्रिगेड के केबिन में आग लगने से दो व्यक्ति की मौत हो गई तथा दो व्यक्ति घायल हो गए। हादसे से हाईवे जाम हो गया। जिसे पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बचाव एवं राहत कार्य कर खुलवाया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार सवेरे जिले के ऋषभदेव थाना क्षेत्र अहमदाबाद उदयपुर हाईवे ऋषभदवे मयूर मील के समीप अनियंत्रित ट्रोला गलत दिशा में जा घुसा जो फायर ब्रिगेड से जा टकराया। हादसे में फायर बिग्रेड केबिन में आग लग गई। इसकी सूचना मिलने पर पुलिस उप अधीक्षक अर्जुनसिंह राठौड़, ऋषभदेव थानाधिकारी हेमंत अहारी, खेरवाड़ा थानाधिकारी मनमंत आढा, कल्याणपुर थानाधिकारी सोहनलाल मय जाप्ता मौके पर पहुंचे। जहां ग्रामीणों की मदद से मयूर मील से अग्निशमन यत्रं एवं पानी की मदद से आग पर काबू किया इस दौरान एकतरफा यातायात डायर्वजन किया गया। आग पर काबू करने के बाद फायर ब्रिगेड में फंसे हबीब अली (46) पुत्र कश्मीर अली निवासी तेजा अंबालाल हरियाणा, सुनिल कुमार पुत्र रामईश्वर निवासी रविदास मंदिर के पास लोहसिंबली पटियाला पंजाब को बाहर निकाल ऋषभदेव चिकित्सालय मोर्चरी में रखवाया तथा घायल संजीत अली पुत्र जुल्फीकार निवासी कुरूक्षेत्र को बाहर निकाल ऋषभदेव चिकित्सालय में प्राथमिक उपचार के बाद एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया। पुलिस ने परिजनों को सूचना दी है। जिनके आने पर सोमवार को पोस्टमार्टम होगा। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि फायर ब्रिगेड की गाड़ी पुणे से अम्बालाल जा रही थी एवं ट्रोला लोहे के सरिये लेकर उदयपुर से अहमदाबाद की तरफ जा रहा था। जहां बीच रास्ते मयूर मील के समीप अनियंत्रित होकर ट्रोला अहमदाबाद से उदयपुर रोड़ की तरफ चला गया। इसी दौरान फायर ब्रिगेड गाड़ी की ट्रोले से भिड़ंत हो गई जिससे केबिन में आग लग गई थी। हादसे के बाद ट्रोला चालक व फायर बिग्रेड में सवार संजीत अली को उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया है।

- फायर ब्रिगेड की गाड़ी पुणे से अम्बालाल जा रही थी एवं ट्रोला लोहे के सरिये लेकर उदयपुर से अहमदाबाद की तरफ जा रहा था

जेएनवीयू में पेंशनर्स का प्रदर्शन जारी

जयपुर। पेंशनर्स सोसाइटी के तत्वावधान में जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के पेंशनर्स ने 31 वें दिन आज विश्वविद्यालय प्रशासन एवं राज्य सरकार को सद्बुद्धि हेतु सद्बुद्धि यज्ञ का आयोजन किया।

वहाँ उपस्थित लगभग 160 से अधिक पेंशनर्स ने यज्ञ में आहुतियां देते हुए ईश्वर से प्रार्थना की कि विश्वविद्यालय प्रशासन एवं राज्य सरकार को ऐसी सद्बुद्धि दे कि वो हमारी बकाया पेंशन के भुगतान की व्यवस्था करे और पेंशन समस्या का स्थायी समाधान करे। यज्ञ से पूर्व हमेशा की तरह संयोजक अशोक व्यास द्वारा आरती की गई। तत्पश्चात यज्ञ प्रारंभ किया गया। यज्ञ के दौरान ही जोधपुर कृषि विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रोफेसर वीरेंद्र सिंह जैतावत तथा कोटा कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर जब्बर सिंह सोलंकी प्रदर्शन स्थल पर पधारे। सर्व प्रथम अध्यक्ष प्रोफेसर राम निवास शर्मा ने उनका स्वागत करते पेंशन समस्या के समाधान के प्रति उनकी रुचि एवं जिज्ञासा के प्रति आभार जताया।

उत्तर-पश्चिम रेलवे का माल ढुलाई एवं परिचालन में प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा

अक्टूबर माह में माल ढुलाई से उत्तर पश्चिम रेलवे को 342.9 करोड़ रुपये की आय प्राप्त हुई

जयपुर। उत्तर पश्चिम रेलवे ने माह अक्टूबर 2026 में माल परिवहन एवं परिचालन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रदर्शन कर माल ढुलाई, मालभाड़ा आय, जोनल इंटरचेंज, लोको उपयोगिता एवं वैगन परिचालन सहित विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की गई हैं।

उत्तर-पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अमित के अनुसार माल परिवहन को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। राजस्थान के लाइम स्टोन सहित विभिन्न कमोडिटीज को रेल द्वारा देश के अलग-अलग हिस्सों में पहुंचाया जा रहा है। इससे स्थानीय उद्योगों को बेहतर परिवहन सुविधा मिलने के साथ-साथ व्यापारिक गतिविधियों को भी गति मिल रही है। अक्टूबर 2026 में उत्तर पश्चिम रेलवे द्वारा कुल 2.806 मिलियन टन माल ढुलाई किया गया, जो कि निर्धारित लक्ष्य से 2.6 प्रतिशत तथा गत वर्ष के इसी माह की तुलना में 14.9 प्रतिशत अधिक है।

यह अक्टूबर माह में अब तक का सर्वाधिक माल ढुलाई है। इससे पूर्व अक्टूबर 2021 में 2.66 मिलियन टन माल ढुलाई का रिकॉर्ड था। इसके अतिरिक्त, वित्तीय वर्ष 2026-27 में अक्टूबर माह तक कुल माल ढुलाई 19.09 मिलियन टन रहा, जो अब तक का सर्वाधिक माल ढुलाई है। इसने वर्ष 2022-23 में अक्टूबर तक दर्ज 18.7 मिलियन टन के पिछले रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया है।

अक्टूबर माह में माल ढुलाई से उत्तर पश्चिम रेलवे को 342.9 करोड़ रुपये की आय प्राप्त हुई, जो गत वर्ष के इसी माह की तुलना में 14 प्रतिशत अधिक है। यह उपलब्धि माल परिवहन सेवाओं के प्रभावी प्रबंधन एवं बेहतर परिचालन समन्वय को दर्शाती है।

अक्टूबर माह में जोनल इंटरचेंज का औसत 319 ट्रेन प्रतिदिन रहा, जो निर्धारित लक्ष्य से 18.1 प्रतिशत तथा गत वर्ष की तुलना में 13.9 प्रतिशत अधिक है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में अब तक का सर्वाधिक दैनिक इंटरचेंज 8 अक्टूबर 2026 को 354 ट्रेन दर्ज किया गया, जिसमें 173 ट्रेन टेकिंग ओवर तथा 181 ट्रेन हैंडिंग ओवर शामिल हैं। इसी दिन वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर पर भी अब तक का सर्वाधिक 154 ट्रेन का दैनिक इंटरचेंज दर्ज किया गया, जिसमें 75 ट्रेन टेकिंग ओवर तथा 79 ट्रेन हैंडिंग ओवर शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त, अक्टूबर माह में किशनगढ़ बालावास इंटरचेंज के अंतर्गत 1,486 ट्रेन का मासिक रिकॉर्ड दर्ज किया गया, जिसमें 744 ट्रेन टेकिंग ओवर तथा 742 ट्रेन हैंडिंग ओवर शामिल हैं। इसने सितंबर 2026 में दर्ज 1,376 ट्रेन के पिछले रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया।

उत्तर पश्चिम रेलवे द्वारा प्राप्त उपलब्धियां माल परिवहन क्षमता में वृद्धि, संसाधनों के बेहतर उपयोग, वैगनों एवं लोको की उत्पादकता में सुधार तथा विभिन्न विभागों के बीच प्रभावी समन्वय का परिणाम हैं।

कमला देवी कांकरिया हत्याकांड के मुख्य आरोपी की मौका तस्दीक करवाई

भीलवाड़ा, (निसं)। भीलवाड़ा शहर के बहुचर्चित 72 वर्षीय कमला देवी कांकरिया हत्याकांड में पुलिस की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, इस खौफनाक वारदात की परतें एक-एक कर बाहर आ रही हैं। बुजुर्ग महिला की हत्या के बाद साक्ष्य छिपाने के लिए छत की रिपेयरिंग, शव जलाने के लिए लकड़ियों की खरीद और फिर उसी छत पर 40 दोस्तों के साथ पार्टी करने के मामले ने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया है। शनिवार को भीमगंज पुलिस ने मुख्य आरोपित रवि तापड़िया (43) को साथ ले जाकर उन तमाम दुकानों और स्थानों की मौका तस्दीक करवाई, जहां से उसने वारदात के बाद साक्ष्य मिटाने के लिए सामान खरीदा था।

भीमगंज थाना प्रभारी सुनील चौधरी के अनुसार, पुलिस ने शनिवार को मुख्य आरोपित रवि को मीट की दुकान, सीमेंट की शॉप और आरामशीन पर ले जाकर मौका तस्दीक की। आरोपित ने खटीक मोहल्ले से 10 किलो मीट खरीदा था। गायत्री आश्रम क्षेत्र स्थित आरामशीन से शव जलाने के लिए लकड़ियां तथा सुभाषनगर की एक दुकान से छत की रिपेयरिंग के लिए सीमेंट खरीदी गई थी। पुलिस अब आरोपितों से पूछताछ के आधार पर मृतका कमला देवी के गहनों की बरामदगी के प्रयास कर रही है। वहीं, इस मामले में फरार चल रहे एक अन्य आरोपित कालू तापड़िया की तलाश भी लगातार जारी है। पुलिस पड़ताल में सामने आया कि 12 अक्टूबर की रात करीब 8 बजे रवि तापड़िया कमला देवी कांकरिया को आरके कॉलोनी स्थित मकान पर लेकर गया था। वहां उसने कमला देवी से मकान और दुकान अपने नाम करने के लिए कहा। जब कमला देवी ने ऐसा करने से साफ इनकार करते हुए बताया कि वह अपनी संपत्ति पहले ही अपने पोते के नाम कर चुकी हैं, तो दोनों के बीच विवाद बढ़ गया। आरोप है कि इसी दौरान रवि ने तकिए से कमला देवी का मुंह दबाकर उनकी हत्या कर दी। वारदात के वक्त हीरा सिंधी भी वहां मौजूद था। हत्या के बाद आरोपित ने बुजुर्ग महिला के गहने उतारे और शव को मकान की छत पर ले जाकर जला दिया।

- आरोपियों ने कमला देवी का छत पर शव जलाकर उसी मकान में 40 दोस्तों के साथ मीट पार्टी की थी

इस हत्याकांड का सबसे चौंकाने वाला पहलू शव जलाने के बाद की गई मीट पार्टी है। पुलिस के मुताबिक, शव ठिकाने लगाने के बाद रवि तापड़िया ने उसी मकान की छत पर करीब 40 दोस्तों के साथ पार्टी की थी। पार्टी में परोसे गए खाने को लेकर शहर में कई तरह की चर्चाएं और अफवाहें फैल रही थीं। भीमगंज पुलिस ने स्थिति स्पष्ट करते हुए बताया कि पार्टी में कुछ लोगों ने बकरे का मीट खाया था, जबकि कुछ ने दाल-बाटी खाई थी।

इस मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपित रवि तापड़िया, हीरा सिंधी और आर्यन उर्फ चूचा को गिरफ्तार किया है। 19 वर्षीय आरोपित आर्यन उर्फ चूचा की पुलिस रिमांड समाप्त होने पर उसे न्यायिक अभिरक्षा (जेल) भेज दिया गया है। मुख्य आरोपित रवि तापड़िया और हीरा सिंधी 3 नवंबर तक पुलिस रिमांड पर हैं, जिनसे पूछताछ कर हत्या से जुड़े अन्य साक्ष्य और गहने बरामद करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

पंचायत समिति बौंली के मतदान केंद्रों का निरीक्षण

सवाई माधोपुर। राज्य निर्वाचन आयोग, राजस्थान, जयपुर द्वारा पंचायती राज संस्थाओं के आम चुनाव-2026 को निष्पक्ष, स्वतंत्र एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से अतिरिक्त आयुक्त एवं संयुक्त शासन सचिव (प्रथम) पंचायती राज विभाग, राजस्थान, जयपुर ब्रजेश कुमार चांदोलिया को पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव के लिए पर्यवेक्षक चांदोलिया ने रविवार को पंचायत समिति बौंली के मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों का आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान पर्यवेक्षक चांदोलिया का प्रवास स्थल सर्किट हाउस, सवाई माधोपुर रहेगा। चुनाव से संबंधित किसी भी प्रकार की शिकायत अथवा समस्या के लिए आमजन, चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार एवं राजनीतिक दल पर्यवेक्षक से सर्किट हाउस के कमरा नम्बर 110 में संपर्क कर सकते हैं।

गांव का वोटर अब टुकड़ों में बंटकर विकास नहीं चाहता : संजय शर्मा

खैरथल-तिजारा। जिले की नवगठित जिला परिषद के पहले चुनावी रण में सबसे बड़ा धमाका रविवार को बीबीरानी में हुआ। वार्ड नंबर 24 को जिले की सबसे हॉट सीट बनाते हुए भाजपा ने यहां से पूर्व विधायक रामहेत यादव के पुत्र सतीश रामहेत यादव के चुनावी कार्यालय का भव्य उद्घाटन कर चुनावी शंखनाद कर दिया।

राज्य सरकार में वन मंत्री संजय शर्मा ने फीता काटकर कार्यालय का उद्घाटन किया तो हजारों की संख्या में उमड़ी ग्रामीणों की भीड़ ने इस चुनाव को केवल जिला पार्षद का नहीं, बल्कि जिले के पहले जिला प्रमुख का चुनाव बना दिया। मंच पर मंत्री के साथ भाजपा के दिग्गजों की मौजूदगी ने एक ही संदेश दिया खैरथल-तिजारा जिले में पहला जिला प्रमुख भाजपा का ही बनेगा।

रविवार को बीबीरानी में आयोजित इस विशाल सभा में वन मंत्री संजय शर्मा के साथ मुंडावर के पूर्व विधायक मनजीत चौधरी, भाजपा जिला अध्यक्ष महासिंह चौधरी, सरस डेयरी अध्यक्ष नितिन सगवान, वरिष्ठ नेता संजय नरूका, खैरथल नगर परिषद सभापति विक्रम विक्की चौधरी, किशनगढ़ बास नगर पालिका अध्यक्ष विश्वास यादव, कोटकासिम नगर पालिका अध्यक्ष सहित जिले भर के भाजपा नेता मौजूद रहे। नेताओं की यह एकजुटता देखकर राजनीतिक पंडित भी मान रहे हैं कि भाजपा ने वार्ड 24 को प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लिया है।



भाजपा प्रत्याशी सतीश रामहेत यादव के कार्यालय उद्घाटन में वन मंत्री संजय शर्मा सहित नेताओं का बड़ी माला से स्वागत किया।

- खैरथल के 25 के 25 वार्डों में खिलेगा कमल : संजय शर्मा

जिला परिषद के 25 वार्डों में वार्ड 24 पर पूरे जिले की नजर इसलिए टिकी है क्योंकि यहां से चुनाव लड़ रहे सतीश यादव केवल प्रत्याशी नहीं हैं। वे पूर्व विधायक रामहेत यादव के पुत्र हैं और राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि वे केवल जिला पार्षद नहीं, बल्कि भावी जिला प्रमुख के सबसे प्रबल दावेदार हैं। इसलिए इस वार्ड का चुनाव परिणाम तय करेगा कि जिले की सत्ता की चाबी किसके हाथ में होगी।

सभा को संबोधित करते हुए वन मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि गांव का वोटर अब समझदार हो गया है। वह टुकड़ों में बंटकर विकास नहीं चाहता। उन्होंने कहा कि जब दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जयपुर में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार दौड़ रही है, तो गांव को भी ऐसी ही सरकार चाहिए जो बिना किसी ब्रेक और अड़ंगे के विकास की रफ्तार से दौड़ सके।

उन्होंने लोगों से अपील की कि वार्ड 24 में सतीश यादव को ही नहीं, बल्कि जिले के 25 के 25 वार्डों में भाजपा का कमल खिलाकर गांव की सरकार को भी दिल्ली-जयपुर की विकास वाली गाड़ी में बैठाएं। इस दौरान पूर्व विधायक मनजीत चौधरी ने भी कहा कि शहर की तीनों नगर पालिकाओं में जनता ने भाजपा पर भरोसा जताया है, अब गांव की बारी है। अंत में पूर्व विधायक रामहेत यादव और प्रत्याशी सतीश यादव ने गांव-गांव से आए हजारों समर्थकों का आभार व्यक्त किया।

शांतिपूर्ण व भयमुक्त मतदान करवाना पुलिस की प्राथमिकता : एसपी

भरतपुर। पंचायत आम चुनावों को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराने के लिए जिला पुलिस पूरी तरह सतर्क एवं मुस्तैद है। जिला पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार मीना के निर्देशों पर जिलेभर में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने तथा आमजन में सुरक्षा का विश्वास कायम करने के उद्देश्य से व्यापक स्तर पर विशेष पुलिस सुरक्षा अभियान संचालित किया जा रहा है। जिसके तहत जिले के पुलिस अधिकारियों एवं थानाधिकारियों मय जाब्ता द्वारा अपने-अपने क्षेत्र की ग्राम पंचायतों एवं संवेदनशील इलाकों में लगातार फ्लैग मार्च, पैदल गश्त (फुट पेट्रोलिंग) तथा सघन नाकाबंदी की जा रही है।

पुलिस अधिकारियों एवं जवानों की टीमें गांवों में पहुंचकर आमजन से संवाद स्थापित कर रही हैं तथा चुनाव के दौरान शांति एवं सौहार्द बनाए रखने का संदेश दे रही हैं।

- पुलिस अधिकारियों एवं जवानों की टीमें गांवों में पहुंचकर आमजन से संवाद स्थापित कर रही

पंचायत चुनावों की दृष्टि से संवेदनशील एवं अति संवेदनशील मतदान केंद्रों को विशेष निगरानी में रखा गया है। पुलिस अधिकारी स्वयं इन मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे हैं। संबंधित क्षेत्रों की भौगोलिक स्थिति, पहुंच मार्गों एवं कानून व्यवस्था से जुड़े पहलुओं का आकलन कर आवश्यक पुलिस व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं, ताकि मतदान प्रक्रिया के दौरान किसी भी प्रकार की अवांछनीय स्थिति उत्पन्न न हो।

कांग्रेस की प्रचंड बहुमत के साथ होगी जीत : प्रशांत बैरवा

निवाई। जिला परिषद चुनाव 2026 को लेकर कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में बरथल तिराहे के समीप कांग्रेस डीआर प्रत्याशी सुषमा बैरवा के चुनाव कार्यालय का विधिवत समारोह पूर्वक उद्घाटन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व विधायक प्रशांत बैरवा, प्रत्याशी सुषमा बैरवा, चुनाव प्रभारी बत्तीलाल गुर्जर व पूर्व जिला प्रमुख रामविलास चौधरी ने विधिवत गणेशजी की पूजा अर्चना करके कार्यालय का फीता काटकर किया। समारोह में संबोधित करते हुए पूर्व विधायक प्रशांत बैरवा ने कहा कि जिला परिषद के चुनाव में कांग्रेस की प्रचंड महुमत के साथ जीत होगी और कांग्रेस का ही जिला प्रमुख बनेगा। उन्होंने कहा कि पार्टी ने जिसको प्रत्याशी बनाया है। सभी को एकजुट होकर उसे जिताना है। उन्होंने कहा कि हमने करोड़ों रूपयों से शहर सहित ग्रामीण क्षेत्र का चहुमुखी विकास करवाया था। जिनके निर्माण कार्य अभी भी चल रहे है।


कांग्रेस डीआर प्रत्याशी सुषमा बैरवा के चुनाव कार्यालय का फीता काटकर शुभारंभ करते हुए।

पूर्व जिला प्रमुख रामविलास चौधरी ने कहा कि क्षेत्र के समग्र और तीव्र विकास के लिए कांग्रेस को जिताना है। शहर अध्यक्ष सतीश शर्मा ने कहा कि कांग्रेस के मुख्य कार्यालय का शुभारंभ होने के साथ ही पंचायतराज का चुनावी बिगुल बज चुका है, इसलिए प्रत्येक कार्यकर्ता अभी से पूरी ऊर्जा के साथ चुनावी तैयारियों में जुट जाए और कांग्रेस के प्रत्याशियों को जिताएं।

इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष हरिभाई बैरवा, प्रदीप पारीक, चन्द्रकला गुर्जर, राजेश चौधरी, महावीर पराणा, पारस पहाड़ी, प्रवीण माणू, हंसराज गाता, ब्रह्मप्रकाश गुर्जर, सीताराम शर्मा अलियाबाद, सरपंच देवालाल गुर्जर सिंदरा, फूलचंद लांगड़ी, दीपेन्द्र सिंह खंगारोत, कर्मा जाट, सुनिता जैन, पप्पूलाल मीणा, मदन मीणा, राजेश पारीक खंडवा, व घनश्याम मीणा सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

- कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व विधायक प्रशांत बैरवा, प्रत्याशी सुषमा बैरवा, चुनाव प्रभारी बत्तीलाल गुर्जर व पूर्व जिला प्रमुख रामविलास चौधरी ने किया

टोंक में भाजपा ने "लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ" पदयात्रा निकाली

टोंक। भारतीय जनता पार्टी की ओर से रविवार को लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान के तहत पदयात्रा निकाली गई। यह पदयात्रा जिला मुख्यालय स्थित भाजपा जिला कार्यालय से शुरू होकर पटेल सर्किल तक पहुंची। इस पदयात्रा का नेतृत्व जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान ने किया तथा इस दौरान कैबिनेट मंत्री कन्हैया लाल चौधरी सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। इस पदयात्रा से पहले कार्यकर्ताओं की जिला कार्यालय पर बैठक हुई। इसके बाद हाथों में तिरंगा और पार्टी के झंडे लेकर नारेबाजी करते हुए पटेल सर्किल तक मार्च किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह नजर आया।


पदयात्रा जिला मुख्यालय स्थित भाजपा जिला कार्यालय से शुरू होकर पटेल सर्किल तक पहुंची।

- पदयात्रा का नेतृत्व जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान ने किया तथा इस दौरान कैबिनेट मंत्री कन्हैया लाल चौधरी सहित पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए

पदयात्रा को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री कन्हैया लाल चौधरी ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में विरोध और आंदोलन का अधिकार सभी को है, लेकिन संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर सवाल उठाने और उन्हें दबाव में लाने की कोशिशों पर गंभीरता से चर्चा जरूरी है। सरकार बदलने या व्यवस्था में परिवर्तन की मांग करना राजनीतिक अधिकार है और आंदोलन करना लोकतंत्र का हिस्सा है।

हालांकि, इसके साथ संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा का ध्यान रखना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग जैसी संस्थाओं पर बार-बार सवाल उठाकर अनावश्यक दबाव बनाने की कोशिशों का विरोध होना चाहिए। संविधान और लोकतंत्र में विश्वास रखने वाले देशवासी ऐसी गतिविधियों का लोकतांत्रिक तरीके से जवाब देना जानते हैं।

पदयात्रा में पूर्व विधायक अजित सिंह मेहता, जिला महामंत्री विष्णु शर्मा, जिला उपाध्यक्ष शैलेन्द्र चौधरी, रामचंद्र गुर्जर, राजेश शर्मा, रमाकांत शर्मा, प्रधान काबरा, राजेंद्र सैनी, पूर्व प्रधान राम अवतार लांगड़ी, जगदीश गुर्जर, दीपक संगत, प्रहलाद सिंह, ओमप्रकाश पांडे, हरिराम यादव, नीलिमा आमेरा, बीना छामुनिया, राधेश्याम चावला, राजेश मंगल और कमलेश यादव सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पावटा में सड़क की बदहाल स्थिति से ग्रामीणों में आक्रोश

पावटा। क्षेत्र में पावटा से कुनेड सड़क निर्माण कार्य में बरती गई लापरवाही का खामियाजा ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है। कई सालों से अधूरा पड़ा सड़क निर्माण अब लोगों के लिए परेशानी के साथ हादसों का कारण बनता जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि ठेकेदार की लापरवाही के चलते सीसी रोड भी क्षितग्रस्त हो गई है। सड़क जगह-जगह से टूटने और निर्माण कार्य अधूरा रहने के कारण राहगीरों एवं वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों के अनुसार, सड़क निर्माण कार्य लंबे समय से अधर में लटका हुआ है। वहीं, जिस हिस्से में सीसी रोड बनाई गई थी, वह भी क्षितग्रस्त हो चुकी है। सड़क की बदहाल स्थिति के कारण दोपहिया वाहन चालकों के दुर्घटनाग्रस्त होने का खतरा बना रहता है।

ग्रामीणों का कहना है कि कई बार समस्या को लेकर जिम्मेदारों का ध्यान आकर्षित कराया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। ग्रामीणों ने ठेकेदार की कार्यशैली और संबंधित विभाग की निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकारी राशि खर्च होने के बावजूद सड़क की यह स्थिति चिंताजनक है।

अलवर में 'विकसित भारत युवा संवाद' कार्यक्रम आयोजित

अलवर। माय भारत युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में गौरीदेवी महाविद्यालय में 'विकसित भारत युवा संवाद - अपना वोट जानें' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को मतदान के महत्व, लोकतांत्रिक प्रक्रिया और राष्ट्र निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी के प्रति जागरूक करना था। महाविद्यालय की प्राचार्य सत्याभान यादव के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया।

कार्यक्रम में जिला युवा अधिकारी नेहा जादौन ने माय भारत की विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यक्रम के उद्देश्यों की जानकारी दी। उन्होंने युवाओं से लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में जागरूकता और जिम्मेदारी के साथ भागीदारी निभाने का आव्हान किया। यूथ आइकन रिंकी खातून ने अपनी प्रस्तुति के माध्यम से युवाओं को प्रेरित करते हुए व्यक्तिगत प्रयास, सक्रियता और सामाजिक उत्तरदायित्व के महत्व को रेखांकित किया।

इस दौरान विद्यार्थियों ने मतदान, लोकतंत्र, युवा भागीदारी और विकसित भारत के निर्माण से जुड़े विषयों पर अपने सवाल रखे। उन्होंने अनुशासन, निरंतर अभ्यास, परिश्रम और लक्ष्य के प्रति समर्पण को सफलता का आधार बताया।

- कार्यक्रम में लोकतांत्रिक प्रक्रिया, मताधिकार और जिम्मेदार नागरिकता के प्रति जागरूक किया

कार्यक्रम में विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक मूल्यों एवं जिम्मेदार नागरिकता के प्रति जागरूक रहने की शपथ दिलाई गई। साथ ही माय भारत पोर्टल पर पंजीकरण कराने और 'अपना वोट जानें' विषय पर आयोजित ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि युवाओं को अपने मताधिकार के महत्व को समझने के साथ सामाजिक एवं राष्ट्रीय दायित्वों के प्रति भी सजग रहना चाहिए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता तथा युवा मोर्चा संयोजक रजनीश जैमन उपस्थित रहे। माय भारत की ओर से जिला युवा अधिकारी नेहा जादौन सहित महाविद्यालय के एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी प्रो. भागीरथ, प्रो. विजय लक्ष्मी, प्रो. अंजू बाला एवं अन्य संकाय सदस्य मौजूद रहे।

आचार्य ज्ञानभूषण महाराज के अवतरण दिवस पर पिच्छिका परिवर्तन समारोह

नौगांवा। श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर नौगांवा में रविवार को आचार्य श्री 108 ज्ञानभूषण जी मुनिराज के 34वें वर्षायोग एवं 64वें अवतरण दिवस के पावन अवसर पर भव्य पिच्छिका परिवर्तन समारोह एवं भक्ति का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जैन समाज के श्रद्धालुओं, महिलाओं एवं युवाओं ने भाग लिया। धार्मिक अनुष्ठानों और भक्तिमय प्रस्तुतियों से वातावरण धर्ममय हो गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ ध्वजारोहण के साथ हुआ। जिसमें प्रमुख रूप से बाबा ज्ञानचंद जैन, अशोक अगोनिज परिवार, पवन जैन चौधरी व उनकी पत्नी मधु जैन , गुलाब चंद जी मसाले वाले व उनका परिवार शामिल हुआ। इसके बाद मंच उद्घाटन एवं चित्र अनावरण का आयोजन किया गया।

विभिन्न धार्मिक क्रियाओं में समाज के श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर आचार्य श्री के सान्निध्य एवं आशीर्वाद से पिच्छिका परिवर्तन का पावन कार्यक्रम संपन्न हुआ। श्रद्धालुओं ने भक्ति और श्रद्धा के साथ आचार्य श्री के प्रति अपनी भावनाएं व्यक्त कीं।

- नौगांवा में धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों के साथ आचार्य श्री का 34वां वर्षायोग मनाया; संत के सान्निध्य में उमड़ा जैन समाज

समारोह में प्रतिष्ठाचार्य अरविंद जैन शास्त्री (दिल्ली) ने धार्मिक विधि-विधान संपन्न कराए। मंच संचालन कमलेश जैन वसंत (दिल्ली) ने किया। कार्यक्रम में गीतकार प्रियांश जैन (दिल्ली) की उपस्थिति भी रही। दोपहर में आयोजित वात्सल्य भोज में समाजबंधुओं ने एक साथ भोजन किया।

इससे पूर्व शनिवार शाम को गुरु भक्ति एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। आयोजन में आचार्य श्री ने समाजबंधुओं को धर्म, संयम, अहिंसा और आत्मकल्याण के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी।

विराटनगर में कांग्रेस-भाजपा ने झोंकी ताकत, इंद्राज गुर्जर और धनकड़ ने चुनाव प्रचार का मोर्चा संभाला

विराटनगर । पंचायती राज चुनाव को लेकर विराटनगर विधानसभा क्षेत्र में चुनावी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्य पदों के चुनाव में कांग्रेस और भाजपा दोनों ही दलों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। कांग्रेस की ओर से पूर्व विधायक एवं कांग्रेस जिलाध्यक्ष इंद्राज गुर्जर ने विभिन्न गांवों में जनसभाएं कर प्रत्याशियों के समर्थन में मतदान की अपील की, वहीं भाजपा की ओर से विराटनगर विधायक कुलदीप धनकड़ ने भी विधानसभा क्षेत्र के गांवों में जनसंपर्क कर पार्टी प्रत्याशियों के पक्ष में माहौल बनाया।

कांग्रेस के चुनावी अभियान के तहत पूर्व विधायक इंद्राज गुर्जर ने विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में आयोजित जनसभाओं एवं चुनावी कार्यक्रमों में भाग लिया। मैड़-कुंडला पहुंचने पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका फूल-मालाओं से भव्य स्वागत किया। इस दौरान जिला परिषद वार्ड संख्या 17 से कांग्रेस प्रत्याशी अंजू वर्मा, वार्ड संख्या 18 से डॉ. रमा सूद एवं वार्ड संख्या 15 से शीशराम दायमा सहित पंचायत समिति सदस्य पद के प्रत्याशियों के समर्थन में जनसमर्थन जुटाया गया। जनसभाओं में वक्ताओं ने कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों और सुशासन का उल्लेख करते हुए कांग्रेस प्रत्याशियों को विजयी बनाने की अपील की। इंद्राज गुर्जर ने कहा कि जनता के आशीर्वाद और कार्यकर्ताओं की मेहनत से कांग्रेस प्रत्याशी चुनाव में सफलता हासिल करेंगे। इस दौरान विराटनगर नगरपालिका चेयरमैन देशराज सैनी सहित पार्टी पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। इधर, भाजपा की ओर से विराटनगर विधायक कुलदीप धनकड़ ने भी चुनाव प्रचार की कमान संभालते हुए विधानसभा क्षेत्र के रामपुरा खुर्द, कैरली, बनीपार्क, बागावास अहिरान, भगतपुरा (जलेबी चौक), जयसिंहपुरा, बहादुरपुरा, सूरजपुरा, खरबूजी, रघुनाथपुरा, देवली, बादशाहपुर, पापड़ा, कुहाड़ा, मनफर, इस्माइलपुर, महांसिंह का बास एवं छितौली सहित विभिन्न गांवों में जनसंपर्क और चुनावी कार्यक्रमों में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में ग्रामीणों से संवाद कर उन्हें विजयी बनाने की अपील की। विधायक ने कहा कि क्षेत्र का विकास और आमजन की सेवा भाजपा का संकल्प है।


पार्टी कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से नेताओं का स्वागत किया।

- कांग्रेस प्रत्याशियों के समर्थन में पूर्व विधायक इंद्राज गुर्जर ने की जनसभाएं, भाजपा प्रत्याशियों के लिए विधायक कुलदीप धनकड़ ने गांव-गांव जनसंपर्क किया

सार-समाचार

फुलेरा में जांगिड़ ब्राह्मण महासभा की कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह



फुलेरा। अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा की तहसील सभा फुलेरा की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह रविवार को आकाश्या टीबा स्थित श्री विश्वकर्मा मंदिर में आयोजित हुआ। जिला अध्यक्ष मुकेश झाझवाड़ की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में पूर्व विधायक निर्मल कुमावत मुख्य अतिथि रहे। वहीं लखन लाल गोगोरिया एवं नंद लाल खंडेला विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह में नगर पालिका अध्यक्ष राजू दाधीच एवं गजेंद्र सिंह शेखावत ने भी शिरकत की। कार्यक्रम की शुरुआत आराध्य देव भगवान श्री विश्वकर्मा की आरती के साथ हुई। इसके बाद नवनिर्वाचित तहसील अध्यक्ष मूलचंद पेड़वाल ने अतिथियों का माला, साफा एवं दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर भंवर लाल कासलीवाल, यादराम कोतुकथलिया, शेष नारायण, शंकर लाल बारू, घनश्याम हर्षवाल, मोहन लाल बूंदवाल, सी.पी. त्रिपाठी, राजेंद्र लावंडिवाल, गोपाल पेड़वाल, भंवर लाल जायलवाल, चतुर्भुज हरसोलिया, कृष्णकांता जाला, कैलाश चंद देहमन, बजरंग लाल मीषण, नीता जांगिड़, मीना जांगिड़, संतोष धामा, संगीता धामा, लीला देवी मंडपिया, सूर्यकांता जांगिड़, दुर्गा देवी एवं पद्मा देवी सहित अनेक समाजबंधु उपस्थित रहे, कार्यक्रम का मंच संचालन प्रेम प्रकाश जाला ने किया।

पीएनबी रिटायरीज एसोसिएशन का चतुर्थ त्रिवार्षिक अधिवेशन आयोजित



अलवर। पंजाब नेशनल बैंक रिटायरीज एसोसिएशन, अलवर का चतुर्थ त्रिवार्षिक अधिवेशन ऑर्किड गार्डन में आयोजित किया गया। अधिवेशन में संगठन के 125 सदस्यों ने भाग लिया। इस दौरान संगठन की पिछली अवधि के कार्यों का लेखा-जोखा प्रस्तुत करने के साथ नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। अधिवेशन का उद्घाटन एआईपीएनबीआरएफ के महासचिव मित्र वशु ने किया। उन्होंने सेवानिवृत्त बैंककर्मियों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर 80 वर्ष से अधिक आयु के पांच सुपर सीनियर सदस्यों का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम में पीएनबी के अलवर मंडल प्रमुख श्वेतांक कुमार ने बैंकिंग सेवाओं में हो रहे नवाचारों की जानकारी दी। उन्होंने बैंक की प्रगति में सेवानिवृत्त कर्मचारियों के योगदान की सराहना करते हुए बताया कि अलवर मंडल ने पिछले वित्त वर्ष की तुलना में सभी प्रमुख पैरामीटर्स पर उल्लेखनीय प्रगति की है। कार्यक्रम में पिछले अधिवेशन के बाद दिवंगत प्रमुख राष्ट्रीय हस्तियों, संगठन के सदस्यों एवं अन्य साथियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम का संचालन सेवानिवृत्त वरिष्ठ प्रबंधक हेतराम शर्मा ने किया। अंत में जीएल मीणा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। राष्ट्रगान के साथ अधिवेशन का समापन हुआ।

लोधी समाज ने अधिकारी लोकेश लिल्हारे का स्वागत किया



जयपुर। लोधी समाज संस्था जयपुर मैं आयोजित स्वागत समारोह में आज स्टेशन रोड स्थित एक निजी होटल में समाज के प्रतिष्ठित लोकेश लिल्हारे जी, जीएसटी आयुक्त, भोपाल एवं मुख्य मार्गदर्शक अखिल भारतीय लोधा लोधी अधिकारी कर्मचारी संघ (आलोक) जयपुर पधारे। समाज के प्रबुद्धजनों ने उनका स्वागत सत्कार किया। इस अवसर पर लोकेश जी नेउन्होंने समाज को संबोधित करते हुए कहा कि आज समाज में शिक्षा की अत्यंत आवश्यकता है उन्होंने सामाजिक एकता समरसता पर जोर दिया, उन्होंने प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का मार्गदर्शन किया एवं उन्हें सलाह दी की एक शिक्षित व्यक्ति अपना ही नहीं अपितु संपूर्ण समाज का विकास करता है इस अवसर पर लोधी समाज संस्था जयपुर के अध्यक्ष राकेश आर्य, आलोक संघ जयपुर के अध्यक्ष राजेश पथरिया, अखिल भारतीय लोधा लोधी समाज के उपाध्यक्ष बाबूलाल पथरिया, सचिव रामचंद्र पथरिया, सह कोषाध्यक्ष प्रेम सिंह, एडवोकेट विक्रम, गोविंद सिंह, अमर सिंह, राम अवतार सिंह, भरतपुर धौलपुर से पधारे श्याम सिंह नवल सिंह कमल सिंह जितेंद्र , महिला अध्यक्ष सीता देवी समाज की प्रथम एलाइड सेवा में चयनित सुप्रवेश कुमारी आयकर विभाग में ऑफिस सुपरीटेंडेंट अक्षत पथरिया सहित अन्य प्रबुद्ध जनों ने उनका भाव भिना स्वागत किया।

हेमलता बनी प्रदेश सचिव

निवाई। कांग्रेस प्रियंका गांधी संगठन ऑल इंडिया के प्रदेशाध्यक्ष रामप्रसाद परीड़वाल व राष्ट्रीय अध्यक्ष कमलजीत सिंह ने शीर्ष नेतृत्व के निर्देशानुसार कार्यकारणी का विस्तार करते हुए कार्यकारणी में हेमलता देवी को प्रदेश सचिव के पद पर मनोनीत किया है। इस दौरान नवनियुक्त जिलाध्यक्ष व प्रदेश उपाध्यक्ष ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सचिन पायलट, प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, टीकाराम जूली, राजेंद्रपाल गौतम, ममता भूपेश, बाबूलाल नागर, विधायक इन्द्रा मीणा, पूर्व विधायक प्रशांत बैरवा, पुष्पेंद्र भारद्वाज व बाबूलाल सांखला का आभार व्यक्त करते हुए संगठन में सक्रिय भूमिका निभाने का आश्वासन दिया।



मनोहरपुर में ब्राह्मण पार्षदों का सम्मान

मनोहरपुर । ब्राह्मण धर्मशाला मे ब्राह्मण समाज अध्यक्ष गौरीशंकर हरितवाल और समस्त कार्यकारिणी द्वारा नगर पालिका मनोहरपुर में विजयी ब्राह्मण पार्षद गणों का सम्मान किया गया। समाज सेवी मनीष हरितवाल ने बताया कि कार्यक्रम में मनोहरपुर नगर पालिका के नवनिर्वाचित पार्षद पंकज मिश्रा धर्मेंद्र व्यास बसंत पंच और सरिता विनय लाटा का स्वागत किया गया।। इस समारोह में ब्राह्मण समाज के पूर्व अध्यक्ष सुरेंद्र जी व्यास वर्तमान उपाध्यक्ष शंभू दयाल शर्मा शशि बुधरिका, अविनाश लाटा, अशोक व्यास, एडवोकेट सुनील शुक्ला समेत सभी कार्यकारिणी सदस्य और ब्राह्मण समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

रक्तदान शिविर कल

सवाई माधोपुर। सवाईमाधोपुर के विधायक एवं कैबिनेट मंत्री डॉ किरोड़ीलाल मीणा के जन्मदिन 3 नवंबर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया जायेगा। यह आयोजन सामान्य चिकत्सालय में आयोजित किया जायेगा। जन्मदिन के अवसर पर सवाई माधोपुर जिले के युवाओं एवं आमजन द्वारा सामाजिक सरोकार के तहत रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाता है। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध करवाना तथा आमजन को रक्तदान के प्रति जागरूक करना है।

नकली घी के कारोबार पर क्राइम ब्रांच का छापा, तीन गिरफ्तार

दो फर्मों से 22,138 लीटर घी जब्त, इसकी बाजार कीमत 1.60 करोड़ रुपए है

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। दीपावली से पहले आमजन की सेहत से खिलवाड़ कर बाजार में नकली और मिलावटी घी खपाने के कारोबार का सीआईडी क्राइम ब्रांच ने खुलासा किया है। श्रीगंगानगर में दो अलग-अलग फर्मों पर छापेमारी कर पुलिस ने कुल 22,138 लीटर नकली एवं संदिग्ध घी जब्त किया है। इसकी अनुमानित बाजार कीमत करीब 1.60 करोड़ रुपए बताई गई है। कार्रवाई में तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने के साथ नकली घी की बिक्री से प्राप्त 3.50 लाख रुपए और चार मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं।

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि गुजरात के सूरत से पाम ऑयल और वनस्पति मंगवाकर उसमें रसायन मिलाकर नकली घी तैयार किया जा रहा था। इसके अलावा एक्सपायरी घी के पुराने रैपर हटाकर नए स्टीकर और पैकिंग लगाई जाती थी। इसके बाद इसे शुद्ध देशी गाय का घी बताकर कम दामों में बाजार में बेचा जा रहा था।



सीआईडी क्राइम ब्रांच ने श्रीगंगानगर में दो अलग-अलग फर्मों पर छापेमारी कर नकली घी बनाने वाले आरोपियों को गिरफ्तार किया।

- पुलिस जांच में सामने आया कि, सूरत से पाम ऑयल और वनस्पति मंगवाकर उसमें रसायन मिलाकर नकली घी तैयार किया जा रहा था। एक्सपायरी घी के पुराने रैपर हटाकर भी नए स्टीकर और पैकिंग लगाई जाती थी।
- क्राइम ब्रांच ने आरोपियों के कब्जे से बिक्री के 3.50 लाख रुपए भी जब्त किए

अनन्या ट्रेडिंग कम्पनी से 16394 लीटर घी बरामद

प्रदेश में चलाए जा रहे शुद्ध आहार-मिलावट पर वार अभियान के तहत अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (अपराध शाखा) बिपिन कुमार पाण्डेय के निर्देशन में कार्रवाई की गई। महानिरीक्षक के.बी. वंदना और उपमहानिरीक्षक प्रहलाद कृष्णियां के सुपरविजन में उपनिरीक्षक शैलेन्द्र शर्मा के नेतृत्व में टीम ने आसूचना जुटाई। हेड कांस्टेबल बृजेश शर्मा को सूचना मिली थी कि श्रीगंगानगर में नकली घी तैयार कर विभिन्न क्षेत्रों में सप्लाई किया जा रहा है।

सूचना के सत्यापन के बाद सीआईडी क्राइम ब्रांच ने श्रीगंगानगर पुलिस अधीक्षक हरिशंकर यादव और पुलिस उपाधीक्षक नितिन चौधरी से समन्वय कर सदर थाना पुलिस, जिला विशेष टीम और खाद्य सुरक्षा विभाग के साथ संयुक्त कार्रवाई की।

पहली छापेमारी चौधरी कॉम्पलेक्स स्थित अनन्या ट्रेडिंग कम्पनी के गोदाम और फैक्ट्री पर की गई। यहां राम तायल (26), मुकेश कुमार (24), निवासी जवाहर नगर और विकास कुमार (42), निवासी लालगढ़ जाटान मिले।

पूछताछ में राम तायल ने बताया कि उसकी पत्नी के नाम से कम्पनी संचालित है और करीब छह महीने से गोदाम किराये पर लेकर कारोबार किया जा रहा था।

चार ब्रांड के नाम से हो रही थी पैकिंग

गोदाम में त्रिसल्वा, बांसुरी, श्रीनंद और मायरा ब्रांड के नाम से पैक घी के टीन और कार्टन मिले। इनके अलावा बिना लेबल वाले टीन और एक्सपायरी घी भी बरामद हुआ। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने मौके पर नमूने लिए। बरामद घी में त्रिसल्वा ब्रांड के 3,558 लीटर, बांसुरी के 6275 लीटर, श्रीनंद के 5586 लीटर और मायरा के 90 लीटर घी के साथ बिना लेबल वाले 390 लीटर तथा एक्सपायरी बांसुरी ब्रांड के 495 लीटर घी शामिल हैं।

इस तरह यहां से कुल 16,394 लीटर घी जब्त किया गया। पैकिंग पर निर्माण तिथि 1 नवम्बर 2026 और समाप्ति तिथि 31 जुलाई 2027 अंकित थी।

गोदाम में पैकिंग मशीन, गैस भट्टी, सिलेंडर, करीब 60 से 70 लीटर क्षमता का बर्तन, विभिन्न ब्रांड के रैपर, स्टीकर, खाली कार्टन और डिब्बे भी मिले। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि डीलरों से लौटने वाले खराब और एक्सपायरी माल के पुराने रैपर हटाकर नए स्टीकर व रैपर लगाए जाते थे। इसके बाद माल को दोबारा बाजार में भेज दिया जाता था।

सूरत से मंगवाते थे पाम ऑयल और वनस्पति

प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि राम तायल गुजरात की देवकुंज मिल्क प्रोडक्ट प्राइवेट लिमिटेड से पाम ऑयल और वनस्पति मंगवाता था। कम्पनी के प्रतिनिधियों और कर्मचारियों से मोबाइल के जरिए संपर्क किया जाता था।

माल की खरीद कुछ बिल के जरिए और कुछ बिना बिल के होने की बात भी सामने आई है। तैयार माल की सप्लाई श्रीगंगानगर के डीलर मुकेश कुमार डालमिया की जे.बी. ट्रेडिंग कम्पनी सहित अन्य डीलरों को की जाती थी। राम तायल और मुकेश कुमार ने सप्लाई एवं विपणन के लिए विकास कुमार को भी साथ रखा था, जिसे प्रति लीटर कमीशन दिया जाता था।

पुलिस ने राम तायल के कब्जे से घी की बिक्री के 3.50 लाख रुपए बरामद किए। तीनों आरोपियों के पास से चार मोबाइल फोन जब्त किए गए। गोदाम में रखे घी की बड़ी मात्रा को देखते हुए उसे मौके पर सुरक्षित रखकर शटर पर ताला लगाकर सील कर दिया गया। वहां खड़ी मारुति वैन को भी घी के परिवहन में इस्तेमाल किया जाना बताया गया है।

न्यू विजय ट्रेडिंग कम्पनी से 5744 लीटर संदिग्ध घी जब्त

दूसरी कार्रवाई सूरतगढ़ बाईपास स्थित न्यू विजय ट्रेडिंग कम्पनी पर की गई। यहां से 5,744 लीटर संदिग्ध घी बरामद हुआ। खाद्य सुरक्षा विभाग ने घी के नमूने लेकर जांच के लिए भेजे हैं। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। दोनों फर्मों से जब्त घी की कुल मात्रा 22,138 लीटर है।

अन्य गोदामों और फर्मों पर भी जांच

कार्रवाई में सीआईडी क्राइम ब्रांच के उपनिरीक्षक शैलेन्द्र शर्मा, सहायक उपनिरीक्षक दुष्यंत सिंह, हेड कांस्टेबल कृष्ण गोपाल और बृजेश कुमार शर्मा की विशेष भूमिका रही।

स्थानीय पुलिस की ओर से सदर थानाधिकारी सुभाष चन्द्र, उपनिरीक्षक रामपाल, हेड कांस्टेबल मनफूल और कांस्टेबल कैलाशचन्द्र शामिल रहे। जिला विशेष टीम के उपनिरीक्षक जयकुमार भादू, सहायक उपनिरीक्षक सुरेन्द्र जियानी सहित अन्य पुलिसकर्मियों ने भी सहयोग किया। सीआईडी क्राइम ब्रांच के अनुसार मामले में अन्य गोदामों और फर्मों पर भी कार्रवाई जारी है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि नकली और संदिग्ध घी की सप्लाई किन-किन क्षेत्रों में की गई और इस कारोबार से जुड़े अन्य लोग कौन हैं।

साइक्लोथॉन से दिया स्वच्छ और हरित राजस्थान का संदेश

जयपुर। पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छ वायु और सतत जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रविवार को जयपुर में 'ब्रिक्स सस्टेनेबल लाइफस्टाइल वीक' के शुभारंभ पर 'साइक्लोथॉन फॉर ऑल' का आयोजन किया गया। राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल, पर्यावरण विभाग और इंटरनेशनल सोसायटी फॉर लाइफ साइंसेज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं, साइकिल प्रेमियों और पर्यावरण जागरूक नागरिकों ने भाग लिया।

- मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने दिखाई हरी झंडी
- पर्यावरण विभाग की सचिव शैलजा देवल ने प्रतिभागियों को बांटे प्रमाण-पत्र

मुख्य अतिथि मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने साइक्लोथॉन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर वन एवं पर्यावरण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद कुमार, पर्यावरण विभाग की सचिव शैलजा देवल और राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के सदस्य सचिव कपिल चंद्रवाल सहित वरिष्ठ अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक नागरिक का सामूहिक दायित्व है। साइकिल चलाना केवल परिवहन का विकल्प नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली, स्वच्छ वायु और पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। दैनिक जीवन में पर्यावरण अनुकूल विकल्प अपनाकर ऊर्जा संरक्षण और प्रदूषण कम करने में योगदान दिया जा सकता है। अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद कुमार ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए जनभागीदारी और व्यवहार परिवर्तन जरूरी है। प्रत्येक नागरिक को प्रकृति एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए अपनी दिनचर्या में पर्यावरण अनुकूल आदतें शामिल करनी चाहिए।पर्यावरण विभाग की सचिव शैलजा देवल ने कहा कि साइकिल जैसे सरल विकल्प वायु प्रदूषण कम करने के साथ स्वस्थ समाज के निर्माण में भी सहायक हैं। विभिन्न आयु वर्गों की भागीदारी पर्यावरण संरक्षण के प्रति बढ़ती जनचेतना का प्रमाण है। उन्होंने प्रतिभागियों को इस आयोजन का संदेश दैनिक जीवन में अपनाने और दूसरों को भी प्रेरित करने का आव्हान किया। साइक्लोथॉन राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल परिसर से शुरू होकर मालवीय नगर स्थित एपेक्स सर्किल होते हुए नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे मुख्यालय तक आयोजित हुई। प्रतिभागियों ने साइकिल चलाकर स्वच्छ, हरित और स्वस्थ राजस्थान का संदेश दिया।



मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने रविवार को साइक्लोथॉन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और खुद भी साईकिल चलाई।

जयपुर डेयरी बेचेगी 100 टन मिठाइयां

जयपुर। दीपावली पर मिठाइयों की मांग को देखते हुए जयपुर डेयरी ने इस बार 100 टन मिठाइयों की बिक्री का लक्ष्य रखा है। पिछले साल डेयरी ने 33 टन मिठाइयां बेची थीं। इस बार उपभोक्ताओं के लिए सरस घी से तैयार काजू कतली और बूंदी के लड्डू भी बाजार में उतारे गए हैं। ये मिठाइयां शहर के प्रमुख सरस बूथों और पार्लरों पर उपलब्ध रहेंगी। जयपुर जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ के प्रबंध संचालक मनीष फौजदार ने बताया कि उपभोक्ताओं को उचित कीमत पर शुद्ध और गुणवत्तायुक्त मिठाइयां उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह विशेष रेंज तैयार की गई है।

लोकतंत्र की हत्यारी कांग्रेस अब लोकतंत्र बचाने की नौटंकी कर रही : चतुर्वेदी

जयपुर (कासं)। भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एवं राजस्थान वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरुण चतुर्वेदी ने कांग्रेस की दिल्ली रैली पर निशाना साधते हुए कहा कि लोकतंत्र की हत्या करने वाली कांग्रेस आज लोकतंत्र बचाने की नौटंकी कर रही है। कांग्रेस के पास कोई मुद्दा नहीं है और वह निराशाजनक माहौल बनाने के लिए बेबुनियाद मुद्दे खड़े कर रही है।

चतुर्वेदी ने कहा कि राहुल गांधी 2024 के चुनावों को अवैध बताकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा मांग रहे हैं, जबकि ज्ञानेश कुमार 2025 में मुख्य चुनाव आयुक्त बने थे। राहुल गांधी स्वयं 2024 के चुनाव के आधार पर नेता प्रतिपक्ष बने हैं। यदि चुनाव अवैध हैं तो राहुल गांधी और उनके साथी सांसद भी इसी आधार पर अवैध रूप से सांसद बने हुए हैं। उन्होंने सवाल किया कि एसआईआर के बाद जिन राज्यों में कांग्रेस की सरकारें बनी हैं, क्या वे भी इस्तीफा देंगी?उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा का दावा करने वाली कांग्रेस को पहले अपने इतिहास का जवाब देना चाहिए। आपातकाल लगाकर तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन किया था। अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी सहित विपक्षी नेताओं को जेल में डाला गया और प्रेस पर सेंसरशिप लागू की गई।

शिक्षा, कौशल और आत्मनिर्भरता से सशक्त हो रहा कायमखानी समाज: मुख्यमंत्री

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विकसित राजस्थान के निर्माण में हर समाज की भागीदारी जरूरी है। युवा सोच, वरिष्ठजनों का अनुभव और मातृशक्ति की सहभागिता विकास की नई राह प्रशस्त कर सकती है। बेटियों की शिक्षा और सशक्तीकरण से परिवार, समाज और राष्ट्र की नींव मजबूत होती है। मुख्यमंत्री रविवार को कायमखानी समाज के प्रतिनिधियों से संवाद कर रहे थे। इस दौरान समाज के प्रतिनिधियों ने जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के संकल्प के अनुरूप राज्य सरकार प्रत्येक वर्ग तक शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कौशल विकास और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ पहुंचा रही है। उन्होंने समाज के प्रबुद्धजनों से सामाजिक कुरीतियां दूर करने और जरूरतमंद परिवारों तक सरकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाने में सहयोग करने का आव्हान किया।



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को कायमखानी समाज के प्रतिनिधियों से संवाद किया।

गांवों में बन रहे अटल ज्ञान केंद्र

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण युवाओं को पुस्तकालय, ई-पुस्तकालय, ई-मित्र और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की सुविधाएं गांवों में ही उपलब्ध कराने के लिए अटल ज्ञान केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार पारदर्शिता के साथ भर्ती परीक्षाएं आयोजित कर रही है और युवा मेहनत से अपने सपनों को साकार करें। उन्होंने बताया कि छात्रावासों एवं आवासीय विद्यालयों के विद्यार्थियों का भोजन भत्ता 2500 से बढ़ाकर 3250 रुपये प्रतिमाह किया गया है। करीब 26 हजार से अधिक जरूरतमंद विद्यार्थियों को 17 करोड़ 16 लाख रुपये की छात्रवृत्ति दी गई है। मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना में 4786 अभ्यर्थियों को कोचिंग सुविधा मिली है। प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम के तहत लगभग 100 करोड़ रुपये के विकास कार्य करवाए गए हैं।

शेखावाटी को मिलेगा यमुना जल

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में जल उपलब्धता के लिए 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक के कार्य हाथ में लिए गए हैं। रामजल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल और किशाऊ समझौते को धरातल पर उतारा जा रहा है। शेखावाटी की ऐतिहासिक हवेलियों के संरक्षण के साथ उन्हें पर्यटन से जोड़ा जाएगा। प्रदेश के 9 ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे में से 3 शेखावाटी क्षेत्र से जुड़ेंगे। क्षेत्र में हवाई संपर्क सुविधा विकसित करने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है।

पूर्व सैनिकों और युवाओं का हित

मुख्यमंत्री ने बताया कि द्वितीय विश्व युद्ध के गैर-पेंशनर सैनिकों की आर्थिक सहायता 10 हजार से बढ़ाकर 15 हजार रुपये प्रतिमाह की गई है, जिससे 891 परिवार लाभान्वित हुए हैं। 450 से अधिक आश्रितों को सरकारी नौकरी दी गई है तथा वीरांगनाओं को 1 हजार बीघा से अधिक कृषि भूमि और फ्लैट आवंटित किए गए हैं। सैनिकों के मानदेय में लगातार दो वर्षों तक 10-10 प्रतिशत वृद्धि की गई है। नए जिलों में सैनिक कल्याण कार्यालय खोलने के साथ 400 से अधिक शिविरों में पेंशन संबंधी प्रकरणों का समाधान किया गया है।उन्होंने कहा कि सरकार ने 410 से अधिक भर्ती परीक्षाएं बिना पेपर लीक के आयोजित करवाई हैं। इनके माध्यम से 1 लाख 93 हजार से अधिक पदों पर नियुक्तियां दी जा चुकी हैं, जबकि 1 लाख 18 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रिया जारी है। 3 लाख 70 हजार युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया गया है। छात्राओं को 13 लाख 85 हजार साइकिलें और 46 हजार स्कूटियां वितरित की गई हैं।

- युवाओं के सपनों को साकार कर रही डबल इंजन सरकार : भजनलाल शर्मा
- मुख्यमंत्री ने कहा कि "शेखावाटी की हवेलियों का संरक्षण होगा और क्षेत्र में यमुना का पानी आएगा"

किसान-महिलाओं के सशक्तीकरण पर जोर

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के 6 हजार रुपये के साथ राज्य सरकार 3 हजार रुपये अतिरिक्त दे रही है। इस तरह किसानों को सालाना 9 हजार रुपये मिल रहे हैं। अब तक 76 लाख से अधिक किसानों को 15 हजार 735 करोड़ रुपये से अधिक की राशि हस्तांतरित की गई है। किसानों को तारबंदी, डिग्गी निर्माण, पीएम-कुसुम और ग्रीन हाउस के लिए अनुदान दिया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन बढ़ाकर 1,450 रुपये प्रतिमाह की गई है। मां वाउचर योजना के तहत गर्भवती महिलाओं के लिए 5 लाख 74 हजार नि:शुल्क सोनोग्राफी कूपन जारी किए गए हैं। लाडो प्रोत्साहन योजना में बालिका के जन्म पर डेढ़ लाख रुपये का बचत बॉण्ड दिया जा रहा है। प्रदेश में 20 लाख महिलाओं को लखपति दीदी बनाया गया है।

त्योहारों पर जयपुर जंक्शन पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

जयपुर। त्योहारों के दौरान जयपुर जंक्शन पर यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन के विशेष इंतजाम किए हैं। स्टेशन पर रोलिंग क्राउड मैनेजमेंट प्लान लागू किया जा रहा है। इसके तहत यात्रियों की आवाजाही को व्यवस्थित रखने के लिए होल्डिंग एरिया बनाया जा रहा है, जहां से यात्रियों को चरणबद्ध तरीके से प्लेटफॉर्म पर प्रवेश दिया जाएगा।

यात्रियों की सुगम आवाजाही के लिए जयपुर स्टेशन के नवनिर्मित द्वितीय द्वार (हसनपुरा साइड) पर तैयार निकास मार्ग को 4 से 16 नवंबर तक अस्थायी रूप से केवल यात्रियों के बाहर निकलने के लिए संचालित किया जाएगा। इस व्यवस्था से मुख्य द्वार पर निकास का दबाव कम होगा और स्टेशन परिसर में भीड़ को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। हालांकि, द्वितीय द्वार के भवन में शेष कार्य जारी होने के कारण फिलहाल यहां से यात्रियों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। यात्री प्रवेश के लिए भगवान परशुराम सर्किल की ओर स्थित मुख्य द्वार का ही उपयोग कर सकेंगे। उल्लेखनीय है कि जयपुर स्टेशन के द्वितीय द्वार का पुनर्विकास कार्य अंतिम चरण में है। रेलवे प्रशासन ने स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की है। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के कंट्रोल रूम से स्टेशन परिसर पर लगातार निगरानी रखी जाएगी। वहीं, स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से यात्रियों की आवाजाही और भीड़ की स्थिति पर नजर रखी जाएगी।

खोया पाया

मेरे मकान संख्या 70/99 प्रताप नगर सांगानेर का मूल आवंटन पत्र, कब्जा पत्र, अदेय प्रमाण पत्र, परिपचुअल लीज, कन्वेन्स डीड, मुख्त्यारनामा, विक्रय पत्र खो गया है किसी को मिले तो सूचित करें। सुनील पारीक

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जरीना बेगम पत्नी सुल्तान खां, निवासी वार्ड नं. 17, मोहल्ला नागोरियान, चाकसू, जिला जयपुर, ने पंचवटी स्कीम, चाकसू स्थित प्लॉट नं. 78/140 श्रीमती सुशीला देवी मित्तल पत्नी रमेश मित्तल से खरीदा था। उक्त प्लॉट की मूल रसीद चाकसू बस स्टैंड के आसपास कहीं गुम हो गई है। मिलने पर कृपया सूचित करें। मो.: 98299 35616, निवेदकः जरीना बेगम

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि बाबा आर.एन. गौड सहकारी समिति लि. जयपुर की आवासीय योजना सुदर्शन रॉयल सिटी, चंदलाई, जयपुर में भूखण्ड संख्या 15 जिसका क्षेत्रफल 75 वर्गगज जो कि लक्ष्मीकांत वैष्णव पुत्र किशन चन्द वैष्णव को दिनांक 23.5.98 को आवंटित किया गया था। जिसके मूल आवंटन पत्र व अन्य कागजात जो दिनांक 10.8.2026 को शिवदसपुरा से बीलवा के बीच कहीं गुम हो गये है। जिसकी पुलिस रिपोर्ट 7.10.2026 को दर्ज करवा दी है। मैने उक्त प्लाट के डूप्लीकेट आवंटन पत्र लेने हेतु समिति में आवेदन किया है। उक्त बाबत किसी व्यक्ति/संस्था एवं बैंक या हितकारी को काई आपत्ति हो तो उक्त नम्बर पर 7 दिन के भीतर सूचित करे अन्यथा समिति द्वारा सदस्य को डूप्लीकेट आवंटन पत्र जारी कर दिये जावेंगे।
रोहित शर्मा मो. 9145878181

सार्वजनिक सूचना

एतद् द्वारा आम जनता सम्बन्धियो को सूचित किया जाता है कि हम डालचन्द वर्मा (आधार नं. 230845192445) पुत्र पूरन सिंह एवं गीता यादव (आधार नं. 650922421051) पत्नी डालचन्द दोनों पति-पत्नी निवासी 18 कटेवा नगर न्यू सांगानेर रोड गुर्जर की थडी जयपुर राजस्थान-302019 अपनी मर्जी स्वस्थ्य मस्तिष्क और बिना किसी दबाव के अपने पुत्र हिमांशु सिंह (आधार नं. 865463986164) और पुत्र वधु हिना कुमारी (आधार नं. 313557612523) को अपने सभी प्रकार के पारिवारिक सामाजिक और उत्तराधिकार सम्बन्धों से निष्काषित बेदखल करते हैं। हिमांशु सिंह पुत्र डालचन्द एवं हिना कुमारी पत्नी हिमांशु सिंह दोनों पति-पत्नी निवासी 18 कटेवा नगर न्यू सांगानेर रोड गुर्जर की थडी जयपुर राजस्थान हमारे पुत्र और पुत्र वधु के व्यवहार आचरण और पारिवारिक जीवन शैली से हमारा भारी मतभेद है तथा उनका रवैया हमारे प्रति बेहद प्रताडित करने वाला है। अतः आज के बाद हमसे और हमारे परिवार या हमारी किसी भी चल-अचल सम्पत्ति से उक्त पुत्र हिमांशु सिंह एवं पुत्र वधु हिना कुमारी का कोई लेना देना नहीं है। वे हमारी किसी भी स्व-अर्जित सम्पत्ति मकान, दुकान, बैंक बैलेंस आदि के हकदार नहीं होंगे। यदि इनके द्वारा हमारे नाम की किसी सम्पत्ति पर कब्जा करने का प्रयास किया जाता है या हमारे जीवनकाल अथवा हमारे पश्चात कोई दावा किया जाता है तो वह शून्य अमान्य माना जायेगा। भविष्य में यदि उपर्युक्त पुत्र एवं पुत्र वधु हमारे नाम पर या हमारे परिवार के साथ कोई वित्तीय लेन देन करते हैं तो उसके लिए हम, हमारा परिवार या हमारी सम्पत्ति उत्तरदायी नहीं होगी।
दिनांक 30.10.2026 डालचन्द पुत्र पूरन सिंह
स्थान- जयपुर गीता यादव पत्नी डालचन्द
मो.न. 9828654052, 9784702952

नम्बर मिलाइए 8890333139



सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

तीखी बहस, सियासी सवाल और राष्ट्रवाद के मुद्दों के बीच संपन्न हुआ तीन दिवसीय "जयपुर डायलॉग"

जयपुर। राष्ट्रवाद, भारतीय सभ्यता, हिंदुत्व, राजनीति और देश के भविष्य से जुड़े तीखे सवालों और विचारोत्तेजक चर्चाओं के बीच तीन दिवसीय "द जयपुर डायलॉग समिट-2026" रविवार को संपन्न हो गया। समिट में राइजिंग इंडिया, नैरेटिव वार, भारतीय संस्कृति, सभ्यतागत इतिहास, आगामी दशक में भारत की दिशा, विपक्ष की भूमिका, चुनाव आयोग, आरक्षण और आत्मनिर्भर रक्षा जैसे विषयों पर वक्ताओं ने अपने विचार रखे। विभिन्न सत्रों में राजनीतिक नेतृत्व, लोकतांत्रिक व्यवस्था, सामाजिक विमर्श और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दे प्रमुखता से छाए रहे।



राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरूण चतुर्वेदी ने जयपुर डॉयलाग समिट में रविवार को पूर्व आईएएस संजय दीक्षित की पुस्तक "काफिर गाइड टू सूफिज्म" का विमोचन किया।

- भारत के भविष्य, हिंदुत्व, विपक्ष, चुनाव आयोग, घुसपैठ और आत्मनिर्भर रक्षा पर वक्ताओं ने रखे विचार

अगले दशक में भारत को कौन देगा दिशा

मुख्य सभागार के पहले सत्र में "अगले दशक में भारत को कौन नई दिशा देगा" विषय पर तहसीन पूनावाला, हर्षवर्धन त्रिपाठी, गणेश भाऊ तोरसेकर, शिवम त्यागी और हर्ष कुमार ने चर्चा की। वक्ताओं ने लोकतांत्रिक मूल्यों, विकास की समान अवधारणा और मजबूत विपक्ष की आवश्यकता पर विचार रखे। वरिष्ठ पत्रकार गणेश भाऊ तोरसेकर ने कहा कि देश को अगले दशक की दिशा और भविष्य पर गंभीरता से विचार करना होगा।

सत्ता की चाह के बजाय मजबूत विपक्ष की भूमिका निभाने की तैयारी होनी चाहिए। जनता का विश्वास बढ़ने के साथ सरकार की जिम्मेदारी और अपेक्षाएं भी बढ़ती हैं। उन्होंने नक्सलवाद के बाद ड्रग मुक्त भारत को प्राथमिकता बनाने की बात कही। तहसीन पूनावाला ने महंगाई सहित विभिन्न मुद्दों पर सवाल उठाए। सत्र का संचालन अभिषेक तिवारी ने किया।

हिंदू सभ्यता और इतिहास के पुनर्लेखन पर चर्चा

"सभ्यतागत भारत : क्या हमें अपने हिंदुत्व का परिचय देना होगा" सत्र में आशीष भारतवंशी, कार्तिक गौर, ओमेंद्र रत्नू, हरविंदर सिक्का और पंडित सतीश शर्मा ने विचार रखे। वक्ताओं ने भारतीय सांस्कृतिक पहचान, भगवान राम, महाराणा प्रताप और छत्रपति शिवाजी के इतिहास को समझने की आवश्यकता बताई। ओमेंद्र रत्नू ने हिंदू इतिहास के पुनर्लेखन और पाकिस्तान-बांग्लादेश के हिंदुओं की सुरक्षा का मुद्दा उठाया। हरविंदर सिक्का ने हलाल प्रमाणन, धार्मिक संगठनों की भूमिका और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े सवाल रखे।

"भारत की म्लेच्छ समस्या" सत्र में वक्ताओं ने इतिहास, सांस्कृतिक पहचान, यूरोप में बदलती परिस्थितियों और इस्लामी आतंकवाद जैसे मुद्दों पर चर्चा की। बाबा रामदास सहित अन्य वक्ताओं ने इन चुनौतियों से निपटने के लिए सजगता और सक्रियता की जरूरत बताई। सत्र का संचालन प्रखर श्रीवास्तव ने किया।

विपक्ष और 2029 के चुनाव पर सियासी विमर्श

विशेष सत्र में राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरुण चतुर्वेदी और जयपुर डायलॉग के अध्यक्ष संजय दीक्षित ने भारतीय राजनीति में विपक्ष की भूमिका पर तीखे सवाल-जवाब किए।"राहुल गांधी पीएम 2029?" सत्र में अनुपम मिश्रा, शांतनु गुप्ता और एकलव्य सिंह ने उत्तर प्रदेश की राजनीति, राहुल गांधी, अखिलेश यादव और भाजपा की चुनावी रणनीति पर चर्चा की। वक्ताओं ने कहा कि दिल्ली की सत्ता का रास्ता उत्तर प्रदेश से होकर गुजरता है। प्रधानमंत्री आवास, हर घर शौचालय और किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं ने राजनीति और मतदाताओं की प्राथमिकताओं को प्रभावित किया है।"क्या चुनाव आयोग समझौता कर चुका है? एसआईआर और फर्जी मतदाताओं की जनसांख्यिकी" सत्र में पंकज बिस्वास, धीरेंद्र पुंडीर, अशोक श्रीवास्तव, ओमकार चौधरी और अभिषेक तिवारी ने मतदाता सूची, घुसपैठ और जनसांख्यिकीय बदलाव के मुद्दे उठाए। वक्ताओं ने असम, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में घुसपैठियों की पहचान और कार्रवाई का उल्लेख किया। पश्चिम बंगाल में धार्मिक आयोजनों से जुड़े विवादों और रामलीला मैदान में विपक्ष के प्रदर्शन के कारण दीपावली व्यापार प्रभावित होने का मुद्दा भी उठाया। वक्ताओं के अनुसार, इससे करीब ढाई लाख दुकानें बंद रहीं और 10 हजार करोड़ रुपये का व्यापार प्रभावित हुआ।

आत्मनिर्भर रक्षा और आरक्षण पर भी बहस

"ब्रह्मोस टू ड्रोन : आत्मनिर्भर डिफेंस" सत्र में मेजर जनरल राजीव नारायणन, मेजर समरपाल सिंह तूर, ब्रिगेडियर पांडे और अजय कुमार रैना ने भारतीय रक्षा क्षमता, ब्रह्मोस मिसाइल और ड्रोन तकनीक पर चर्चा की। वक्ताओं ने ब्रह्मोस को दुनिया की बेहतरीन मिसाइलों में शामिल बताते हुए ऑपरेशन सिंदूर के अनुभव और नागरिकों की भागीदारी को महत्वपूर्ण बताया।



टीम मैनेजमेंट खिलाड़ियों को बैक करने और उन्हें अपनी नेचुरल खेल खेलने की पूरी छूट देने में विश्वास रखता है। उन्होंने यह भी साफ किया कि हार-जीत खेल का हिस्सा है, लेकिन डरकर क्रिकेट खेलना भारतीय टीम की संस्कृति कभी नहीं हो सकती। **- गौतम गंभीर**

भारतीय कोच, सीरीज जीतने के बाद बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी



विराट कोहली

विराट कोहली की गिनती वर्ल्ड क्रिकेट में लिमिटेड ओवर्स फॉर्मेट के महान खिलाड़ियों में की जाती है, जो अब इंटरनेशनल क्रिकेट में सिर्फ वनडे फॉर्मेट में खेल रहे हैं उनके पास न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी सीरीज में बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम करने का शानदार मौका रहने वाला है। कोहली वनडे में नंबर-3 की पोजीशन पर बल्लेबाजी करते हैं, जिसमें वह इस नंबर पर 13000 रनों के आंकड़े को पूरा करने से सिर्फ 2 रन दूर हैं। कोहली यदि ऐसा करने में कामयाब होते हैं तो वनडे इतिहास में पहले ऐसे बल्लेबाज बन जाएंगे जो नंबर-3 की पोजीशन पर 13000 या उससे अधिक रन बनाने में कामयाब हो सके।

क्या आप जानते हैं ?... इंग्लैंड के जैक हॉब्स ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 834 मैच खेले जिनमें 199 शतक जड़ दिए। यह आंकड़ा आज के समय में लगभग अछूता सा लगता है।

न्यूजीलैंड ने भारत को 7 विकेट से हराया

साइफर्ट ने 93 रन बनाए, टीम इंडिया ने सीरीज 3-2 से जीती

नई दिल्ली, 1 नवम्बर। भारतीय टीम न्यूजीलैंड के सामने आखिरी टी20 मुकाबला सात विकेट से हार गई। हैमिल्टन में उसने 191 रन का स्कोर बनाया था। इशान किशन ने 61 तो श्रेयस अय्यर ने 50 रन की कप्तानी पारी खेली। मेजबान टीम नेटिम साइफर्ट के 93 और ग्लेन फिलिप्स(65) के सीरीज के लगातार चौथे 50 प्लस स्कोर के बूते 12 गेंद बाकी रहते मैच जीत लिया। इसके साथ पांच मैच की सीरीज 3-2 से भारत के नाम रही। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली टीम इंडिया ने पहले तीन मैच जीते थे जबकि आखिरी दो में हार मिली। भारत को आखिरी टी20 में खराब फील्डिंग का खामियाजा भुगतना पड़ा। कुछ कैच छोड़े गए तो कुछ मौकों पर ग्राउंड फील्डिंग में भी सुस्ती रही जिससे चौके निकल गए।



भारत ने हालांकि न्यूजीलैंड के सामने लगातार छठी टी-20 सीरीज जीती

भारत ने कीवी टीम के सामने 2019 के बाद से इस फॉर्मेट में सीरीज नहीं गंवाई है। तब से भारत ने तीन बार घर और तीन बार बाहर कीवी टीम के सामने टी20 सीरीज जीती है। 2019 के बाद से दोनों के बीच द्विपक्षीय टी20 सीरीज में कुल 24 मैच हुए हैं। इनमें से 18 भारत ने जीते व चार गंवाए हैं। दो के नतीजे नहीं निकले। भारत ने सीरीज में पहली बार गंवाया

साइफर्ट-फिलिप्स ने छीना मैच

मेजबान टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए फिन एलन (2) को दूसरे ही ओवर में गंवा दिया। मगर साइफर्ट और डेरिल मिचेल ने मिलकर टीम को जीत की राह पर डाल दिया। इस दौरान साइफर्ट जब 13 रन के निजी स्कोर पर थे तब अर्शदीप सिंह की गेंद नमन धीर ने उनका कैच छोड़ दिया। इसका फायदा उठाकर कीवी बल्लेबाज ने आतिशी अर्धशतक लगाया। उन्होंने 34 गेंद में 50 रन पूरे किए। मिचेल 29 रन बनाने के बाद दूसरे विकेट के तौर पर आउट हुए। उन्होंने चार छक्के जड़े। उनके जाने के बाद साइफर्ट और फिलिप्स न्यूजीलैंड को जीत के करीब ले गए। दोनों ने 86 रन जोड़े। शतक से सात रन पहले साइफर्ट को नीतीश कुमार रेड्डी ने बोल्ड किया। फिलिप्स ने आठ चौकों व तीन छक्कों से 65 रन बनाते हुए बेवन जैकब्स के साथ मिलकर मैच खत्म किया।

सूर्यवंशी फिर नहीं खेले, वरुण को मिला मौका

भारत ने आखिरी टी20 मुकाबले में दो बदलाव किए। हालांकि सूर्यवंशी को फिर से खेलने का मौका नहीं मिला। वे इस सीरीज में दो ही मैच खेल पाए। वरुण चक्रवर्ती को सीरीज में पहली बार खेलने का मौका मिला तो भुवनेश्वर कुमार वापस आए। इनके लिए अक्षर पटेल और मयंक यादव ने जगह खाली की। भुवी ने चार ओवर में 41 रन दिए। उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। वरुण के चार ओवर से 45 रन गए और एक सफलता हाथ लगी।

टॉस और की पहले बैटिंग

भारत ने सीरीज में पहली बार टॉस गंवाया और पहली ही बार पहले बैटिंग की। 19 रन के कुल स्कोर पर संजू सैमसन (4) और अभिषेक शर्मा (1) पवेलियन लौट गए। ऐसे में इशान और श्रेयस ने मोर्चा संभाला। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 93 रन की साझेदारी की। इससे भारतीय टीम 10 ओवर तक 100 से ऊपर रन बना चुकी थी। इशान 32 गेंद में पांच छक्कों व इतने ही चौकों से 61 रन बनाकर आउट हुए। श्रेयस ने 23 गेंद में चार छक्कों व तीन चौकों से 50 रन की पारी खेली। ये दोनों 11 रन के अंतराल में आउट हो गए जिससे भारतीय टीम 200 के पार जाने से चूक गई। तिलक वर्मा छह रन बना सके, निचले क्रम में नमन धीर ने 33 तो नीतीश कुमार रेड्डी ने 22 रन का योगदान दिया। कीवी टीम की ओर से एडम मिल्न ने चार ओवर में 19 रन देकर चार विकेट लिए। यह न्यूजीलैंड की ओर से भारत के खिलाफ टी20 में दूसरा सबसे अच्छा बॉलिंग प्रदर्शन रहा।

भुवी की खराब रही वापसी

भुवी ने इस सीरीज के जरिए भारतीय टीम में चार साल बाद वापसी की मगर यह यादगार नहीं रही। उसने हर मुकाबले में 10 या इससे ऊपर की इकॉनमी से रन दिए। पहले मैच में चार ओवर में 49, दूसरे में चार ओवर में 50, तीसरे में चार ओवर में 40 रन खर्च किए। चौथे टी20 से उन्हें बाहर रखा गया था। उन्हें महज एक विकेट मिला जो दूसरे टी20 में था। उनके सीरीज में फेंके गए 16 ओवर में 180 रन बने। उनकी इकॉनमी 11।25 की रही। उनके करियर के दो सबसे महंगे स्पैल इसी सीरीज में आए।भुवी ने चारों मैच में पहला ओवर अच्छा डाला मगर इसके बाद उनकी पिटाई हुई। उनके दूसरे, तीसरे व चौथे ओवर में काफी रन गए।

ग्लेन फिलिप्स ने उड़ाई रनों की दावत

ग्लेन फिलिप्स सीरीज में भारत के लिए सबसे बड़े सिरदर्द साबित हुए। उन्होंने पांच मैच में 113।66 की औसत से 341 रन बनाए और उनकी स्ट्राइक रेट 185।32 की रही। वे दो बार सीरीज में नाबाद रहे। फिलिप्स के इस सीरीज में स्कोर इस तरह रहे- नाबाद 82, 70, 17, 107 और नाबाद 65 रन। उन्होंने सबसे ज्यादा 29 चौके और 20 छक्के भी लगाए। उनके बाद रन बनाने में अभिषेक शर्मा का नाम रहा जिन्होंने पांच मैच में 39।40 की औसत से 197 रन बनाए।

अफगानिस्तान ने जीता पहला हांगकांग सिक्सेस खिताब

ऑस्ट्रेलिया को 4 विकेट से हराया, इमरान ने 14 गेंदों पर नाबाद 53 रन बनाए



नई दिल्ली, 1 नवम्बर। अफगानिस्तान ने रविवार को ऑस्ट्रेलिया को 4 विकेट से हराकर पहली बार हॉन्गकॉन्ग सिक्सेस का खिताब जीत लिया। हॉन्गकॉन्ग में खेले गए फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने 6 ओवर में 115 रन बनाए। अफगानिस्तान ने 5।1 ओवर में 119/2 रन बनाकर लक्ष्य हासिल किया। इमरान मीर ने 14 गेंदों पर नाबाद 53 और फरमानुल्लाह सफी ने 7 गेंदों पर नाबाद 26 रन बनाए। इमरान ने 7 छक्के लगाए: इमरान ने 7 छक्के लगाए, जबकि फरमानुल्लाह ने 4 छक्के जड़े। दोनों ने नाबाद साझेदारी कर अफगानिस्तान को 4 विकेट से जीत दिलाई। ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज ब्रायंट ने 14 गेंद पर 44 रन बनाए: टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 6 ओवर में 115 रन बनाए। मैक्स ब्रायंट ने 14 गेंदों पर 44 रन की पारी खेली। निक हॉबसन ने 8 गेंदों पर 23 और एलेक्स रॉस ने 10 गेंदों पर नाबाद 29 रन बनाए। अफगानिस्तान की ओर से नांगेलिया खान और करीम जनत ने 1-1 विकेट लिया। इमरान मीर और सफी ने दिलाई जीत: 116 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए अफगानिस्तान ने 5।1 ओवर में 2 विकेट पर 119 रन बनाकर जीत हासिल की। इमरान मीर ने 14 गेंदों पर नाबाद 53 और फरमानुल्लाह सफी ने 7 गेंदों पर नाबाद 26 रन बनाए। दोनों ने मिलकर टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई।

राहुल खंडेलवाल के शतक से सोलफिल फाइटर्स की बड़ी जीत





जयपुर, 1 नवम्बर। रेलवे क्रिकेट ग्राउंड पर चल रहे अजीम गोल्ड कप के दूसरे क्वार्टर फाइनल मुकाबले में सोलफिल फाइटर्स ने नारायणा क्रिकेट अकादमी को 146 रन से हराकर शानदार जीत दर्ज की। पहले बल्लेबाजी करते हुए सोलफिल फाइटर्स ने निर्धारित 20 ओवर में दो विकेट पर 291 रन का विशाल स्कोर बनाया। राहुल खंडेलवाल ने 133 रन की शतकीय पारी खेली। वहीं जयंत तांबी ने नाबाद 59, अरनव गौतम ने 50 और विनय चौधरी ने 40 रन बनाए। नारायणा की ओर से राजवीर सिंह राठौड़ और शुभम शर्मा ने एक-एक विकेट लिया। जवाब में नारायणा क्रिकेट अकादमी की टीम 14.5 ओवर में 145 रन पर सिमट गई। आफ्ताबुद्दीन और शुभम शर्मा ने 35-35 तथा राजवीर सिंह राठौड़ ने नाबाद 20 रन बनाए। सोलफिल की ओर से विनय चौधरी ने चार और महेंद्र मेहला ने दो विकेट झटके। राहुल खंडेलवाल को उनकी शानदार शतकीय पारी के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया।

हिमाचल रणजी मैच आज से धर्मशाला में खेला जायेगा

जयपुर, 1 नवम्बर। हिमाचल क्रिकेट संघ की मेजबानी में स्टेडियम में राजस्थान-हिमाचल टीमों के मध्य रणजी मैच खेला जायेगा। राजस्थान रणजी टीम मीडियामैनेजर मनीष शर्मा के अनुसार मेजबान हिमाचल के विरुदमहत्वपूर्ण रणजी मैच से पूर्व राजस्थान टीम ने स्थानीय परिस्थितियोंके अनुसार अभ्यास किया। हिमाचल के विरुदरणजी मैच के लिए हिमांशु नेहरा टीम सेजुड़े। हिमाचल के विरुद रणजी ट्रॉफी में राजस्थान का अब तक का रिकार्डशानदार रहा है।

अब तक दोनों टीमों के मध्य कुल 4 रणजी मैच खेले गए हैं :-

1) हिमाचल- राजस्थान रणजी मैच 2002 - 03 जयपुर राजस्थान 6 विकेट से जीता

2) हिमाचल - राजस्थान रणजी मैच 2007 -08, धर्मशाला राजस्थान 9 विकेट से जीता

3) हिमाचल - राजस्थान रणजी मैच 2024 - 25, धर्मशाला राजस्थान 8 विकेट से जीता

4) हिमाचल - राजस्थान रणजी मैच 2025 -26, जयपुर मैच ड्रॉ।

ऋषभ पंत तीसरे अनऑफिशियल टेस्ट से बाहर

नई दिल्ली, 1 नवम्बर। भारत के स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत भारत ए और न्यूजीलैंड ए के बीच खेली जा रही तीन मैचों की सीरीज के तीसरे अनौपचारिक टेस्ट में नहीं खेलेंगे। वह तीसरे मुकाबले से बाहर हो गए हैं। उन्हें एहतियात के तौर पर तीसरे मुकाबले से बाहर किया गया है। दरअसल पिछले महीने श्रीनगर में जम्मू-कश्मीर के खिलाफ ईरानी कप में रेस्ट ऑफ इंडिया की ओर से खेलते समय वह चोटिल हो गए थे और इस वजह से पहले सीरीज के पहले दो अनौपचारिक टेस्ट से बाहर हो गए थे। उन्हें न्यूजीलैंड के खलिाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टेस्ट टीम में चुना गया है और पंत ने 19 नवंबर से शुरू होने वाली सीरीज से पहले ट्रेनिंग शुरू कर दी है।

ईशान 1 साल में सबसे ज्यादा टी-20 रन बनाने वाले भारतीय

अर्शदीप पावरप्ले के हाईएस्ट विकेट टेकर





नई दिल्ली, 1 नवम्बर। न्यूजीलैंड ने पांचवे टी-20 मैच में भारत को 7 विकेट से हरा दिया। हैमिल्टन में ईशान किशन एक साल में सबसे ज्यादा टी-20 रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ी बने। उन्होंने पूर्व कप्तान सूर्यकुमार यादव का रिकॉर्ड तोड़ा। भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने पावरप्ले में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। वहीं तिलक वर्मा नो-बॉल की वजह से कैच आउट होने से बच गए। ईशान किशन ने इस साल टी-20 इंटरनेशनल में 1220 रन बनाए हैं। उन्होंने सूर्यकुमार यादव का रिकॉर्ड तोड़ा। सूर्या ने 2022 में 1164 रन बनाए थे।

ईशान किशन ने 32 गेंद पर 61 रन की पारी खेली। वे 2 हजार टी-20 रन बनाने वाले तीसरे सबसे तेज भारतीय बने। उन्होंने इसके लिए 1345 गेंद खेली। पहले स्थान पर अभिषेक शर्मा हैं, जिन्होंने 1024 गेंद पर यह मुकाम हासिल किया था। अर्शदीप सिंह ने टी-20 इंटरनेशनल में पावरप्ले के दौरान 65 विकेट लिए हैं। वे फुल मेंबर टीमों के गेंदबाजों में पहले 6 ओवर में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में पहले नंबर पर पहुंच गए। न्यूजीलैंड के टिम साउदी के नाम भी 65 विकेट हैं, लेकिन उन्होंने ये विकेट अर्शदीप सिंह से ज्यादा पारियों में लिए हैं। मिचेल सैंटनर ने न्यूजीलैंड के लिए 143 टी-20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं। वे इस फॉर्मेट में न्यूजीलैंड के लिए सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी बन गए हैं।

भारत-ए के 346 रन के जवाब में न्यूजीलैंड-ए ने बॉयल के शतक से बनाए 218/3

नई दिल्ली, 1 नवम्बर। मैथ्यू बॉयल के नाबाद शतक और डीन फॉक्सक्रॉफ्ट के अर्धशतक की मदद से न्यूजीलैंड ए ने रविवार को यहां भारत ए के खिलाफ दूसरे अनौपचारिक टेस्ट के दूसरे दिन खराब शुरुआत से उबरते हुए तीन विकेट पर 218 रन बनाए। बॉयल 148 गेंदों पर 107 रन बनाकर खेल रहे हैं। उन्होंने अब तक अपनी पारी में 14 चौके और एक छक्का लगाया है। फॉक्सक्रॉफ्ट 180 गेंदों पर 80 रन बनाकर खेल रहे हैं। उनकी पारी में नौ चौके शामिल हैं। इन दोनों ने चौथे विकेट के लिए 205 रन की अटूट साझेदारी करके न्यूजीलैंड की टीम को वापसी दिलाई। इससे पहले भारतीय टीम ने कप्तान ध्रुव जुरेल (105) के शतक की मदद से अपनी पहली पारी में 346 रन बनाए। इस तरह से भारत अभी न्यूजीलैंड से 128 रन आगे है। न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। एक समय उसका स्कोर तीन विकेट पर 13 रन था। मोहम्मद सिराज और मुकेश कुमार ने उसे शुरुआती झटके दिए।

भारत बना पहला कॉमनवेल्थ कबड्डी चैम्पियन

पुरुष टीम ने श्रीलंका को 54-20 से हराया, महिला टीम ने युगांडा को 35-15 से मात देकर जीता स्वर्ण



नई दिल्ली, 1 नवम्बर। भारत ने अहमदाबाद में शनिवार को पहले कॉमनवेल्थ कबड्डी चैंपियनशिप 2026 में डबल टाइटल जीत लिया। भारतीय पुरुष टीम ने फाइनल में श्रीलंका को 54-20 से हराकर पहला कॉमनवेल्थ चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। वहीं, महिला टीम ने युगांडा को 35-15 से शिकस्त देकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। पुरुष और महिला दोनों टीमों ने पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहते हुए खिताब जीते। पुरुष टीम ने लगातार 8 मुकाबले जीते, जबकि महिला टीम ने सभी 6 मैच अपने नाम किए।

पुरुष टीम ने श्रीलंका को 54-20 से हराया: पुरुषों के फाइनल में एशियन चैंपियन भारत ने शुरुआत से ही श्रीलंका पर दबाव बनाए रखा। भारत के स्टार रेडर आदित्य शिंदे ने 14 रेड में 10 अंक हासिल कर सुपर 10 पूरा किया। इसमें 4 बोनस अंक भी शामिल रहे। भारत हुड्डा ने दूसरे हाफ में शानदार प्रदर्शन करते हुए 7 रेड में 8 अंक जोड़े। वे पूरे मैच में एक बार भी टैकल नहीं हुए। पंकज मोहिते ने 6 और उप-कप्तान नवीन कुमार ने 5 अंक का योगदान दिया। डिफेंस में योगेश दहिया ने 5 टैकल अटेम्प्ट्स में 5 सफल टैकल कर हाई-5 लगाया। शुभम शिंदे, कप्तान सुरजीत सिंह, प्रवेश मलिक और दीपक शंकर ने भी 2-2 टैकल पॉइंट्स हासिल किए।

भारत ने श्रीलंका को 4 बार ऑल-आउट किया: भारतीय टीम ने मैच में 30 रेड और 14 टैकल पॉइंट्स हासिल किए। टीम ने श्रीलंका को 4 बार ऑल-आउट किया, जबकि खुद एक बार भी ऑल-आउट नहीं हुई। पहले हाफ में भारत ने 15-8 की बढ़त बनाई। इसके बाद टीम ने लगातार दबाव बनाते हुए हाफ-टाइम तक स्कोर 30-10 कर दिया। दूसरे हाफ में भी भारत ने 24 अंक जुटाए, जबकि श्रीलंका 10 अंक ही बना सका। श्रीलंका की टीम ने पूरे मैच में 41 रेड में सिर्फ 7 सफल रेड कीं।

विजय हजारे ट्रॉफी में मुंबई के लिए खेलेंगे रोहित

नई दिल्ली, 1 नवम्बर। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज खिलाड़ी रोहित शर्मा आगामी वर्ल्ड कप 2027 की तैयारियों के तहत घरेलू क्रिकेट में वापसी करने जा रहे हैं। रोहित शर्मा ने मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन को जानकारी दी है कि वह विजय हजारे ट्रॉफी में मुंबई के लिए खेलने को तैयार हैं। रोहित खुद को फिट रखने और लय बरकरार रखने के लिए घरेलू मैचों का रुख कर रहे हैं। रोहित शर्मा श्रीलंका के खिलाफ 13 से 19 दिसंबर तक होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज में भारतीय टीम का हिस्सा रहेंगे। इसके बाद वह टी 20 से 29 दिसंबर के बीच विजय हजारे ट्रॉफी के मैचों में मुंबई के लिए मैदान में उतर सकते हैं। टी 20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के बाद अब वह केवल वनडे प्रारूप खेलते हैं। विजय हजारे के पिछले सीजन में भी उन्होंने मुंबई के लिए दो मैच खेले थे, जिसमें सिक्किम के खिलाफ 155 रन की पारी शामिल थी। रोहित आगामी व्यस्त कार्यक्रमों के बीच खुद को 2027 विश्व कप के लिए पूरी तरह तैयार रखना चाहते हैं।

जयपुर जिला टेबल टेनिस चैम्पियनशिप 2026 का आगाज

अंडर-11 एवं अंडर-13 वर्ग के मुकाबलों में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम



जयपुर, 1 नवम्बर। जयपुर जिला टेबल टेनिस संघ के तत्वावधान में जयपुर जिला टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2026 का शुभारंभ आज 1 नवंबर को स्टेडियम स्थित टेबल टेनिस हॉल, जयपुर में हुआ। दो दिवसीय इस प्रतियोगिता में जयपुर के अनेक प्रतिभाशाली खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता में नेशनल एवं नेशनल रैंकिंग प्राप्त खिलाड़ी भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। विशेष बात यह है कि पिछले वर्ष के चार राष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ी भी इस प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे हैं।

प्रतियोगिता के पहले दिन अंडर-11 एवं अंडर-13 आयु वर्ग के मुकाबले आयोजित किए गए। खिलाड़ियों ने शानदार खेल कौशल, अनुशासन और खेल भावना का परिचय दिया। जयपुर जिला टेबल टेनिस संघ के अध्यक्ष श्री किशन माहेश्वरी एवं कोषाध्यक्ष श्री राजीव अग्रवाल ने प्रतियोगिता में उपस्थित सभी खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं अभिभावकों का स्वागत किया तथा सभी खिलाड़ियों को प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं। प्रतियोगिता प्रबंधक श्री किशन चौधरी एवं आयोजन सचिव श्री संजीव पारुई ने बताया कि प्रतियोगिता में बच्चों ने अत्यंत अनुशासन के साथ भाग लिया तथा सभी मुकाबले बेहद रोमांचक और उच्च स्तर के रहे। खिलाड़ियों ने अपने खेल कौशल और प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया।

आज के प्रमुख परिणाम इस प्रकार रहे :-

अंडर-11 बालक एकल वर्ग- - विजेता: तरुष शर्मा - उपविजेता: मान्विक शर्मा - तृतीय स्थान: आव्या सोगानी एवं यजत झा

अंडर-11 बालिका एकल वर्ग - विजेता: मृग्या राजपूत - उपविजेता: अर्शिया शर्मा - तृतीय स्थान: आध्या नेगी एवं अधीरा माहेश्वरी

अंडर-13 बालक एकल वर्ग - विजेता: आरव साहनी - उपविजेता: तरुष शर्मा - तृतीय स्थान: मान्विक शर्मा एवं निवान जैन

अंडर-13 बालिका एकल वर्ग - विजेता: आरना साहनी - उपविजेता: मायरा राजपूत - तृतीय स्थान: आध्या नेगी एवं आराध्या सेनी

जयपुर जिला टेबल टेनिस संघ के पदाधिकारियों ने सभी विजेता एवं प्रतिभागी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं का उद्देश्य खिलाड़ियों को बेहतर प्रतिस्पर्धात्मक मंच उपलब्ध कराना तथा जयपुर में टेबल टेनिस खेल को बढ़ावा देना है। प्रतियोगिता के दूसरे एवं अंतिम दिन 2 नवंबर को अंडर-17, अंडर-19, पुरुष एवं महिला वर्ग के मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। इन वर्गों के खिलाड़ी अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का प्रदर्शन करेंगे।

राजस्थान स्टेट बैडमिंटन अंडर-15 चैम्पियनशिप में जयपुर के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

जयपुर, 1 नवम्बर। राजस्थान बैडमिंटन एसोसिएशन एवं जयपुर बैडमिंटन एसोसिएशन के तत्वावधान में जयपुर में आयोजित राजस्थान स्टेट सब-जूनियर (अंडर-15) बैडमिंटन चैंपियनशिप में पहले दिन जयपुर के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। प्रतियोगिता के पहले दिन बालिका वर्ग में जयपुर की सान्वी अजमेरा ने सांची पालीवाल को 19-17, 16-14 से तथा दक्ष्वी सोनी ने इशान्वी चौधरी को 15-7, 13-15, 15-8 से हराकर शानदार जीत दर्ज की।

सिंधु और लक्ष्य सेन हाइलो ओपन बैडमिंटन के फाइनल में

दोनों ने सीधे गेम में सेमीफाइनल जीते, भारत के पास डबल टाइटल जीतने का मौका





नई दिल्ली, 1 नवम्बर। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन ने 5 लाख डॉलर इनामी राशि वाले हाइलो ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली है। जर्मनी के सारब्रुकेन शहर में चल रहे टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों ने शनिवार को अपने-अपने सेमीफाइनल मुकाबले सीधे गेम में जीते। आज दोनों के पास टाइटल जीतने का मौका है। महिला सिंगल्स के सेमीफाइनल में पूर्व वर्ल्ड चैंपियन सिंधु का सामना भारत की 19 साल की अनमोल खरब से था। पहले गेम में अनमोल ने शुरुआत में 4-2 की बढ़त बनाई, लेकिन सिंधु ने आक्रामक खेल और सटीक नेट प्ले के दम पर वापसी की। ब्रेक तक सिंधु 11-9 से आगे थीं। ब्रेक के बाद सिंधु ने अपनी बढ़त 15-10 कर ली। इसके बाद उन्होंने 7 गेम प्वाइंट हासिल किए और अनमोल की रिटर्न बाहर जाने पर पहला गेम 21-13 से जीत लिया।

दूसरे गेम में दोनों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। एक समय स्कोर 8-8 और फिर 13-13 से बराबर था। अनमोल ने लगातार अंक हासिल कर 15-13 की बढ़त बनाई, लेकिन सिंधु ने जल्द ही स्कोर 15-15 कर दिया। सिंधु ने लगातार दबाव बनाए रखा और चार मैच प्वाइंट हासिल किए। सिंधु ने सटीक रिटर्न लगाकर पहला ही मैच प्वाइंट भुनाया और मुकाबला अपने नाम कर लिया। सिंधु ने कहा, "मैं अनमोल के खिलाफ काफी लंबे समय बाद खेल रही थी। सेमीफाइनल में दो भारतीय खिलाड़ियों का होना अच्छी बात है। विरोधी खिलाड़ी चाहे कोई भी हो या उसकी रैंकिंग कुछ भी हो, मेरा ध्यान सिर्फ अपने खेल पर 100 प्रतिशत देने पर था। मुझे खुशी है कि मैं फाइनल में पहुंच गई हूं।" उन्होंने आगे कहा, "मैं खुश हूं कि पूरे मैच में बढ़त बनाए रखी और उसे लगातार बढ़ाते हुए दो गेम में मुकाबला खत्म किया। उम्मीद है कि रविवार को फाइनल में भी यही लय बरकरार रखूंगी।" फाइनल में सिंधु का सामना डेनमार्क की 8वीं वरीयता प्राप्त लाइन हजमार्क क्यार्सफेल्ड से होगा।

पुरुष सिंगल्स के सेमीफाइनल में लक्ष्य सेन ने फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव को 21-17, 21-13 से हराया। पहला गेम शुरुआत में बराबरी का रहा। स्कोर 4-4 होने के बाद लक्ष्य ने 7-5 की बढ़त बनाई। उन्होंने इसे 10-6 तक पहुंचाया। ब्रेक तक भारतीय खिलाड़ी पांच अंक आगे थे। ब्रेक के बाद पोपोव ने वापसी की और स्कोर 15-17 कर दिया। हालांकि, लक्ष्य ने दबाव में भी बेहतर खेल दिखाया। उन्होंने चार गेम प्वाइंट हासिल किए और नेट पर सटीक शॉट लगाकर पहला गेम 21-17 से जीत लिया। दूसरे गेम में लक्ष्य ने 4-1 की बढ़त बनाई। पोपोव ने स्कोर 4-4 से बराबर किया, लेकिन लक्ष्य ने स्मैश के दम पर फिर बढ़त हासिल कर ली। ब्रेक तक वह चार अंक आगे थे। लक्ष्य ने आक्रामक खेल जारी रखा। उन्होंने मजबूत डिफेंस के साथ पोपोव को लगातार दबाव में रखा और स्कोर 14-7 कर दिया। जल्द ही उन्हें 9 मैच प्वाइंट मिले। दो मौके गंवाने के बाद लक्ष्य ने सटीक स्मैश लगाकर तीसरे मैच प्वाइंट पर मुकाबला जीत लिया। जीत के बाद 25 साल के लक्ष्य सेन ने कहा, 'पिछले कुछ महीनों में मुझे हल्की चोटें (निगल्स) लगी थीं। इस वजह से मैं कुछ समय तक कोर्ट से दूर रहा। कई टूर्नामेंट में भी 100 नहीं दे पाया। लेकिन यहां अपने प्रदर्शन से खुश हूं। लगातार इतने मैच खेलने से मेरा आत्मविश्वास बढ़ा है। 'उन्होंने कहा, 'ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के बाद पहली बार मुझे लगा कि मैं फिर से अच्छा बैडमिंटन खेल रहा हूं। मुझे अपनी लय वापस मिलती महसूस हो रही है।' 2021 वर्ल्ड चैंपियनशिप के ब्रॉन्ज मेडल विजेता लक्ष्य का फाइनल में सामना इंडोनेशिया के चौथी वरीयता प्राप्त जोनाटन क्रिस्टी और डेनमार्क के टॉप सीड एंडर्स एंटोनसेन के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा।

राजस्थान का 12 राष्ट्रीय योजनाओं में प्रथम स्थान- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह राज्य सरकार की प्रतिबद्धता, प्रशासनिक दक्षता, केन्द्र के साथ समन्वित प्रयासों का परिणाम है

जयपुर, 1 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रभावी कार्यशैली और योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन का परिचय देते हुए राजस्थान ने 12 राष्ट्रीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों में प्रथम, 10 में द्वितीय तथा 8 में तृतीय स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि राज्य सरकार की प्रतिबद्धता, प्रशासनिक दक्षता और केंद्र एवं राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों का सुखद परिणाम है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत खरीफ 2025 में 2.18 करोड़ तथा रबी 2025-26 में 1.71 करोड़ पॉलिसियों के साथ राजस्थान देश में प्रथम स्थान पर रहा है। वहीं, पीएम-कुसुम योजना के कंपोनेंट-ए तथा कंपोनेंट-सी में भी राज्य ने देश में पहला स्थान हासिल किया है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 पर राजस्थान में 62 हजार 915 स्थलों पर 85 लाख से अधिक लोगों की सहभागिता दर्ज की गई, जो देश में सर्वाधिक रही। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) में भी राजस्थान देशभर में प्रथम स्थान पर रहा है। फिट इंडिया फ्रीडम रन 2024 के अंतर्गत देश में आयोजित 10 हजार 443 कार्यक्रमों में से 6 हजार से अधिक कार्यक्रम राजस्थान में आयोजित हुए। वहीं, विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान 11 हजार 209 शिविरों के माध्यम से 5.94 लाख उज्ज्वला कनेक्शन प्रदान करके राजस्थान देश में प्रथम रहा।



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

धरती आबा जनभागीदारी अभियान में राजस्थान को बेस्ट परफॉर्मिंग स्टेट के रूप में, अंगदान एवं प्रत्यारोपण के क्षेत्र में, विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा विशेष तंबाकू निषेध पुरस्कार 2026 तथा खनिज ब्लॉकों की नीलामी में अनुकरणीय प्रदर्शन के लिए राजस्थान को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ है। राजस्थान ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मुख्यमंत्री नि:शुल्क निरोगी राजस्थान दवा योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना, राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार में राज्य को श्रेष्ठ डेयरी कोऑपरेटिव सोसाइटी एवं श्रेष्ठ कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। कृषि विभाग को राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस रजत पुरस्कार मिला है।

- मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि प्रभावी कार्यशैली व योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के कारण राजस्थान ने 10 राष्ट्रीय योजनाओं में द्वितीय तथा 8 में तृतीय स्थान प्राप्त किया है।

प्रदेश ने पीएम-कुसुम योजना के कंपोनेंट-बी, विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण), टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान 2024, नेशनल प्रोग्राम फॉर पैलिएटिव केयर, संचय जनभागीदारी 1.0 अभियान तथा एक जिला एक उत्पाद कार्यक्रम के क्रियान्वयन में देशभर में तृतीय स्थान प्राप्त किया है।

अक्टूबर में रोज एक लाख करोड़ रूपए का यूपीआई ट्रांज़ैक्शन हुआ

नई दिल्ली, 01 नवंबर। भारत में डिजिटल पेमेंट की लोकप्रियता लगातार नए आसमान छू रही है। इसी कड़ी में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई ने अक्टूबर के महीने में ऐतिहासिक कामयाबी हासिल की है। देश में पहली बार किसी एक महीने के भीतर यूपीआई के जरिए होने वाले रोजाना के लेन-देन का औसत मूल्य एक लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड आंकड़े को पार कर गया है। मतलब अक्टूबर के महीन में हर दिन एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का डिजिटल पेमेंट किया गया। ये जानकारी नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) द्वारा जारी किए गए ताजा आंकड़ों में दी गई है।

- पूरे अक्टूबर माह में 31.53 लाख करोड़ रूपए का ट्रांज़ैक्शन अब तक का सर्वाधिक है।

इन आंकड़ों के अनुसार, त्योहार के इस सीजन में लोगों ने जम कर डिजिटल खरीदारी की, जिसके दम पर पूरे अक्टूबर महीने में कुल 31.53 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड ट्रांजैक्शन दर्ज किया गया। भारत में डिजिटल पेमेंट के इतिहास में ये भी पहला मौका है, जब किसी एक महीने का कुल लेन-देन 30 लाख करोड़ रुपये की सीमा के पार निकल गया है। अगर पिछले रिकॉर्ड्स से इसकी तुलना करें तो इससे पहले सितंबर के महीने में रोजाना होने वाले लेन-देन का औसत मूल्य लगभग 98,000 करोड़ रुपये के आसपास दर्ज किया गया था। वहीं, पूरे महीने के कुल टर्नओवर का पिछला सर्वोच्च रिकॉर्ड इसी साल मई के महीने में बना था, जब देशभर में यूपीआई के माध्यम से करीब 29.9 लाख करोड़ रुपये का आदान-प्रदान हुआ था।

रणथंभौर : बाघिन-93 शावक के साथ नज़र आई

वन विभाग के अनुसार, यहाँ बाघों की संख्या बढ़ कर 63 हो गई है



रणथम्भौर टाइगर रिजर्व के रणथम्भौर-क्षेत्र के लाहपुर इलाके में बाघिन -93 रविवार को अपने एक शावक के साथ घूमते हुए नजर आई।

सवाई माधोपुर, 1 नवम्बर। रणथम्भौर टाइगर रिजर्व के रणथम्भौर-क्षेत्र के लाहपुर इलाके में बाघिन -93 अपने एक शावक के साथ विचरण करती हुई नजर आई। बाघिन -93 का यह तीसरा लिटर (प्रसव) है। इस सुखद दृश्य से रणथम्भौर में बाघों के कुनबे में एक और नई पीढ़ी के जुड़ने के संकेत मिले हैं। उपवन संरक्षक रणथंभौर बाघ परियोजना मानस सिंह ने बताया कि बाघिन के साथ एक शावक दिखाई दिया है, हालांकि शावकों की वास्तविक संख्या इससे अधिक भी हो सकती है। शावकों की सही संख्या की पुष्टि के लिए वन विभाग द्वारा क्षेत्र में कैमरा ट्रैप लगाए जा रहे हैं। कैमरा ट्रैप में प्राप्त तस्वीरों के विश्लेषण के बाद ही शावकों की वास्तविक संख्या प्रमाणित की जा सकेगी।

- वन विभाग की टीम बाघिन और उसके शावकों की सुरक्षा पर लगातार निगरानी रख रही है और यह सुनिश्चित कर रही है कि उनके प्राकृतिक विचरण में कोई व्यवधान नहीं आए।

बाघिन एवं उसके शावकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए वन विभाग की टीम क्षेत्र में लगातार निगरानी रख रही है। फील्ड स्टाफ को विशेष सतर्कता बरतने तथा बाघिन एवं शावकों के प्राकृतिक विचरण में किसी प्रकार का व्यवधान नहीं होने देने के निर्देश दिए गए हैं।

बाघिन -93 के साथ शावक की उपस्थिति रणथम्भौर टाइगर रिजर्व में बाघों के प्रजनन एवं संरक्षण के लिहाज से एक सकारात्मक संकेत है। इससे रणथम्भौर टाइगर रिजर्व- में बाघों की कुल संख्या बढ़ कर 63 हो गई है।

नया चक्रवाती ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

2 नवंबर को तमिलनाडु, 2 और 3 नवंबर को तटीय आंध्र प्रदेश, रायलसीमा और तेलंगाना में भारी से बहुत भारी बारिश का पूर्वानुमान जताया है। विभाग ने 3 और 4 नवंबर को छत्तीसगढ़ और दक्षिण ओडिशा में भी भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना जताई है। तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 2 और 3 नवंबर को कुछ स्थानों पर अत्यंत भारी बारिश की आशंका है। इसके अलावा 3 नवंबर को तेलंगाना में भी कुछ स्थानों पर अत्यंत भारी बारिश हो सकती है।

'राहुल गांधी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली सरकार के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा, राज्यसभा सांसद विक्रमजीत सिंह साहनी और सांसद कमलजीत सहरावत सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे। पदयात्रा के माध्यम से 1984 के दंगा पीड़ितों के प्रति एकजुटता और समर्थन प्रदर्शित किया गया। इस अवसर पर जे.पी. नड्डा ने कहा कि आज पीड़ितों को याद करने के बजाय राहुल गांधी राजनीति कर रहे हैं और गांधी परिवार ने माफी नहीं मांगी है।

दो हवाई रैकी के बाद भी 7 लापता ट्रैकर्स का सुराग नहीं मिला

देहरादून, 01 नवंबर। उत्तरकाशी जिले के केदारताल क्षेत्र में लापता सात ट्रैकर्स और एक गाइड की तलाश में स्टेट डिजैस्टर रैस्पॉंस फोर्स (एस.डी.आर.एफ.) का सर्च एवं रेस्क्यू अभियान जारी है। रविवार को हेलीकॉप्टर से क्षेत्र की दो बार हवाई रेकी की गई, लेकिन लापता लोगों या उनके टैंट का कोई स्पष्ट सुराग नहीं मिल सका। अत्यधिक बर्फबारी और प्रतिकूल मौसम के कारण तलाशी अभियान में बाधाएं आ रही हैं।

- भारी बर्फबारी व कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के कारण पैदल तलाशी अभियान में मुश्किलें आईं।

एसडीआरएफ के अनुसार, इससे पहले गंगोत्री टीम ने केदारताल क्षेत्र में पहुंचकर रेकी की थी। क्षेत्र में अत्यधिक बर्फबारी और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के कारण पैदल तलाशी अभियान में दिक्कतें आ रही हैं। इसके बाद हेलीकॉप्टर से हवाई सर्वेक्षण करने का निर्णय लिया गया।

एसडीआरएफ के दो जवान हेड कांस्टेबल रवि चौहान और कांस्टेबल दीपक पंत हेलीकॉप्टर से हर्षिल पहुंचे। वहां से केदारताल क्षेत्र की दो बार हवाई रेकी की गई। इस दौरान लापता ट्रैकर्स और गाइड अथवा उनके टैंट के कोई स्पष्ट दृश्य संकेत नहीं मिले।

एसडीआरएफ सेनानायक अर्पण यदुवंशी के निर्देश पर वाहिनी मुख्यालय से एक अतिरिक्त टीम आवश्यक बचाव एवं पर्वतारोहण उपकरणों के साथ रवाना की गई है। परिस्थितियां अनुकूल होने पर यह टीम सर्च अभियान को आगे बढ़ाएगी। एसडीआरएफ संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय कर आगे की कार्ययोजना तैयार कर रही है।

हम अमेरिका के हमले का जवाब देने के लिए तैयार हैं- ईरान

तेहरान (ईरान), 01 नवंबर। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की ईरान पर नए हमले की चेतावनी पर तीखी प्रतिक्रिया हुई है। ईरान के सबसे ताकतवर इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने कहा कि अमेरिका और इजराइल के संभावित हमले का जवाब देने के लिए ईरान पूरी तरह तैयार है। तैयारी इस स्तर पर की गई है कि अगर अमेरिका लड़ाई में अपने युद्धपोत झोंकता है तो उन्हें समुद्र में दफन कर दिया जाएगा।

अल जजीरा की रिपोर्ट में फार्स न्यूज एजेंसी के हवाले से बताया है गया कि आईआरजीसी के राजनीतिक मामलों के उप प्रमुख, ब्रिगेडियर जनरल यादुल्लाह जवनी के मुताबिक ईरानी सेना इस संभावना को ध्यान में रखकर काम कर रही है कि अमेरिका या इज़राइल कभी भी हमला कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि "सेना दुश्मन की किसी भी चाल का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है।"

- ईरान की आईआरजीसी ने कहा कि अमेरिका ने युद्धपोत लड़ाई में उतारे तो उन्हें समुद्र में दफन कर देंगे।

उन्होंने कहा कि ईरान को अचानक चौंकाया नहीं जा सकेगा और वह जरूरत के हिसाब से जवाब देगा। जवनी ने कहा कि ईरान की सैन्य क्षमता पहले से सुदृढ़ हो गई है। हमले का अंदेशा होते ही जवाबी हमले शुरू कर दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि ईरान ऐसी स्थिति में अमेरिकी युद्धपोतों पर भारी और विनाशकारी हमला करेगा।

राहुल गांधी कभी देश के प्रधानमंत्री नहीं बन सकते- अमित शाह

केन्द्रीय गृह मंत्री ने चंडीगढ़ में 250 करोड़ रूपए की नौ परियोजनाओं का शिलान्यास किया

चंडीगढ़ , 01 नवंबर। गृहमंत्री अमित शाह ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि सोनिया का सपना है कि उनका बेटा प्रधानमंत्री बने, लेकिन यह सपना पूरा नहीं हो रहा। अब उन्होंने मॉक पार्लियामेंट करने का नया तरीका तलाशा है। शाह ने कहा कि मैं राहुल से कहना चाहता हूं कि अगर आपको प्रधानमंत्री बनना है, तो पूरा जीवन मॉक पार्लियामेंट में ही बने रहिए। आपका नंबर कभी नहीं लगने वाला। तीन चुनावों से ये हार रहे हैं।

अमित शाह रविवार को चंडीगढ़ के सेक्टर-17 स्थित तिरंगा पार्क में 250 करोड़ के 9 प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद जनसभा को संबोधित कर रहे थे। गृह मंत्री ने कहा कि अगर कांग्रेस पार्टी नरसंहार के काले दिन पर बड़ा जलसा करने की इच्छा रखती है, तो राहुल आपकी मोहब्बत की दुकान से नफरत के अलावा कोई कुछ लेकर नहीं जाएगा। लोग केवल नफरत लेकर जाएंगे।

उन्होंने कहा कि इसके बावजूद कार्यक्रम आयोजित करने की जिद की गई और विदेश से आदेश दिया गया कि उसी दिन कार्यक्रम होगा, जिस दिन हजारों सिखों को जिंदा जलाया गया था। मैं गुरुओं की इस पवित्र धरती से इस प्रयास की निंदा करता हूं। इसे भारत और पंजाब कभी नहीं भूल पाएंगे। गृह मंत्री ने कहा कि हमने सोचा था कि उस समय राहुल गांधी की उम्र कम रही होगी और शायद उन्होंने इतिहास नहीं पढ़ा होगा। इसलिए उन्हें इस घटना की जानकारी नहीं होगी। हमारी पार्टी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अपील की थी कि 1, 2 या 3 नवंबर को कार्यक्रम न रखा जाए, क्योंकि ये 1984 के सिख विरोधी दंगों के दिन हैं। इससे सिख परिवारों की माताओं, बहनों और बच्चों की भावनाएं आहत होंगी।

- अमित शाह ने कहा, राहुल गांधी ने उस दिन रैली रखी, जिस दिन 1984 में हजारों सिखों को जिंदा जलाया गया था। भारत और पंजाब यह कभी नहीं भूल सकता।

शाह ने कहा कि मुझे विश्वास है कि पंजाब के नजदीक होने के बावजूद चंडीगढ़ देश का सबसे पहले नशामुक्त होने वाला शहर बनेगा। एनडीपीएस के मामलों में नए कानून आने के बाद चंडीगढ़ पुलिस ने 93 प्रतिशत आरोपियों को जेल भेजा है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि पंजाब में विधानसभा चुनाव आने वाले हैं। वहां एनडीए की सरकार बनानी है। ऐसी आवाज नहीं चलेगी। इसके बाद उन्होंने लोगों से दोनों हाथ उठाकर नारे लगाने की अपील की। गृहमंत्री ने कहा कि पंजाब में एनडीए सरकार की जीत का बीज बोकर जा रहे हैं।

रैली के कारण ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विशेष रूप से आईटीओ पर वाहन चालकों को काफी असुविधा हुई। यातायात जाम के कारण वाहनों की गति बहुत धीमी हो गई थी। पुलिस कर्मी प्रमुख चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर तैनात थे।

रैली में बड़ी संख्या में लोगों के आने से सड़कों पर दबाव बढ़ गया। इससे सामान्य यातायात प्रभावित हुआ। पुलिस ने यात्रियों से वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की अपील की थी।

आजम खान को 14 दिन की न्यायिक हिरासत मिली

गाजियाबाद, 01 नवंबर। समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता और उत्तर प्रदेश सरकार में पूर्व कैबिनेट मंत्री आज़म खान को गाज़ियाबाद की विशेष प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) अदालत ने रविवार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने उन्हें अदालत में पेश किया था। पत्रकारों ने जब आज़म खान से पूछा कि क्या वह इस मामले में कुछ कहना चाहेंगे, तो उन्होंने निराशा और बेबसी भरे अंदाज में कहा, अब क्या है, बोलने के लिए। इस बीच सपा के कई नेता भी अदालत परिसर पहुंचे।

- ईडी ने मनी लॉन्डरिंग मामले में गिरफ्तार कर उन्हें गाजियाबाद अदालत में पेश किया।

ज्ञातव्य है कि दो पैन कार्ड मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय से जमानत मिलने के बाद शनिवार शाम रामपुर जेल से रिहा होते ही ईडी ने आजम खान को हिरासत में ले लिया था। रविवार को उन्हें पीएमएलए अदालत में पेश किया गया। यह मामला मौलाना मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय और उससे जुड़े जौहर ट्रस्ट में कथित वित्तीय अनियमितताओं तथा मनी लॉन्ड्रिंग की जांच से संबंधित है।

कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत बढ़ी

नई दिल्ली, 01 नवंबर। दीवाली से ठीक पहले, भारत में लगातार तीसरे महीने एलपीजी गैस सिलैंडर की कीमतों में बढ़ोतरी की गई है। एक नवंबर 2026 से, प्रमुख महानगरों में कमर्शियल एलपीजी की कीमतों में 10 रुपये से लेकर 17 रुपये तक की वृद्धि की गई है। कमर्शियल एलपीजी 19 किलोग्राम वाले सिलैंडर में बेची जाती है।

वहीं दूसरी ओर, घरेलू एलपीजी की कीमतों में लगातार छठे महीने कोई बदलाव नहीं किया गया है। कमर्शियल एलपीजी के विपरीत, घरेलू एलपीजी सिलैंडर 14.2 किलोग्राम के होते हैं और इनका इस्तेमाल भारतीय घरों में सबसे ज्यादा किया जाता है।

- एक नवम्बर से इसमें 10 से 17 रूपए की वृद्धि की गई।

1 नवंबर 2026 से दिल्ली में 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी सिलैंडर की कीमत 10 रुपये बढ़ाकर 2,820 रुपये कर दी गई है। पिछले महीने इसकी कीमत 2,810 रुपये थी।

नवंबर 2026 में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी कोलकाता में की गयी, जहां कीमत 17 रुपये बढ़ कर 2,971 रुपये प्रति सिलिंडर हो गई, जबकि अक्टूबर में वहां एलपीजी की कीमत 2,954 रुपये थी।

व्यापारियों ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रहा। रामलीला मैदान के करीब 10 किलोमीटर के दायरे में माल ढुलाई और परिवहन गतिविधियां भी प्रभावित हुईं। कई जगहों पर माल की लोडिंग और अनलोडिंग का काम लगभग ठप रहा।

भूटान में एक दिन में 108 स्तूपों का निर्माण व अभिषेक

भारत की ओर से केन्द्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने निर्माण व अभिषेक समारोह में भाग लिया

नई दिल्ली, 01 नवंबर। केन्द्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने रविवार को भूटान के गेलेफू माइंडफुलनेस सिटी में 108 बौद्ध स्तूपों (चोर्टेन) के निर्माण और अभिषेक समारोह में भारत सरकार का प्रतिनिधित्व किया। इस समारोह का नेतृत्व भूटान के नरेश जिग्मे खेसर नामगेल वांगचुक ने किया।

सरकार के अनुसार निर्माण समारोह में रिजिजू की उपस्थिति भारत और भूटान के लोगों के बीच साझा आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संबंधों तथा घनिष्ठ मित्रता की अभिव्यक्ति है। इस परियोजना का उद्देश्य गेलेफू माइंडफुलनेस सिटी को वज्रयान बौद्ध धर्म के एक प्रमुख केंद्र के रूप में प्रदर्शित करना और साथ ही भूटानी लोगों के मूल्यों और संस्कृति का प्रतिनिधित्व करना है।

- इस परियोजना की परिकल्पना भूटान नरेश वांगचुक ने की थी। नदी किनारे 11.7 किलोमीटर के क्षेत्र में हजारों स्वयंसेवकों ने एक ही दिन में 15 मीटर ऊंचे तथा एक दूसरे से 108 मीटर दूर 108 स्तूपों का निर्माण किया।

उल्लेखनीय है कि 108 स्तूप परियोजना की परिकल्पना भूटान के नरेश ने की थी और उन्होंने ही इसके कार्यान्वयन का मार्गदर्शन भी किया। असम की सीमा के निकट गेलेफू माइंडफुलनेस सिटी में माओ छू नदी के किनारे 11.7 किलोमीटर के क्षेत्र में लगभग 40 हज़ार स्वयंसेवकों ने एक ही दिन में 15 मीटर ऊंचे और एक-दूसरे से 108 मीटर की दूरी पर स्थित 108 स्तूपों का निर्माण किया।

भूटान के नरेश और प्रधानमंत्री तथा मंत्री रिजिजू ने स्तूप संख्या 76 पर प्रार्थना की। भूटान के नरेश ने गेलेफू माइंडफुलनेस सिटी के प्रति प्रधानमंत्री मोदी की प्रतिबद्धता और अटूट समर्थन के लिए समर्पित किया था। रिजिजू ने प्रधानमंत्री मोदी की ओर से भूटान के नरेश को परियोजना के अंतर्गत स्तूप समर्पित करने के इस सम्मान के लिए आभार व्यक्त किया।

भाजपा ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुख्य चुनाव आयुक्त कुमार के इस्तीफा और एसएआर की प्रक्रिया को रोकने की मांग की गई। शनिवार को इंडी गठबंधन की ओर से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के सरकारी आवास पर जन महाभियोग का आयोजन किया गया था, जिसमें चुनाव आयोग के खिलाफ महाभियोग लाया गया।

कर्नाटक : पत्नी-बच्चों की हत्या कर कारोबारी रेल के आगे कूदा

रायचूर, 01 नवंबर। कर्नाटक के रायचूर स्थित जलालनगर के रायता कॉलोनी में कारोबार में नुकसान और बढ़ ते कर्ज से परेशान एक व्यक्ति ने पत्नी और दो बच्चों की हत्या करने के बाद ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। मृतकों की पहचान विष्णु महेश (45), उनकी पत्नी अरुणा (36) तथा बच्चों श्लोक (10) और खुशी (7) के रूप में हुई है। विष्णु महेश गंज में मुंशी के रूप में काम करते थे। इसके साथ ही वह हैदराबाद में कारोबार भी चलाते थे। कारोबार में नुकसान होने के कारण उन पर कर्ज का बोझ बढ़ गया था। उन्होंने अपनी आर्थिक परेशानियों के बारे में दोस्तों और रिश्तेदारों को बताया था और दोस्तों से आत्महत्या करने की बात भी कही थी। दोस्तों ने उन्हें समझाकर ऐसा कदम नहीं उठाने की सलाह दी थी। आशंका जताई जा रही है कि विष्णु ने पत्नी और दोनों बच्चों की गला घोंटकर हत्या की।

नेपाल की भारी बर्फबारी में 6 भारतीय पर्यटक लापता

पर्यटक धो से फोक्सुंडो झील की तरफ लौटते समय बर्फ में फंस गए

काठमांडू, 01 नवंबर। नेपाल के डोल्पा जिले में भारी बर्फबारी के बीच शे-फोक्सुंडो झील की ओर जा रहे छह भारतीय पर्यटक लापता हो गए हैं। लापता पर्यटकों में दो महिला और चार पुरुष शामिल हैं। नुमला पास और बगला पास के इलाके में उनसे संपर्क टूट गया। ये दोनों दर्रे शे-फोक्सुंडो के वार्ड नंबर 4 और 8 के बीच स्थित हैं।

डोल्पा की मुख्य जिला अधिकारी जुनु हमाल ने बताया कि पर्यटक धो से फोक्सुंडो झील की ओर लौट रहे थे, तभी वे बर्फ में फंस गए। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों ने उन्हें पहाड़ पार करने में होने वाली कठिनाइयों के बारे में आगाह किया था, लेकिन वे आगे बढ़ गए और अब उनसे संपर्क नहीं हो पा रहा है।

- शे-फोक्सुंडो गांवपालिका के अध्यक्ष धावा सादुक गुरूंग के अनुसार, वार्ड नंबर 4 और 8 के बीच स्थित दर्रों में मोबाइल नेटवर्क बिल्कुल नहीं है, इसलिए पर्यटकों के बारे में जानकारी जुटाना मुश्किल हो रहा है।

शे-फोक्सुंडो गांवपालिका के अध्यक्ष धावा साम्दुक गुरूग के अनुसार, वार्ड नंबर 4 और 8 के बीच स्थित दर्रों में मोबाइल नेटवर्क बिल्कुल नहीं है। संचार सुविधा नहीं होने के कारण पर्यटकों की स्थिति के बारे में जानकारी जुटाना मुश्किल हो रहा है।

डोल्पा के पुलिस उपाधीक्षक अनिल राज गिरी ने बताया कि इन पर्यटकों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। उन्होंने कहा कि तलाश और बचाव अभियान के लिए संबंधित निकायों से हेलीकॉप्टर की व्यवस्था करने का अनुरोध किया गया है। मुख्य जिला अधिकारी हमाल ने बताया कि लापता पर्यटकों का पता लगाने और उन्हें सुरक्षित निकालने के लिए नेपाली सेना की एक टीम भी तैनात की गई है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908